04 - बाल विवाह : किरणों का दुपहरी में अस्त हो जाना

05 - पराक्रम और पुरूषार्थ के पर्याय : भगवान परशुराम

A Daily News Magazine
इंदौर
बुधवार, 30 अप्रैल, 2025

06 - ताप्ती लोक की मुख्यमंत्री से मिली स्वीकृति...

07 - एम्स भोपाल के प्रथम वर्ष के एमबीबीएस छात्रों ने राष्ट्रीय क्विज...

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित
वर्ष 10 अंक 200, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

पाक को सबक सिखाना एवं आतंकवाद को उखाड़ना जरूरी

ललित गर्ग

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए बर्बर एवं क्रूर आतंकी हमले से सारा देश गम एवं गुस्से में दिख रहा है, वहीं मोदी सरकार इस बार आर-पार के मूड में दिख रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) की बैठक के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ पांच बड़े और कड़े फैसले लेते हुए पाकिस्तान पर शिकंजा कसा है, जिससे वह घबराया है। इन पंच शिकंजों में 1960 की सिंधु जल संधि को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है, राजनयिक मिशन की संख्या घटाई जाएगी, पाकिस्तानी सैन्य राजनयिकों को एक हफ्ते में भारत छोड़ना होगा, पाकिस्तानियों के लिए सार्क वीज़ा रद्द कर दिया गया है और अटारी बॉर्डर को भी तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया गया है। ये कदम जहां आतंकवाद के खिलाफ भारत की कड़ी नीति को दर्शाते हैं वहीं पाकिस्तान को उसकी औकात दिखाने का एक डिप्लोमैटिक स्ट्राइक है, जबकि भीतर-ही-भीतर किसी बड़ी कार्रवाई से इंकार नहीं किया जा सकता। सीमा पार आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान पर दबाव बनाने और भारत की सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में मोदी सरकार से अभी अधिक सख्त कार्रवाई की अपेक्षा है और आशा की जा रही है कि सरकार जनता की अपेक्षाओं से भी दो कदम आगे इस बार बदला लेगी। इस बार की तांडवी टंकार एवं हुंकार पाकिस्तान की न केवल कमर तोड़ देगी, बल्कि उसके नापाक मनसूंबों को हमेशा के लिये नेस्तनाबूद कर देगी। पाकिस्तान ने अब तक भारत की शांति एवं सहयोग भावना को देखा है लेकिन अब हिंसा के लिये हिंसा की खनकार देखेगा। निर्दोषों की हत्या करन वालों, विश्वासघात का मार्ग अपनाने वालों एवं निहत्थों पर कहर बरपाने वालों को अब पता लगेगा कि धर्म एवं शांतिवादियों की ताकत क्या होती है?

पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा के एक संगठन 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' ने निर्दोष पर्यटकों पर किये गये इस कायरतापूर्ण हमले की जिम्मेदारी ली है। यह महज संयोग नहीं कि यह हमला 26/11 के आरोपी तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण और पाक सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर के भारत विरोधी बयान के बाद हुआ। दाने-दाने को तरसता पाकिस्तान अब त्राहि-त्राहि करते हुए तबाही के कगार पर पहुंचेगा। एक ओर जहां बलूच विद्रोह ने मुनीर व सेना की नींद उड़ा रखी है। गैर मुस्लिमों को निशाना बनाना और वह भी अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी.वेंस की भारत यात्रा के दौरान- यह स्पष्ट करता है कि आतंकवादियों व उनके आकाओं ने भाजपा के नेतृत्व वाली मोदी सरकार को सीधे-सीधे ललकारा है।

पहलगाम हत्याकांड के बाद न केवल समूचे देश में बल्कि कश्मीर घाटी में पहली बार गहरा आक्रोश देखने को मिला है। घाटी में 35 साल बाद पहली बार आतंकी हमले के खिलाफ बंद का आयोजन किया गया है। बुधवार को बंद के आह्वान के बाद श्रीनगर में अधिकांश व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे। यह घटना कश्मीरियों की रोजी-रोटी पर कुठाराघात है। लश्करे-ए-तैयबा से जुड़े आतंकी संगठन के इस हमले का मकसद पर्यटकों में खौफ पैदा करना और घाटी में सामान्य स्थिति की वापसी को रोकना था। यहां उल्लेखनीय है कि बीते साल जम्मू-कश्मीर में पैंतीस लाख से अधिक पर्यटक पहुंचे थे। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद जम्मू-कश्मीर में काफी बदलाव आया था। आतंकवाद लगातार सिमट रहा था, शांति का उजाला हो रहा था। श्रीनगर के लालचौक पर मिलजुल कर त्यौहार मनाए जाने लगे थे। बर्फ की वादियों में मंद-मंद शीतल हवाओं से चिनार के पेड़ झूमने लगे थे। जो देश एवं दुनिया के असंख्य पर्यटकों को खींच रहे थे। उम्मीदें बंध गई थीं कि एक न एक दिन आतंकवाद मुक्त जम्मू-कश्मीर नई सुबह देखेगा लेकिन बढ़ते पर्यटक और मजबूत होती अर्थव्यवस्था पाक को रास नहीं आई। पहलगाम के भयावह हमले ने एक बार फिर सबको खौफजदा कर दिया। जम्मू-कश्मीर में शांति, सौहार्द और विकास पाकिस्तान में बैठे आतंक के आकाओं को नागवार गुजर रहा था। इसलिए पाकिस्तान की सेना, सेना प्रमुख तौकिर मुनीर, उसकी खुफिया एजैंसी आईएसआई और आतंकवादी संगठनों ने मिलकर ऐसी साजिश रच डाली, जिसने उनके धर्म को धुंधलाने एवं शर्मसार करने के साथ पाकिस्तानी इरादों को भी बेनकाब कर दिया।

पाकिस्तान को जवाब देने की तैयारी व्यापक स्तर पर हो रही है, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या भारत ऐसी कोई बड़ी कार्रवाई कर सकेगा, जिससे वह सही रास्ते पर आ जाए? पहलगाम का आतंकी हमला भारत की चेतना और उसकी अस्मिता पर किया गया भीषण हमला है। इस हमले के द्वारा भारत को ललकारा गया है। अब पाकिस्तान को उसी की भाषा में सबक सिखाने के लिए सभी विकल्पों पर विचार होना ही चाहिए। यदि युद्ध अपेक्षित हो तो उसे भी अंजाम देना चाहिए। उसकी परमाणु हमले की धमकियों से आखिर कब तक डरा जायेगा? इसी के साथ इस पर भी मंथन हो कि आखिर पहलगाम में आतंकी इतनी आसानी से इतने लोगों को मारने में सफल कैसे हो गए? सीमा पार से आतंकियों की घुसपैठ एवं सक्रियता जारी थी। ऐसे में भारत सरकार, सुरक्षा बलों और खुफिया एजेंसियों को और सतर्क रहना चाहिए था। यह मानने के पर्याप्त कारण हैं कि कश्मीर में जब बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंच रहे थे, तब वहां जैसी चौकसी बरती जानी चाहिए थी, उसका अभाव क्यों देखने को मिला?

जिस तरह से धर्म और नाम पूछकर आतंकवादियों ने हिन्दुओं का नरसंहार किया उससे समूचा राष्ट्र आक्रोश में है। भारत की बेटी जिस की हाथों की मेहंदी का रंग भी अभी फीका नहीं हुआ था और तीन दिन पहले ही उसकी शादी हुई थी, उसकी अपने पति भारतीय नौसेना के लेफ्टीनेंट विनय नरवाल के शव के साथ तस्वीर देखकर समूचे देश का दिल दहल गया। यह हमला वैसा ही जैसा हमास के आतंकवादियों ने इजराइल पर किया था। आज समूचा राष्ट्र प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ खड़ा है। हर देशवासी चाहता है कि पाकिस्तान को ऐसा सबक सिखाया जाए जैसा इजराइल ने हमास को सिखाया है। बहरहाल, इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद केंद्र सरकार ने युद्धस्तर पर कार्रवाई प्रारंभ कर दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार में तीव्र गर्जना करते हुए पाकिस्तान को सबक सिखाने का संकल्प व्यक्त किया है। गृहमंत्री अमित शाह ने आतंकवाद के आगे घुटने न टेकने की बात कहीं है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हमलावरों को यथा शीघ्र कड़ा जवाब दिया जाएगा। लेकिन अब घाटी की उन आवाजों को भी बुलंद करना चाहिए जिन्होंने हिंसा को खारिज करके मानवता, देश की एकता एवं घाटी की शांति को चुना है।

(प्रभासाक्षी डॉट कॉम में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

एमपी में 1 से 30 मई तक होंगे तबादले

● डॉ. मोहन कैबिनेट में पॉलिसी को मिल गई मंजूरी ● मंत्री और प्रभारी मंत्रियों को मिल गया है अधिकार

भोपाल। मध्यप्रदेश की डॉ. मोहन यादव कैबिनेट की मंगलवार को हुई बैठक में एक मई से 30 मई तक तबादले करने को हरी झंडी मिल गई है। जीएडी के प्रस्ताव पर नीति में जो प्रस्ताव तय किए हैं उसके अनुसार मंत्री और प्रभारी मंत्री तबादले कर सकेंगे। इसके लिए विभागों में पद वार तबादलों का प्रतिशत भी तय किया गया है। 200 पद के

कैबिनेट ने जो तबादला नीति मंजूर की है, उसमें कुल तबादलों में स्वैच्छिक तबादलों को भी जोड़ा जाएगा। विभाग खुद भी तबादला नीति बना सकेंगे और इसके लिए जीएडी से अनुमति लेंगे। कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि तबादला नीति को मंजूरी दे दी है। 30 मई तक ई आफिस में सारे ट्रांसफर लागू होंगे। इसके बाद तबादले नहीं हो सकेंगे। इसलिए मंत्रियों से कहा गया है कि वे तीस मई के पहले सभी तबादला आदेश जारी कर दें। इसके लिए तबादला प्रस्तावों में भी बदलाव किया गया है। कैबिनेट ने तबादला लिए 20 प्रतिशत, 201 से 1000 से 15 प्रतिशत, 1001 से 2000 तक 10 प्रतिशत, 2001 से अधिक पर 5 प्रतिशत तबादले होंगे। मंत्री ने कहा कि सरकार ने तबादलों की प्रतिशत सीमा में स्वैच्छिक तबादलों को इसलिए जोड़ा है ताकि कुल पदों के हिसाब से तबादले का प्रतिशत बना रहे। अगर स्वैच्छिक तबादलों को अलग रखा जाएगा तो कुल पदों की संख्या के प्रतिशत से यह अधिक हो जाएगा। इसलिए कैबिनेट ने तय किया है कि स्वैच्छिक तबादलों को भी पदों के आधार पर तय तबादला संख्या और प्रतिशत में जोड़ा जाएगा।

चंबल में लगेगा तीन हजार मेगावाट का सोलर पार्क, यूपी को देंगे बिजली

मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि ग्रीन एनर्जी पर फोकस मोहन सरकार ने किया है। इसलिए एमपी और यूपी सरकार की बिजली डिमांड को ध्यान रखते हुए प्लान तैयार किया गया है। एमपी में बरसात में बिजली की डिमांड कम हो जाती है जबकि यूपी में बरसात के दौरान डिमांड बढ़ जाती है। मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि कैबिनेट ने तय किया है कि तीन हजार मेगावाट का सोलर प्लांट लगाया जाएगा। एक हजार मेगावाट कंपोजिट प्लान में रहेगी जबकि 2 हजार मेगावाट यूपी को दी जा सकेगी। यह प्लांट चंबल में लगाया जाएगा। केंद्र सरकार की यूनिफाइड पेंशन योजना (यूपीएस) के लिए छह अधिकारियों की कमेटी बनी है। यह कमेटी कर्मचारियों के लिए वैकल्पिक रूप पेंशन स्कीम का प्रस्ताव तैयार करेगी। इस कमेटी में अशोक बर्णवाल, मनीष रस्तोगी, लोकेश जाटव, तन्वी सुंद्रियाल, अजय कटेसरिया, जेके शर्मा इस कमेटी में शामिल हैं। कमेटी भारत की गाइडलाइन का अध्ययन कर रिपोर्ट देगी। भारत सरकार की गाइडलाइन के आधार पर यह कमेटी बनाई गई है। शासकीय कर्मचारियों को महंगाई भत्ते की किस्त देने के मुख्यमंत्री के फैसले पर कैबिनेट ने अनुसमर्थन दिया है। अब कर्मचारियों को 55 प्रतिशत महंगाई भत्ता मिलेगा जो केंद्र सरकार के कर्मचारियों को मिलने वाले भत्ते के बराबर हो गया है। पराली जलाने के मामले में सरकार ने सख्त निर्णय लिया है। अगर कोई किसान पराली जलाएगा तो किसान सम्मान निधि एक साल के लिए रोक दी जाएगी और अगले साल उपज खरीदी नहीं जाएगी। इससे किसानों को नुकसान से बचना होगा।

कॉमनवेल्थ घोटाला

ईडी की क्लोजर रिपोर्ट को मंजूरी

कोर्ट ने कहा-मनी लॉन्ड्रिंग का अब तक कोई सबूत नहीं मिला

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2010 के कॉमनवेल्थ गेम्स में मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली की राउज एवन्यू कोर्ट ने ईडी की क्लोजर रिपोर्ट को मंजूरी दे दी। कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा–ईडी की जांच में मनी लॉन्ड्रिंग का कोई सबूत नहीं मिला। इसलिए इस मामले को और आगे बढ़ाने का कोई भी कारण नहीं है। राउज एवेन्यू कोर्ट के स्पेशल जज संजीव अग्रवाल ने कहा कि ईडी ने सीबीआई के भ्रष्टाचार वाले केस के आधार पर मनी लॉन्ड्रिंग की जांच शुरू की थी। लेकिन सीबीआई पहले ही भ्रष्टाचार के मामले में सभी

आरोपियों को बरी कर चुकी है। साथ ही ईडी की जांच में भी अपराध का कोई सबूत नहीं मिला। कोर्ट ने सभी आरोपियों की जांच को समाप्त किया कोर्ट ने पूर्व कॉमनवेल्थ गेम्स आयोजन समिति के प्रमुख सुरेश कलमाड़ी, महासचिव ललित भनोट और अन्य आरोपियों के खिलाफ दायर मनी लॉन्ड्रिंग की जांच को समाप्त कर दिया। इसी के साथ 15 साल पुराना घोटाला केस समाप्त हो गया। भ्रष्टाचार का सबूत नहीं मिलने पर सीबीआई ने 2014 में क्लोजर रिपोर्ट लगाई थी कॉमनवेल्थ गेम्स का आयोजन अक्टूबर 2010 में हुआ था। तमाम आरोपों और रिपोर्ट के बाद सीबीआई ने एक दर्जन से ज्यादा केस दर्ज किए।

सुप्रभात

अदाएँ तुम बना लेना इशारे मैं बनाऊँगा
तुम्हारे फूल–जज़्बों को शरारे मैं बनाऊँगा

तुम्हारा साथ शामिल है तो फिर तुम देखते जाओ
ज़मीन–ओ–आसमाँ के अब किनारे मैं बनाऊँगा

अगर तुम फ़ैसला कर लो मोहब्बत ओढ़ लेने का
तो फिर उस शाल के ऊपर सितारे मैं बनाऊँगा

तुम्हारा काम इतना है फ़क़त काजल लगा लेना
तुम्हारी आँख की ख़ातिर नज़ारे मैं बनाऊँगा

तुम्हें बस मुस्कुराना है तुम्हें बस गुनगुनाना है
मोहब्बत के लिए नग़्मे तो सारे मैं बनाऊँगा

अगर उस की ये ख्वाहिश हो कि जू–ए–शीर
लाज़िम है
फ़क़त इक बार 'ख़ालिद' वो पुकारे मैं बनाऊँगा।

- ख़ालिद नदीम शानी

अब एआई को देश के लिए उपयोगी बनाएगी सरकार

● पीएम बोले-टैलेंट, टेम्परामेंट और टेक्नोलॉजी भारत का भविष्य बदलेगी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा-25 साल में विकसित भारत बनाने का है लक्ष्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में वाययूजीएम कॉन्क्लेव में शामिल हुए। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते कहा कि टैलेंट, टेम्परामेंट और टेक्नोलॉजी ही भारत के भविष्य को ट्रांसफॉर्म करेगी। हमारा मकसद आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को भारत के लिए मददगार बनाना है। मोदी ने कहा,हमें भविष्य की हर तकनीक में भारत को दुनिया में सबसे बेहतर बनाने के लिए काम करना होगा। भारत में दुनिया के टॉप संस्थानों के कैंपस खुलने की शुरुआत हो चुकी है। अब विदेशों में हमारे प्रमुख संस्थानों के कैंपस खुल रहे हैं। प्रधानमंत्री ने आगे कहा, हमने विकसित भारत के लक्ष्य के लिए अगले 25 साल की समयसीमा तय की है। हमारे पास समय सीमित है, लक्ष्य बड़े हैं। इसलिए यह जरूरी है कि हमारे विचार से लेकर प्रोटोटाइप तक का सफर भी कम से कम समय में पूरा हो। वाययूजीएम कॉन्क्लेव का मकसद इनोवेशन का एक इकोसिस्टम बनाना है, जिससे निजी क्षेत्र के निवेश को रिसर्च के क्षेत्र में बढ़ावा दिया जा सके।

विक्टिम के पिता को सीबीआई पर नहीं है भरोसा

आरजे केस: कहा-एजेंसी अपराधियों को जानती है

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर से रेप-मर्डर केस में पीड़िता के पिता ने सीबीआई को लेकर गुस्सा और नाराजगी जाहिर की है। साथ ही कई नए खुलासे किए हैं। उन्होंने मंगलवार को दावा किया कि सीबीआई को उनकी बेटी के अपराधियों के बारे में पता है, लेकिन एजेंसी सच नहीं बता रही है। उन्होंने न्यूज एजेंसी से कहा-सीबीआई ने कोलकाता हाई कोर्ट और सियालदह जिला कोर्ट में दो अलग-अलग रिपोर्ट पेश की है। यहां तक की सुप्रीम कोर्ट के जज भी उनकी रिपोर्ट पर यकीन नहीं कर रहे है। हमें सीबीआई पर भरोसा था, लेकिन अब हमें उन पर कोई विश्वास नहीं है। इसके अलावा उन्होंने और कई दावा किए।

बांग्लादेशी घुसपैठियों के अवैध निर्माण पर ऐक्शन

● गुजरात हाईकोर्ट ने भी स्टे की याचिका ठुकराई, सरकार बोली-चार बांग्लादेशी अलकायदा से जुड़े

अहमदाबाद (एजेंसी)। अहमदाबाद के चंडोला तालाब क्षेत्र में मंगलवार से बांग्लादेशी घुसपैठियों के अवैध निर्माण पर बुलडोजर ऐक्शन शुरू हो गया है। गुजरात पुलिस ने सोमवार रात से ही तैयारियां शुरू कर दी थीं। यहां 50 बुलडोजर और 36 डंपर लगाए गए हैं। अब तक की 2000 वर्ग गज यानी 18 हजार वर्ग फुट में फैले क्षेत्र के अतिक्रमण को साफ किया जा चुका है। पुलिस, क्राइम ब्रांच, एसओजी, साइबर क्राइम और एसआरपी की टीमें इलाके में तैनात हैं। गुजरात हाईकोर्ट ने स्टे की याचिका खारिज की हाईकोर्ट में इस मेगा डिमॉलिशन पर स्टे लगाने की याचिका दाखिल की गई थी।

मोहाली के एएपी नेता की बेटी की कनाडा में मौत

4 दिन से लापता वंशिका का शव समंदर किनारे मिला

चंडीगढ़ (एजेंसी)। मोहाली के डेराबस्सी की एक लड़की की कनाडा में संदिग्ध हालात में मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, डेराबस्सी की वंशिका कनाडा में पढ़ाई करती थी। साथ ही, पार्ट टाइम जॉब भी करती थी। 22 अप्रैल को वह लापता हो गई थी, बाद में उसका शव समंदर किनारे मिला। वंशिका के पिता दविंदर सैनी आम आदमी पार्टी के नेता हैं। उन्होंने बेटी की हत्या का शक जाहिर किया है। वंशिका के परिवार ने केंद्र सरकार से उसकी बॉडी जल्द भारत लाने की गुहार लगाई है। कनाडा में पढ़ाई कर रही 21 साल की

वंशिका ने 18 अप्रैल को अपनी फाइनल परीक्षा दी थी। 22 अप्रैल को वह काम पर गई, फिर वापस नहीं लौटी। 25 अप्रैल को दोस्तों ने घर जाकर देखा तो पता चला कि वह काम से नहीं लौटी है। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 22 °c

न्यूनतम 16°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ बुधवार, 30 अप्रैल 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

डॉ. तेज प्रकाश व्यास को गोल्ड मेडल व 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड'

लखनऊ। लखनऊ में आयोजित अंतरराष्ट्रीय जैव वैज्ञानिकों के त्रिदिवसीय सम्मेलन तथा जूलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया के 36वें अधिवेशन में देश के प्रतिष्ठित जैव वैज्ञानिक एवं हार्पेटोसाइंटिस्ट डॉ. तेज प्रकाश पूर्णानन्द व्यास को गोल्ड मेडल, सम्मान पत्र, तथा 2025 के 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान मुख्य अतिथि पद्मश्री सोबती, जूलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया के प्रेसिडेंट डॉ बी एन पाण्डे और लखनऊ विश्व विद्यालय के कुलगुरु डॉक्टर आलोक कुमार ने प्रदान किया। डॉ.व्यास को यह सम्मान भारत में जैव विज्ञान तथा सरीसृप विज्ञान (Herpetology) के क्षेत्र में अद्वितीय आजीवन योगदान एवं उत्कृष्ट शोध कार्यों के लिए प्रदान किया गया है। इसी क्रम में, प्रयागराज के कुलभास्कर स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आयोजित विशेष संगोष्ठी में डॉ. व्यास ने 'पादप पोषक तत्वों द्वारा मानव हृदय सुरक्षा' विषय पर एक प्रेरणादायक व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस अवसर पर संस्थान द्वारा उन्हें 'पादप पोषक वैज्ञानिक' के रूप में विशेष शील्ड और सम्मान पत्र प्रदान किया गया। डॉ. तेज प्रकाश पूर्णानन्द व्यास भारतीय उपमहाद्वीप के प्रकृति, वन्यजीव एवं सरीसृप संरक्षण के क्षेत्र में विख्यात अंतरराष्ट्रीय संस्था 'प्रकृति संरक्षण संघ (IUCN), ग्लैंड, स्विट्जरलैंड' से जुड़े वरिष्ठ वैज्ञानिक हैं। वे शासकीय महाराजा भोज स्नातकोत्तर महाविद्यालय, धार (मध्यप्रदेश) के पूर्व प्राचार्य रह चुके हैं।

जल रहे हैं जैसलमेर-बाड़मेर | राजस्थान में रिकॉर्ड तोड़ गर्मी

46 डिग्री पार पहुंचा पारा, यूपी-एमपी में बारिश से मिली राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के कई राज्यों में भीषण गर्मी से लोग परेशान हैं। राजस्थान में सोमवार को गर्मी ने 7 सालों का रिकॉर्ड तोड़ दिया। जैसलमेर में दिन का तापमान 46.2 डिग्री सेल्सियस था। यह अप्रैल महीने में अब तक का सबसे ज्यादा तापमान है। इससे पहले जैसलमेर में 30 अप्रैल 2018 को तापमान 46.1 डिग्री था। जैसलमेर के अलावा बाड़मेर में तापमान 46.4 डिग्री दर्ज हुआ। जोधपुर में पारा 44.4 डिग्री पहुंच गया। जयपुर, अलवर, भीलवाड़ा समेत बाकी शहरों में भी तापमान 40 डिग्री के ऊपर रहा। मौसम विभाग ने कहा है कि राज्य में दो दिन भीषण गर्मी होगी।

1 मई से आंधी-बारिश का दौर शुरू हो सकता है। दूसरी तरफ, मध्य प्रदेश और यूपी में आज बारिश का अलर्ट है। इससे लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिल सकती है। मध्य प्रदेश में 2 मई और यूपी में 3 मई तक

बूंदाबांदी जारी रहेगी। लखनऊ में सुबह से बादल छाए हैं। ठंडी हवाएं चल रही हैं। यूपी के 35 से ज्यादा जिलों का तापमान 40 डिग्री से कम हो गया है। मौसम विभाग ने बिहार और छत्तीसगढ़ में बारिश के साथ आंधी और बिजली गिरने की आशंका जताई है। इस दौरान हवा की रफ्तार 40 से 60 किमी प्रति घंटा हो सकती है। बिहार के 15 जिलों में यलो अलर्ट है। छत्तीसगढ़ में सोमवार को कई जिलों में आंधी और बारिश के साथ ओले गिरे। बारिश के बाद तापमान 7.3 डिग्री तक कम हो गया है। केरल, कर्नाटक, ओडिशा, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा में भी भारी बारिश की चेतावनी है। पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड और ओडिशा में काल बैसाखी का मौसम चल रहा है। काल बैसाखी के दौरान भयंकर तूफान, बिजली और गरज

के साथ बारिश होती है। सिक्किम में पर्यटकों के आवाजाही के लिए नया समय जारी सिक्किम में लगातार बारिश और लैंड स्लाइड की घटनाओं के बाद मंगन जिले में एसपी ऑफिस की तरफ से पर्यटकों के वाहनों की आवाजाही के लिए नया समय जारी किया गया है। 30 अप्रैल से गंगटोक से मंगन या चुंगथांग की ओर जाने वाले पर्यटक वाहनों को संकालंग या फिदांग बेली ब्रिज के होते हुए जाएंगे।

पहलगाम हमले से तिनके की तरह बिखरी जम्मू-कश्मीर की उम्मीद

ठंडे बस्ते में गया राज्य का दर्जा, मुख्यमंत्री ने खुद ही कर दिया इनकार

पहलगाम हमले के बाद लंबी खिंच सकती है राज्य के दर्जे की बहाली

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2019 में जब केंद्र सरकार ने जम्मू और कश्मीर के अनुच्छेद 370 (आर्टिकल 370) खत्म किया और तत्कालीन राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों (UT) में तब्दील किया, तभी से यह कयास लग रहे हैं कि आखिर इसके प्रदेश का दर्जा फिर से कब बहाल होगा। लेकिन, पहलगाम हमले के बाद सोमवार को विधानसभा के एक दिन के विशेष सत्र में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने जो कुछ कहा, उससे साफ हो गया है कि यह मुद्दा अब पूरी तरह से ठंडे बस्ते में जा चुका है। क्योंकि, 2019 के बाद जिस तरह से आतंकियों ने UT में कत्लेआम मचाया है, जब प्रदेश में चुनाव करवाने को जल्दाबाजी कही जा रही है तो इसे पूर्ण राज्य का दर्जा मिल पाना अभी कहां मुमकिन है। सोमवार को मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला पहलगाम में मारे गए 25 पर्यटकों और एक स्थानीय को श्रद्धांजलि देते हुए कई बार भावुक दिखाई पड़े। इसी दौरान उन्होंने कहा कि अभी राज्य का दर्जा मांगना मुझ पर लानत होगी। उन्होंने पर्यटकों को लेकर कहा कि %मैंने उन्हें आमंत्रित किया था, लेकिन मैं मेजबान की अपनी ड्यूटी निभाने में नाकाम हो गया।% अब्दुल्ला कह रहे हैं कि क्या 26 लोगों की जान के मोल पर मुझे केंद्र से राज्य का दर्जा देने की

मांग करनी चाहिए? दरअसल, उमर को अहसास हो चुका है कि यह मांग फिलहाल मुमकिन भी नहीं है। 11 दिसंबर,2023 को सुप्रीम कोर्ट की पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने आर्टिकल 370 हटाने के केंद्र के कदम पर मुहर लगाने वाला ऐतिहासिक फैसला सुनाया था। तत्कालीन चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (CJI) डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली बेंच ने इसके साथ ही केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर को जल्द राज्य का दर्ज वापस लौटाने का भी निर्देश दिया था। अपने इसी आदेश में सर्वोच्च अदालत ने चुनाव आयोग और केंद्र को 30 सितंबर, 2024 तक UT में विधानसभा चुनाव करवाने का भी आदेश दिया था, जिस पर तामील भी की गई। लेकिन, राज्य का दर्जा मिलना संभव न हो सका। इसके बाद कम से कम दो बार खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जम्मू-कश्मीर जाकर वहां के लोगों को राज्य का दर्जा बहाली का भरोसा दे चुके हैं। पहले उन्होंने 21 जून,2024 को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर श्रीनगर में 'जल्द' इसे राज्य बनाने का भरोसा दिया। फिर उसी साल 19 सितंबर को कटड़ा के एक चुनाव रैली में भी उन्होंने कहा, 'जम्मू और कश्मीर में राज्य की बहाली होगी। यह प्रतिबद्धता हमने संसद में जताई है। अब हम पहलगाम हमले के ठीक 15 दिन पहले चलते हैं। यह हमला 22 अप्रैल को हुआ और 7 अप्रैल को जम्मू में बीजेपी विधायकों और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ बातचीत में गृहमंत्री अमित शाह ने कहा था कि जम्मू क्षेत्र में आतंकवाद से जुड़े हालात नियंत्रण में लाए जाएंगे।

पहलगाम आतंकियों के मददगार को छोड़ेंगे नहीं

● सीएम योगी आदित्यनाथ ने पाकिस्तान को ललकारा ● कहा-विपक्ष के नेता पाकिस्तान की भाषा बोल रहे हैं

देवरिया (एजेंसी)। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर पड़ोसी देश पाकिस्तान को ललकारा है। योगी ने कहा कि भारत हमले के आरोपी आतंकियों को किसी हालत में नहीं छोड़ेगा। आतंकियों के मददगार नहीं बचेंगे। योगी ने सपा और कांग्रेस पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पहलगाम हमले पर विपक्षी नेताओं के बयान शर्मनाक हैं। विपक्षी पाकिस्तान की भाषा बोल रहे हैं। पूरे देश में पहलगाम हमले को लेकर आक्रोश है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि पहले प्रयागराज जिला शिक्षा के मामले में नंबर वन था। यह जिला प्रतियोगी परीक्षार्थियों की वजह से जाना जाता था। बीच में ऐसा कालखंड आया जब प्रयागराज को माफियाओं के नाम से जाना जाने लगा। हमारी सरकार में इस माफियाराज को खत्म कर दिया गया। पिछले दिनों प्रयागराज की ही बेटी शक्ति दुबे ने यूपीएसएसी परीक्षा में पूरे देश में पहला स्थान पाकर पूरे यूपी का नाम रोशन कर दिया है। सीएम योगी मंगलवार को देवरिया में 676 करोड़ से अधिक की 501 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया।

अब पाकिस्तानी विमानों और जहाजों पर लगेगा बैन

सिंधु के बाद पाक को एक और तगड़ा झटका देगा भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के खिलाफ भारत की कार्रवाई खत्म नहीं हुई है। खबर है कि भारत सरकार अब पाकिस्तान के विमानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र बंद करने की तैयारी कर रहा है। हालांकि, इसे लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। खास बात है कि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद एनएससी की बैठक में पाकिस्तान ने भारत के विमानों के लिए हवाई क्षेत्र पर रोक लगा दी थी।

देश की सुरक्षा और संप्रभुता से जुड़ी जानकारी सड़क पर चर्चा के लिए नहीं

पेगासस रिपोर्ट सार्वजनिक करने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार, जमकर लताड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेगासस जासूसी रिपोर्ट को सार्वजनिक करने से सुप्रीम कोर्ट ने इनकार कर दिया है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटेश्वर सिंह की बेंच ने मंगलवार को कहा कि देश की सुरक्षा और संप्रभुता से जुड़ी किसी भी रिपोर्ट का खुलासा नहीं किया जाएगा। बेंच ने कहा- व्यक्तिगत आशंकाओं का समाधान किया जा सकता है, लेकिन टेक्निकल पैनल की रिपोर्ट सड़कों पर चर्चा के लिए नहीं हो सकती। इस बात की जांच करनी होगी कि जानकारी किस हद तक साझा की जा सकती है। अगली सुनवाई 30 जुलाई को होगी। 2021 में एक पोर्टल ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया था कि केंद्र सरकार ने 2017 से 2019 के दौरान करीब 300 भारतीयों की

पेगासस स्पाइवेयर के जरिए जासूसी की। इनमें पत्रकार, वकील, सामाजिक कार्यकर्ता, विपक्ष के नेता और बिजनेसमैन शामिल थे। अगस्त 2021 में मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। कोर्ट ने अक्टूबर 2021 में जांच के लिए रिटायर्ड जस्टिस आरवी रवींद्रन की अध्यक्षता में कमेटी बनाई। अगस्त 2022 में इसकी रिपोर्ट आई। इसमें कहा गया कि 29 फोन की जांच की, उनमें पेगासस का कोई सबूत नहीं मिला, लेकिन उनमें से 5 में मैलवेयर पाया गया। याचिका में रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग याचिकाकर्ता के वकील श्याम दीवान ने 22 अप्रैल को मामला सुप्रीम कोर्ट में उठाया था। उन्होंने सीलबंद लिफाफे में सौंपी गई रिपोर्ट को बिना किसी संशोधन के सार्वजनिक करने के निर्देश दिए देने की मांग की। उन्होंने कहा कि 2021 में बनाए गए टेक्निकल पैनल की रिपोर्ट सभी को देने का निर्देश दिया गया था, लेकिन ऐसी कोई रिपोर्ट शेयर नहीं की गई। पेगासस मामले में पत्रकार परंजॉय गुहा ठाकुरता की ओर से पेश वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि वॉट्सएप ने खुद ही खुलासा किया है कि हैकिंग हुई थी। उस समय सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस ने भी हैकिंग होने के संकेत नहीं दिए थे।

2028 तक पूरा होगा मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट

● महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कर दिया बड़ा ऐलान

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुलेट ट्रेन को लेकर बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा है कि मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के 2028 के अंत तक पूरी होने की संभावना है। उन्होंने महाराष्ट्र विधान परिषद को संबोधित करते हुए इस बारे में जानकारी दी। फडणवीस ने गुजरात में हो रही प्रगति पर खुशी जताई। साथ ही उन्होंने पिछली महाविकास अघाड़ी सरकार के दौरान हुई देरी की ओर भी इशारा किया। इस परियोजना का लक्ष्य भारत में तेज गति वाली रेल यात्रा को शुरू करना है। यह परियोजना मुंबई और अहमदाबाद के बीच यात्रा के समय को कम कर देगी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि जापान के सहयोग से बन रही 15 अरब डॉलर की लागत वाली मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन का काम 2028 तक पूरा हो जाएगा।

बिहार में अब 'ऐक्शन' में नीतिश कुमार की पुलिस

● गोपालगंज में ताबड़तोड़ 'हाफ एनकाउंटर', अपराधियों को मारी गोली

गोपालगंज (एजेंसी)। बिहार के गोपालगंज में पुलिस और अपराधियों के बीच दो अलग-अलग मुठभेड़ हुईं। पहली मुठभेड़ गैंगरेप के आरोपियों के साथ हुई, जिसमें तीन आरोपी घायल हो गए। दूसरी मुठभेड़ रंगदारी मांगने आए अपराधियों के साथ हुई, जिसमें एक अपराधी को गोली लगी और एक भाग गया।

पुलिस ने दोनों मामलों में अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है। नीतीश कुमार की पुलिस ने यह कार्रवाई यूपी पुलिस के तर्ज पर की है। दरअसल, पहली मुठभेड़ कुचायकोट के जलालपुर इलाके में हुई। यहां पुलिस ने गैंगरेप के आरोपियों को

पकड़ने के लिए जाल बिछाया था। आरोप है कि इन तीनों लड़कों ने मिलकर उत्तर प्रदेश की एक लड़की का अपहरण किया और उसके साथ गैंगरेप किया। पुलिस के अनुसार, तमकुही के कठकुइया की रहने वाली एक लड़की अपने पिता के साथ गोपालगंज इलाज के लिए आई थी। तीन लड़कों ने लड़की का अपहरण कर लिया।

● **रंगदारी मांगने आए अपराधियों से पुलिस की मुठभेड़-** वहीं, दूसरी घटना मीरगंज के सवरेजी गांव में हुई। यहां ज्वेलरी व्यवसायी से रंगदारी मांगने आए अपराधियों और पुलिस के बीच मुठभेड़ हो गई।

इस मुठभेड़ में एक अपराधी के पैर में गोली लगी, जबकि एक अपराधी भागने में सफल रहा। पुलिस ने दो अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है। हथुआ एसडीपीओ आनंद मोहन गुप्ता ने बताया कि मीरगंज के रहने वाले ज्वेलरी व्यवसायी प्रवीण सोनी से अज्ञात नंबर से फोन कर पांच लाख रुपए रंगदारी की मांग की गई थी। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

हरियाणा में आइसक्रीम बेच रहे पाकिस्तान के पूर्व सांसद

● टूरिस्ट वीजा पर भारत आए, फिर यहीं के हो कर रह गए ● पाकिस्तानियों को देश छोड़ने के आदेश के बाद सुर्खियों में

फतेहाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में बेनजीर भुट्टो की सरकार में सांसद रहे दिवाया राम हरियाणा के फतेहाबाद में आइसक्रीम बेच रहे हैं। हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार से परेशान होकर उनका परिवार 25 साल पहले टूरिस्ट वीजा पर पाकिस्तान से भारत आया था। उनके परिवार में 30 सदस्य हैं। इनमें 2 महिलाओं समेत 6 लोगों को भारत की नागरिकता मिल चुकी है, जबकि बाकी लोगों ने आवेदन किया हुआ है। हम भारत में ही रहकर बाकी जीवन जीना चाहते हैं। अगर पाकिस्तान के खिलाफ लड़ने का मौका मिला तो मैं सबसे पहले हथियार उठाऊंगा। वहीं फतेहाबाद के एसपी सिद्धार्थ जैन का कहना है कि जिले में कुछ लोग पाकिस्तान से आकर रह रहे हैं। इन्होंने नागरिकता संशोधन कानून आने के बाद भारत की नागरिकता के लिए आवेदन किया हुआ है। आवेदनों की जांच कर रही है। नियम के तहत फिलहाल किसी को पाकिस्तान नहीं भेजा जाएगा।

अत्याचार से परेशान होकर इस्तीफा दिया- दिवाया राम बताते हैं कि पाकिस्तान की संसद में

अल्पसंख्यकों के लिए कुछ पद आरक्षित होते हैं। इसी कारण 1989 में उन्हें सांसद बनाया गया, लेकिन सांसद बनने के बाद, वहां के दबंग लोगों ने एक लड़की को उठा लिया। सत्ता में होने के बावजूद वे कुछ नहीं कर पाए। इस घटना से परेशान होकर उन्होंने कुछ ही दिनों में अपने पद से इस्तीफा दे दिया। पाकिस्तान में आए दिन अल्पसंख्यकों पर अत्याचार बढ़ते जा रहे थे। ऐसे में दिवाया राम ने 2000 में अपने परिवार को लेकर भारत में बसने का निर्णय लिया।

पाकिस्तान में दादा की 25 एकड़ जमीन

दिवाया राम ने बताया कि उनके दादा की पाकिस्तान में अब भी 25 एकड़ जमीन है। यह जमीन पाकिस्तान के बखर जिले की दरियापुर तहसील के पंचगिरेह क्षेत्र में स्थित है। भारत में रहने के कारण उनके परिवार के सभी सदस्यों के आधार कार्ड और अन्य प्रमाण पत्र भारत के बन चुके हैं। जल्द ही उन्हें भारतीय नागरिकता मिलने की उम्मीद है। दिवाया राम का चचेरा भाई ओमप्रकाश भी अपने पिता सोना राम, 3 भाइयों और अन्य परिवार के सदस्यों के साथ 2006 में पाकिस्तान से रतिया आ गया था। भारत आने के 3 साल बाद, 2009 में, ओमप्रकाश की शादी उस समय के विधायक ज्ञानचंद ओढ़ी के नजदीकी रिश्तेदार के घर सरदारेवाला गांव में हुई। उनके 2 अन्य भाइयों की शादी भी फतेहाबाद जिले में हुई। ओमप्रकाश ने बताया कि उनके परिवार के 6 सदस्यों को भारतीय नागरिकता मिल चुकी है। परिवार के अन्य सदस्यों के दस्तावेज भी भारत सरकार के पास भेजे गए हैं।

सीएम हेल्प लाइन में लापरवाही पर सचिव सस्पेंड

86 दिन बाद भी डेथ क्लेम केस का नहीं किया था निराकरण, अन्य शिकायतें भी

इंदौर। सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण में लापरवाही बरतने पर ग्राम पंचायत धनखेड़ी के सचिव वासुदेव बिल्लौरे को निलंबित किया गया है। यह कार्रवाई जिला पंचायत के सीईओ सिद्धार्थ जैन द्वारा की गई है। जैन ने बताया कि बिल्लौरे द्वारा शासकीय कामों में कोई रुचि नहीं लेने और कर्तव्य में निरंतर लापरवाही बरतने पर कार्रवाई की गई। ग्राम मुंडला हुसैन के हितग्राही लाखन चौहान की मृत्यु होने के बाद उनकी अनुग्रह सहायता राशि का प्रकरण जनपद पंचायत कार्यालय में समय सीमा में नहीं भेजा गया। केस सीएम हेल्पलाइन में दर्ज हुआ। 86 दिवस दिनों के बाद भी केस पेश नहीं किए जाने से सीएम हेल्प लाइन केस का निराकरण नहीं हो सका। ग्राम पंचायत धनखेड़ी के सचिव वासुदेव बिल्लौरे को जनपद पंचायत स्तर से भी शासकीय काम और अनुग्रह सहायता केस में मृतक के दो मृत्यु प्रमाण पत्र बना दिए जाने, दिव्यांग पेंशन केस में लापरवाही के साथ-साथ जनपद पंचायत की बैठकों में भी गैरहाजिर रहने, दिए गए कामों को समय सीमा में पूर्ण नहीं करने के संबंध में कार्यालय जनपद पंचायत से भी कारण बताओ सूचना पत्र जारी किए जाने के भी काम में सुधार नहीं हुआ। इस पर कर्तव्य और दायित्वों के प्रति घोर लापरवाही मानकर निलंबन की कार्रवाई की गई। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय जनपद पंचायत कार्यालय सांवेर रहेगा।

भूमि अधिग्रहण बिल के विरोध में उज्जैन में किसानों ने सौंपा ज्ञापन

इंदौर। भूमि अधिग्रहण बिल के विरोध में किसानों ने उज्जैन में कलेक्टर कार्यालय में ज्ञापन दिया। किसानों ने महाकाल थाने का घेराव भी किया। वहीं दूसरी तरफ प्रशासन ने किसानों को जमीन अधिग्रहण के फायदे बताए।झ उज्जैन में किसानों ने भूमि अधिग्रहण बिल के विरोध में कलेक्टर कार्यालय में जाकर ज्ञापन दिया । बिल के विरोध में किसानों ने प्रशासन के सामने अपनी बात रखी। किसानों ने बताया कि बड़ी संख्या में किसान बिल का विरोध कर रहे हैं। इसके कारण किसानों की गिरफ्तारियां भी हुई थीं। इसको लेकर किसानों ने महाकाल थाने पर भी विरोध किया था। किसानों की मांग है कि यह कानून रद्द होना चाहिए। वहीं कलेक्टर रोशन कुमार सिंह ने कहा कि इस बिल से किसानों की जमीनों का मूल्य बढ़ जाएगा और वे बची हुई 50 प्रतिशत जमीन पर स्कूल, अस्पताल और धर्मशाला भी बनवा सकेंगे। किसानों की गिरफ्तारी पर कलेक्टर ने कहा कि उनको इसकी जानकारी नहीं है। वहीं एसडीएम लक्ष्मीनारायण दत्त ने भी गिरफ्तारियों की बात से मना किया।

पारिवारिक विवाद में हत्या

साडू ने किया हमला, उपचार के दौरान अस्पताल में तोड़ा दम

इंदौर। पारिवारिक विवाद के चलते आरोपी नरू उर्फ नरेंद्र और उसके पुत्र एवं साथियों ने मिलकर रेतीमंडी झुग्गी बस्ती निवासी फौजी पुत्र गब्बूजी की हत्या कर दी। वहीं दो लोग घायल हैं। पुलिस ने चार लोगों को आरोपी बनाया है और मामले में जांच शुरू कर दी है। घटना सोमवार रात की है। आरोपी नरू मृतक फौजी का सगा साडू भाई है। विवाद की जड़ में 11 दिन पहले हुआ पारिवारिक विवाद है। 11 दिन पहले फौजी के पड़ोसी सूरज के घर जलवा पूजा थी, उसमें फौजी और नरू भी पहुंचे थे। यहां सभी डांस कर रहे थे। इस दौरान दोनों में कहासुनी हो गई। फौजी ने नरू के गले पर चाकू रख दिया था। घर के बड़ों और पड़ोसियों ने मिलकर मामला शांत करा दिया। फौजी की मां सुमन खाना बनाने का काम करती है, सोमवार रात वह खाना लेकर लौटी और रात 1 बजे फौजी उसकी मां सुमन और पत्नी मोना के साथ घर में खाना खा रहा था, तभी नरू पुत्र सीताराम वास्कले निवासी अहीरखेड़ी, कन्नू पुत्र आशाराम वास्कले, पवन पुत्र राजू रावत और एक अन्य पहुंचे और विवाद शुरू हो गया।

इलाज के दौरान हुई मौत- फौजी की पत्नी ने बताया कि आरोपियों ने कहा तुम उस दिन बड़ी दादागिरी कर रहे थे और विवाद शुरू हो गया। इसके बाद आरोपियों ने चाकू से हमला कर दिया। फौजी के सिर, चेहरे और सीने पर गंभीर चोट आई थीं। परिजन फौजी को एमवाय अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान मंगलवार सुबह फौजी की मौत हो गई।

इंदौर में क्राइम ब्रांच ने पकड़ा राजस्थान का तस्कर

इंदौर। इंदौर क्राइम ब्रांच ने राजस्थान के तस्कर और उसके साथी को पकड़ा है। आरोपी इंदौर में कार से एमडी ड्रग की डिलीवरी देने पहुंचे थे। रात में क्राइम ब्रांच ने घेराबंदी कर एमआर-10 के यहां से उन्हें दबोच लिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। क्राइम ब्रांच के डीसीपी राजेश त्रिपाठी लगातार अवैध नशे को लेकर कार्रवाई कर रहे हैं। सोमवार रात उनकी टीम ने एमआर-10 ब्रिज के पास एक कार को रोका। जिसमें हरिओम झा और लक्ष्यसिंह राजपूत बैठे हुए थे। तलाशी लेने पर उनके पास से एमडी ड्रग की पुड़िया मिली। क्राइम ब्रांच ने जब्ती कर दोनों को हिरासत में लिया और उन्हें थाने लेकर आया गया। जानकारी के मुताबिक हरिओम दिल्ली का रहने वाला है। वहीं लक्ष्य राजपूत दौसा राजस्थान का रहने वाला है। क्राइम ब्रांच की टीम दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है। क्राइम ब्रांच के अफसरो के मुताबिक हरिओम दसवीं क्लास तक पढ़ा हुआ है। वही पेटीएम में सेल्समेंन की नौकरी करता है। वह गुजरात में अवैध शराब तस्करी में पकड़ाया जा चुका है।

ई-वेस्ट को नियंत्रित करने के लिए अनुपयोगी कम्प्यूटर को पुनः उपयोग में लाने की शानदार पहल

इंदौर। इंदौर के आनंदम सीनियर सिटीजन सेंटर ने शिक्षा के क्षेत्र में एक और सराहनीय कदम उठाया है। सेंटर ने इंदौर और आसपास के इलाकों के 7 स्कूलों को कुल 15 कम्प्यूटर प्रदान किए हैं। ये कम्प्यूटर शनिवार को आनंदम परिसर में आयोजित एक समारोह में सभी स्कूलों के शिक्षकों को सौंपे गए। इस दौरान, इंदौर के दो स्कूलों- श्री राजाराम स्वतंत्रता सेनानी हायर सेकेंडरी स्कूल को 4 और शासकीय माध्यमिक विद्यालय निरंजनपुर को 3, धार जिले के चार स्कूलों- शासकीय एकी माध्यमिक विद्यालय एकलदुना को 2, एकीकृत शासकीय हाई स्कूल कुंजरोद को 2, एकीकृत शासकीय माध्यमिक विद्यालय सल्यामलपुरा को 1 और शासकीय प्राथमिक विद्यालय कुंजरोद को 1 तथा देवास जिले के पांडूतालाब स्थित वन स्टार पब्लिक स्कूल को 2 कम्प्यूटर प्रदान किए गए। आनंदम सीनियर सिटीजन के अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह ने आनंदनी समूह के पदाधिकारियों को कम्प्यूटर वितरण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न होने पर बधाई दी और इस कार्यक्रम में और अधिक सक्रिय होने के लिए प्रेरित

किया। श्री सिंह ने इस कार्यक्रम के माध्यम से ई-वेस्ट को नियंत्रित करने के लिए अभियान चलाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि ई-वेस्ट को नियंत्रित करने के लिए, अनुपयोगी कम्प्यूटर को पुनः उपयोग में लाना अच्छा तरीका है।

इस अवसर पर आनंदम सीनियर सिटीजन सेंटर के सचिव श्री एस. बी. खंडेलवाल ने कहा, हमारा उद्देश्य उन बच्चों तक शिक्षा के नए साधन पहुँचाना है जो अभी भी तकनीकी सुविधाओं से दूर हैं। इन कम्प्यूटर के माध्यम से हम चाहते हैं कि बच्चे नई तकनीक को समझें, सीखें और भविष्य में आत्मनिर्भर बनें। आनंदम का हमेशा से प्रयास रहा है कि समाज के हर वर्ग के विकास में अपनी भूमिका निभाए। हमारा मानना है कि जब समाज के अंतिम व्यक्ति तक शिक्षा और संसाधन पहुँचते हैं, तभी असली विकास होता है। समारोह में सातों स्कूलों के शिक्षक उपस्थित रहे। उन्होंने आनंदम सीनियर सिटीजन सेंटर का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इन कम्प्यूटर के माध्यम से वे अपने विद्यालयों में पढ़ाई के नए तरीके अपनाएँगे और बच्चों को डिजिटल शिक्षा से जोड़ेंगे। शिक्षकों ने यह भी विश्वास दिलाया कि वे इन संसाधनों का सदुपयोग कर बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए कार्य करेंगे। कार्यक्रम के दौरान सेंटर का माहौल बेहद उत्साहपूर्ण रहा। कम्प्यूटर वितरण के बाद, आनंदम सेंटर द्वारा हाल ही में आयोजित कैरम टूर्नामेंट के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। विजेताओं ने अपनी जीत की खुशी साझा की और इस आयोजन के लिए आयोजकों का धन्यवाद् किया। खेल प्रतियोगिताओं से सेंटर के सदस्यों में उत्साह और आपसी मेलजोल बढ़ता है। इसी के साथ सेंटर ने अप्रैल माह में जन्म लेने वाले सदस्यों का जन्मदिन भी सामूहिक रूप से मनाया। आनंदम सीनियर सिटीजन सेंटर द्वारा की गई इस पहल ने यह सिद्ध किया कि उम्र केवल एक संख्या है, और समाज सेवा करने का जज़्बा यदि हो, तो किसी भी उम्र में बड़े बदलाव किए जा सकते हैं।

सोने के दाम में बड़ी बढ़ोतरी

अक्षय तृतीया पर चार साल में दोगुने हुए सोने के दाम, 2021 में 47700, अब 96800 पहुंचा

इंदौर। अक्षय तृतीया (30 अप्रैल) को मनाई जा रही है और इस दिन सोना खरीदने की परंपरा है। इस दिन इंदौर में सोने के दाम की बात करें तो 96800 रुपए प्रति दस ग्राम रहेंगे। साल 2021 से तुलना करें, तो चार साल में सोने के दाम 49100 रुपए बढ़े हैं। 2021 में सोना 47700 रुपए प्रति दस ग्राम था। हालांकि सोने ने आज तक का सर्वश्रेष्ठ स्तर 22 अप्रैल को छुआ था। उस दिन सोना 99500 रुपए प्रति दस ग्राम बेचा गया है। 2025 में सोने की कीमतों में लगातार तेजी देखी जा रही है। सराफा कारोबारी नीलेश सारड़ा ने बताया कि अक्षय तृतीया को शास्त्रों में स्वयं सिद्ध मुहूर्त माना गया है। इस दिन सोना खरीदना शुभ माना जाता है। यह समृद्धि और सुख का प्रतीक है। सोना-चांदी की खरीदी को अच्छा निवेश माना जाता है। यह पारिवारिक सुख-समृद्धि में वृद्धि करता है। इस दिन धन प्राप्ति के मंत्र और अनुष्ठान प्रभावी होते हैं। विवाह के मुहूर्त होते हैं। लोग बड़ी संख्या में सोना-चांदी खरीदते हैं। यह परंपरा पीढ़ियों से चली आ रही है और सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा है।

2021 में 47700 रुपए थी कीमत- पिछले चार साल में सोने की कीमत दोगुने से भी ऊपर निकल गई है। जहां 2021 में अक्षय तृतीया पर भाव 47700 रुपए प्रति दस ग्राम थे। वहीं, 2022 में दाम बढ़कर 50800 रुपए प्रति दस ग्राम हो गए। इसी तरह 2023 में भाव मजबूत होकर 60800 रुपए प्रति दस ग्राम पर पहुंच गए थे। 2024 में कीमत बढ़ने का सिलसिला जारी रहा और कीमतें उछलकर 73000 रुपए प्रति दस ग्राम जा पहुंचीं। फिर अमेरिका द्वारा कई देशों पर लगाए गए टैरिफ के चलते इस साल 2025 में कीमत लगातार बढ़कर 96800 रुपए प्रति दस ग्राम के उच्चतम स्तर पर जा पहुंची। सोना 1 लाख रुपए के करीब जा पहुंचा था, पर फिलहाल गिरावट देखी जा रही है।

लव जिहाद की जांच के लिए एसआईटी इंदौर आएगी, आरोपी ने इंदौर में भी की थी छात्रा से ज्यादती

इंदौर। आरोपियों के मोबाइल से जिन युवतियों के वीडियो मिले है। उनमें एक छात्रा इंदौर में भी रहती थी। वह भोपाल की रहने वाली थी, लेकिन आरोपी की धमकियों से तंग आकर इंदौर में रहने लगी थी, लेकिन आरोपी फरहान इंदौर में भी उसके किराए के घर पहुंच गया था। इंदौर और भोपाल में कॉलेज की छात्राओं के साथ लव जिहाद का मामला गरमाया हुआ है। इसके लिए गठित एसआईटी जांच के लिए इंदौर भी आएगी। एक आरोपी ने इंदौर आकर भी छात्रा के साथ ज्यादती की थी, लेकिन तब इंदौर में केस दर्ज नहीं हुआ था। इंदौर में आरोपी के आने की खबर पुलिस को तब मिली थी, लेकिन मामले को हलके में लिया गया था। तब किस स्तर पर ढीलपोल हुई। इसका पता भी एसआईटी लगाएगी। भोपाल पुलिस इस मामले में अब तक चार आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। इस गिरोह के सदस्य कॉलेज, डांस क्लास, होटलों में युवतियों से दोस्ती करते थे। फिर उनके वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करते थे। आरोपियों के मोबाइल से जिन युवतियों के वीडियो मिले है। उनमें एक छात्रा इंदौर में भी रहती थी। वह भोपाल की रहने वाली थी, लेकिन आरोपी की धमकियों से तंग आकर इंदौर में रहने लगी थी, लेकिन आरोपी फरहान इंदौर में भी उसके किराए के घर पहुंच गया था और उसके साथ ज्यादती की थी। तब छात्रा के भाई ने पुलिस को सूचना दी थी।

सांसद लालवानी ने दिए राजमार्गों की गुणवत्ता के लिए सुझाव

दिल्ली में संसदीय समिति की बैठक में डिजाइन, निर्माण और निगरानी को लेकर हुई चर्चा

इंदौर। संसद भवन एनेक्सी में मंगलवार को सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय से जुड़ी संसदीय सलाहकार समिति की महत्वपूर्ण बैठक हुई। राष्ट्रीय राजमार्गों की डिजाइन और निर्माण में गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उपाय बैठक का मुख्य विषय था। राजमार्ग परिवहन मंत्री नितिन गडकरी और देशभर के सांसदों की मौजूदगी में मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों और संबंधित एजेंसियों ने अब तक के कार्यों की जानकारी दी और भविष्य की रणनीति पर चर्चा की। इस समिति के सदस्य होने के नाते बैठक में इंदौर लोकसभा सांसद शंकर लालवानी भी शामिल हुए और उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और निगरानी को लेकर अपने व्यावहारिक सुझाव रखे।

बैठक के दौरान सांसद शंकर लालवानी ने कहा- निर्माण के हर चरण में पारदर्शिता और जिम्मेदारी जरूरी है। राजमार्ग सिर्फ यातायात के साधन नहीं हैं, यह आम लोगों के जीवन, सुरक्षा और समय से जुड़े हैं। जब सड़कें बेहतर होंगी, तो सफर आसान होगा, दुर्घटनाएं कम होंगी और देश की अर्थव्यवस्था को भी गति मिलेगी।

इंदौर को भी होगा लाभ- बैठक के बाद सांसद शंकर लालवानी ने कहा कि इस तरह की चर्चाएं बेहद उपयोगी हैं।

इंदौर में डंपर ने 6 साल की बच्ची को रौंदा

मौके पर ही मौत, गुस्साए लोगों ने की तोड़फोड़, महापौर बोले- हटेंगे पुराने टैंकर

इंदौर। घर के बाहर साइकिल चला रही 6 साल की निहारिका पुत्री सोनू बलोने को नगर निगम के डंपर ने रौंद दिया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद डंपर का ड्राइवर और अन्य कर्मचारी कूदकर फरार हो गए। वहीं गुस्साए लोगों ने डंपर में तोड़फोड़ कर दी। घटना इंदौर के आजाद नगर में मूसाखेड़ी चौराहे के पास मंगलवार सुबह घटी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर डंपर जब्त कर ड्राइवर के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। बच्ची के बड़े पिता ने बताया कि निहारिका घर के बाहर साइकिल चला रही थी, तभी नगर निगम का डंपर तेजी से आया। बच्ची घबराकर साइकिल सहित गिर पड़ी और डंपर के टायर की चपेट में आ गई। टायर उसके ऊपर से निकल गया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। आजाद नगर पुलिस ने बताया कि डंपर को जब्त कर लिया और ड्राइवर के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। बताया जाता है कि डिवाइडर का काम चलने के कारण रोड संकरी हो गई है। इसकी कारण यह हादसा हुआ। निहारिका का एक बड़ा भाई है और पिता गैस सिलेंडर की गाड़ी चलाते हैं।

महापौर ने कहा- पुराने टैंकर होंगे बंद

इंदौर महापौर पुष्य मित्र भार्गव ने बालिका की मौत पर 2 लाख की आर्थिक सहायता देने की बात कही है। साथ ही स्पष्ट किया कि यदि दुर्घटना में ड्राइवर की लापरवाही या डंपर की खराब स्थिति पाई जाती है, तो नियमानुसार सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। महापौर ने बताया कि नगर निगम द्वारा उपयोग किए जा रहे पुराने टैंकरों को चरणबद्ध रूप से हटाकर जीपीएस व फिटनेस आधारित आधुनिक टैंकरों का संचालन किया जाएगा।

इंदौर में चाइल्ड मैरिज के खिलाफ आस का जागरूकता अभियान

धर्मगुरुओं का मिला समर्थन, संगठन का लक्ष्य 2030 तक बाल विवाह मुक्त भारत बनाना

इंदौर। अधिकारों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए देश में जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन काम कर रहा है। वहीं, इंदौर में इसका सहयोगी संगठन आस की ओर से बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान अक्षय तृतीया के अवसर पर चलाया जा रहा है और इस पहल को विभिन्न धर्मों के पुरोहितों का समर्थन भी मिला है।

शहर के कई धार्मिक स्थलों के बाहर लगाए गए बोर्ड

संगठन का मानना है कि कोई भी बाल विवाह पंडित, मौलवी या पादरी पुरोहित के बिना संपन्न नहीं हो सकता। इसी कारण, इन्हें इस अभियान से जोड़ने का निर्णय लिया गया है। दो दिनों में शहर के कई धार्मिक स्थलों के बाहर ऐसे बोर्ड लगाए गए हैं, जिन पर स्पष्ट रूप से लिखा है कि यहां बाल विवाह की अनुमति नहीं है। यह अभियान देश के 416 जिलों में चल रहा है। इसमें 250 से अधिक नागरिक संगठन शामिल हैं। JRC कानूनी हस्तक्षेपों के जरिए बच्चों के अधिकारों की की सुरक्षा व संरक्षण कर रहा है। अब तक 2 लाख से अधिक बाल विवाह रोके गए हैं। वहीं, 5 करोड़ से अधिक लोगों ने बाल विवाह के खिलाफ शपथ दिलाई गई है।

संगठन का लक्ष्य 2030 तक बाल विवाह मुक्त भारत बनाना- इसके सहयोगी संगठन आस

ने स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर वर्ष 2023-24 में इंदौर जिले में अकेले 57 बाल विवाह रुकवाए हैं। यह संगठन 2030 तक बाल विवाह मुक्त भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए JRC के संस्थापक भुवन ऋभु की किताब 'व्हेन चिल्ड्रन हैव चिल्ड्रन : टिपिंग प्वाइंट टू एंड चाइल्ड मैरिज' में सुझाई गई रणनीति के अनुसार कार्य कर रहा है।

भागीदारी देने पर दो साल तक की सजा और जुर्माना- संस्था के डायरेक्टर वसीम इक़बाल ने बताया कि आज भी देश में बाल विवाह के खिलाफ पर्याप्त जागरूकता नहीं है। अधिकांश लोगों को यह पता नहीं है कि बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 के तहत एक दंडनीय अपराध है। इस कानून के मुताबिक, बाल विवाह में किसी भी प्रकार की भागीदारी या सेवा देने पर दो साल तक की सजा, जुर्माना या फिर दोनों हो सकते हैं। इसमें बाराती, लड़की के परिजनों के अलावा, कैटरर, डेकोरेटर, हलवाई और माली शामिल हैं। बैंड वाले और मैरिज हॉल मालिक भी जिम्मेदार माने जाएंगे। यहां तक कि विवाह कराने वाले पंडित या मौलवी को भी दोषी माना जाएगा। सभी को सजा और जुर्माना हो सकता है। समन्यक राहुल गोठाने ने बताया कि धर्मगुरुओं और पुरोहितों के बीच जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसका कारण है कि ये विवाह में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि 18 साल से कम उम्र की लड़की से वैवाहिक संबंध में यौन संबंध बनाना अपराध है। यह पॉक्सो अधिनियम के तहत बलात्कार की श्रेणी में आता है। आज पंडित और मौलवी इस बात को समझते हुए न केवल इस अभियान को समर्थन दे रहे हैं, बल्कि स्वयं आगे आकर बाल विवाह को रोकने की शपथ भी ले रहे हैं।

इंदौर में डंपर ने 6 साल की बच्ची को रौंदा

मौके पर ही मौत, गुस्साए लोगों ने की तोड़फोड़, महापौर बोले- हटेंगे पुराने टैंकर

इंदौर। घर के बाहर साइकिल चला रही 6 साल की निहारिका पुत्री सोनू बलोने को नगर निगम के डंपर ने रौंद दिया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद डंपर का ड्राइवर और अन्य कर्मचारी कूदकर फरार हो गए। वहीं गुस्साए लोगों ने डंपर में तोड़फोड़ कर दी। घटना इंदौर के आजाद नगर में मूसाखेड़ी चौराहे के पास मंगलवार सुबह घटी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर डंपर जब्त कर ड्राइवर के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। बच्ची के बड़े पिता ने बताया कि निहारिका घर के बाहर साइकिल चला रही थी, तभी नगर निगम का डंपर तेजी से आया। बच्ची घबराकर साइकिल सहित गिर पड़ी और डंपर के टायर की चपेट में आ गई। टायर उसके ऊपर से निकल गया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। आजाद नगर पुलिस ने बताया कि डंपर को जब्त कर लिया और ड्राइवर के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। बताया जाता है कि डिवाइडर का काम चलने के कारण रोड संकरी हो गई है। इसकी कारण यह हादसा हुआ। निहारिका का एक बड़ा भाई है और पिता गैस सिलेंडर की गाड़ी चलाते हैं।

महापौर ने कहा- पुराने टैंकर होंगे बंद

इंदौर महापौर पुष्य मित्र भार्गव ने बालिका की मौत पर 2 लाख की आर्थिक सहायता देने की बात कही है। साथ ही स्पष्ट किया कि यदि दुर्घटना में ड्राइवर की लापरवाही या डंपर की खराब स्थिति पाई जाती है, तो नियमानुसार सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। महापौर ने बताया कि नगर निगम द्वारा उपयोग किए जा रहे पुराने टैंकरों को चरणबद्ध रूप से हटाकर जीपीएस व फिटनेस आधारित आधुनिक टैंकरों का संचालन किया जाएगा।

इंदौर में चाइल्ड मैरिज के खिलाफ आस का जागरूकता अभियान

धर्मगुरुओं का मिला समर्थन, संगठन का लक्ष्य 2030 तक बाल विवाह मुक्त भारत बनाना

इंदौर। अधिकारों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए देश में जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन काम कर रहा है। वहीं, इंदौर में इसका सहयोगी संगठन आस की ओर से बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान अक्षय तृतीया के अवसर पर चलाया जा रहा है और इस पहल को विभिन्न धर्मों के पुरोहितों का समर्थन भी मिला है।

शहर के कई धार्मिक स्थलों के बाहर लगाए गए बोर्ड

संगठन का मानना है कि कोई भी बाल विवाह पंडित, मौलवी या पादरी पुरोहित के बिना संपन्न नहीं हो सकता। इसी कारण, इन्हें इस अभियान से जोड़ने का निर्णय लिया गया है। दो दिनों में शहर के कई धार्मिक स्थलों के बाहर ऐसे बोर्ड लगाए गए हैं, जिन पर स्पष्ट रूप से लिखा है कि यहां बाल विवाह की अनुमति नहीं है। यह अभियान देश के 416 जिलों में चल रहा है। इसमें 250 से अधिक नागरिक संगठन शामिल हैं। JRC कानूनी हस्तक्षेपों के जरिए बच्चों के अधिकारों की की सुरक्षा व संरक्षण कर रहा है। अब तक 2 लाख से अधिक बाल विवाह रोके गए हैं। वहीं, 5 करोड़ से अधिक लोगों ने बाल विवाह के खिलाफ शपथ दिलाई गई है।

संगठन का लक्ष्य 2030 तक बाल विवाह मुक्त भारत बनाना- इसके सहयोगी संगठन आस

ने स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर वर्ष 2023-24 में इंदौर जिले में अकेले 57 बाल विवाह रुकवाए हैं। यह संगठन 2030 तक बाल विवाह मुक्त भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए JRC के संस्थापक भुवन ऋभु की किताब 'व्हेन चिल्ड्रन हैव चिल्ड्रन : टिपिंग प्वाइंट टू एंड चाइल्ड मैरिज' में सुझाई गई रणनीति के अनुसार कार्य कर रहा है।

भागीदारी देने पर दो साल तक की सजा और जुर्माना- संस्था के डायरेक्टर वसीम इक़बाल ने बताया कि आज भी देश में बाल विवाह के खिलाफ पर्याप्त जागरूकता नहीं है। अधिकांश लोगों को यह पता नहीं है कि बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 के तहत एक दंडनीय अपराध है। इस कानून के मुताबिक, बाल विवाह में किसी भी प्रकार की भागीदारी या सेवा देने पर दो साल तक की सजा, जुर्माना या फिर दोनों हो सकते हैं। इसमें बाराती, लड़की के परिजनों के अलावा, कैटरर, डेकोरेटर, हलवाई और माली शामिल हैं। बैंड वाले और मैरिज हॉल मालिक भी जिम्मेदार माने जाएंगे। यहां तक कि विवाह कराने वाले पंडित या मौलवी को भी दोषी माना जाएगा। सभी को सजा और जुर्माना हो सकता है। समन्यक राहुल गोठाने ने बताया कि धर्मगुरुओं और पुरोहितों के बीच जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसका कारण है कि ये विवाह में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि 18 साल से कम उम्र की लड़की से वैवाहिक संबंध में यौन संबंध बनाना अपराध है। यह पॉक्सो अधिनियम के तहत बलात्कार की श्रेणी में आता है। आज पंडित और मौलवी इस बात को समझते हुए न केवल इस अभियान को समर्थन दे रहे हैं, बल्कि स्वयं आगे आकर बाल विवाह को रोकने की शपथ भी ले रहे हैं।

संपादकीय

कश्मीरियों संग एकजुटता दिखाएं

सोमवार को जम्मू-कश्मीर विधानसभा के विशेष सत्र में पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए सभी लोगों को जिस तरह सभी ने श्रद्धांजलि अर्पित की और आतंक के खिलाफ जिस तरह की अभूतपूर्व एकजुटता दिखाई है, वैसी ही एकजुटता शेष भारत के लोगों को कश्मीरियों के साथ दिखाने की जरूरत है। हालांकि पहलगाम के राक्षसी और धर्माधारित हमले से सारा देश क्रुद्ध है और आतंक को पोसने वाले पाकिस्तान के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहा है, बावजूद इसके हमे अपना संयम नहीं खोना है और उन ताकतों की मंशा को परास्त करना है, जो पहलगाम की आड़ में भारत को विभाजित करना चाहती है। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में राज्य के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने एक परिपक्व राजनेता का परिचय देते हुए अपना भावुक भाषण दिया। आम तौर पर भाजपा से अलग लाइन लेने वाले उमर ने इस अवसर क्षुद्र राजनीतिक स्वार्थों के परे जाकर भारत और कश्मीर के हितों की बात की और आंतक को हर संभव तरीके से परास्त करने का समर्थन किया। उमर ने कहा कि राज्य का मुख्यमंत्री होने के नाते कश्मीर आने वाले मेहमान पर्यटकों की सुरक्षा की नैतिक जिम्मेदारी मेरी थी। लेकिन मैं नाकाम रहा। मैं पीड़ित परिवारों से माफी भी किस मुंह से मांगूं, समझ नहीं आ रहा। उन्होंने पाक पर जवाबी कार्रवाई करने के मोदी सरकार के हर कदम का समर्थन किया। इसी तरह उनके पिता फारूख अब्दुल्ला ने भी कहा कि पहलगाम के बाद अब मैं पाक के साथ बातचीत के पैरवी कभी नहीं करूंगा। उसने हमें कहीं का नहीं रखा। खास बात यह है कि पहलगाम हमले के बाद कश्मीर घाटी में पाकिस्तान समर्थक स्वर लगभग खामोश हैं। कांग्रेस नेता सैफुद्दीन सोज जैसों को छोड़ दें जो अभी भी पाकिस्तान को निर्दोष बताकर उसकी पैरवी कर रहे हैं। सोज इस तरह की घटिया राजनीति कर क्या साध रहे हैं, वही जाने, लेकिन कश्मीर के साथ-साथ वो अपनी पार्टी कांग्रेस को भी भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं। आम कश्मीरी इस बात को समझ रहा है कि पहलगाम का हमला केवल धार्मिक नफरत को बढ़ावा देने वाला ही नहीं था, बल्कि कश्मीर की अर्थव्यवस्था पर तगड़ी चोट करने की गहरी साजिश भी थी। हालांकि हमलावर आंतकी अभी सुरक्षा बलों के हाथ नहीं लगे हैं, लेकिन संपूर्ण जम्मू एवं कश्मीर में आतंकी और उनको पनाह देने वालों के खिलाफ सुरक्षा बलों का अभियान जारी है। इस बात की पूरी संभावना है कि भारत पाकिस्तान को तगड़ा सबक सिखाए। सारा देश भी यही चाहता है। यह कार्रवाई कैसे और कब हो, यह सरकार और सेना को तय करना है। बहुतों की इच्छा तो यह है कि यही मौका है, जब कश्मीर समस्या को ही खत्म कर दिया जाए। यह तभी संभव है, जब पूरा कश्मीर हमारे अधिकार में हो। यह आसान नहीं है, लेकिन असंभव भी नहीं है। बेशक आज देश फिर एक है, लेकिन कुछ स्थानों पर नफरत और हिंसा की छुटपुट घटनाएं अभी भी हो रही हैं। यह सही है कि पहलगाम आंतकी हमले में कुछ कश्मीरी मुसलमानों का भी हाथ रहा है, लेकिन इसका अर्थ सभी कश्मीरी आतंकी हैं, यह नहीं लगाया जाना चाहिए। वरना आज कश्मीर इस तरह आतंकी हमले के खिलाफ एकजुट नहीं दिखता। भारत के अन्य राज्यों में कश्मीरी छात्रों पर नस्ली हमले हुए हैं, यह गलत है और ऐसा करने वालों के खिलाफ सख्तम कार्रवाई होनी चाहिए। अगर कश्मीर और कश्मीरी एक हैं तो शेष भारत को भी उन्हें अपना मानकर एकजुटता दिखानी चाहिए, जो आंतकियों और उन्हें पोसने वालों के हौसले पस्त कर दे। यह संकल्प के साथ साथ संयम और विवेक का समय है। इसकी गंभीरता को समझें।

बाल विवाह : किरणों का दुपहरी में अस्त हो जाना

आखिर बाल-विवाह होते क्यों हैं, इस बात पर भी गौर किया जाना जरूरी है। चूँकि बच्चे शत-प्रतिशत सच्चे होते हैं, उनका मन भोला होता है। नये कपड़े, मिठाई, उपहार, बैण्ड-बाजा का लालच देकर उन्हें विवाह के मण्डप में बैठा दिया जाता है। अनेक ऐसे क्षेत्र या स्थान भी हैं जहाँ परम्परा, रीति-रिवाजों के नाम पर बच्चों को कम उम्र में ही ब्याह दिया जाता है। फिर क्या, इस प्रक्रिया का सीधा-साधा असर बच्चों और महिलाओं के स्वास्थ्य पर पड़ता है। तेजी से बढ़ता लिंगानुपात, बच्चों में कुपोषण, महिलाओं में खून की कमी, मातृ-शिशु मृत्यु दर आदि ऐसे कारण हैं, जिनका सीधा संबंध बाल विवाहों से है।

अक्षय तृतीया पर विशेष

प्रलय श्रीवास्तव

बाल-विवाह यानि छोटी उम्र में बच्चों की शादी। बड़ों की रजामंदी और संरक्षण में होने वाला ऐसा अपराध जो समारोहपूर्वक होता है। जिसमें भागीदार होते हैं माता- पिता, अभिभावक, रिश्तेदार, पड़ौसी, रस्मों को निभाने वाले कर्ता-धर्ता और वे सभी जो खुद ज्ञाता व विद्वान होने का दावा करते हैं। यह ऐसी कुरीति है जो समाज के माथे पर आज भी कलंक बनी हुई है। कच्ची उम्र में बच्चों को बड़ा होने का अहसास कराना आज भी बदस्तूर जारी है।

आखिर बाल-विवाह होते क्यों हैं, इस बात पर भी गौर किया जाना जरूरी है। चूँकि बच्चे शत-प्रतिशत सच्चे होते हैं, उनका मन भोला होता है। नये कपड़े, मिठाई, उपहार, बैण्ड-बाजा का लालच देकर उन्हें विवाह के मण्डप में बैठा दिया जाता है। अनेक ऐसे क्षेत्र या स्थान भी हैं जहाँ परम्परा, रीति-रिवाजों के नाम पर बच्चों को कम उम्र में ही ब्याह दिया जाता है। फिर क्या, इस प्रक्रिया का सीधा-साधा असर बच्चों और महिलाओं के स्वास्थ्य पर पड़ता है। तेजी से बढ़ता लिंगानुपात, बच्चों में कुपोषण, महिलाओं में खून की कमी, मातृ-शिशु मृत्यु दर आदि ऐसे कारण हैं, जिनका सीधा संबंध बाल विवाहों से है। बच्चों को उम्र से पहले ही उन बंधनों और जिम्मेदारियों मे लाद दिया जाता है, जिसके लिए वे शारीरिक और मानसिक रूप से तैयार ही नहीं होते। बाल-विवाह बच्चों को उनके बचपन से भी वंचित कर देता है। समाज ने 18 साल से कम आयु की बालिका की शादी नहीं करने की कानूनी जानकारी तो प्राप्त कर ली, लेकिन उसने यह भी सीख लिया कि होने वाले बाल-विवाह को सरकार की नजर से कैसे छुपाया जाए। ऐसे में अहम जिम्मेदारी उनकी होती है, जिनकी जानकारी में बाल- विवाह होना अथवा उसके होने की संभावना होती है।

इतिहास

वैदिक काल तक विवाह से पूर्व वर व वधु के शारीरिक स्वास्थ पर विशेष ध्यान दिया जाता था। इस काल में विवाह पूर्ण प्रौढ़ावस्था में होता था। स्त्रियों को वैदिक काल तक ही पुरुषों की तरह के सारे अधिकार थे। वैदिक काल के बाद विवाह प्रथा अल्प वय बिवाह में बदलती चली गई। स्मृति चन्द्रिका, संस्कार कांड कहता है कि यदि योग्यपति प्राप्त नहीं होता है तो कन्या का विवाह तरुण आयु प्राप्त होने से पहले ही अयोग्य वर से कर देना चाहिये। 'प्राचीन भारत में स्त्रियों की दशा' नामक पुस्तक में अल्तेका लिखते हैं कि कन्याओं को हमलावरों से बचाने के लिये भी विवाह एक प्रतिरक्षात्मक उपाय था। वर्ण और जाति के कारण भी बाल-विवाह को प्रोत्साहन मिला।

भुगतते हैं माँ, बच्चे

कम उम्र में शादी होने से न सिर्फ सुरक्षा के अधिकार का उल्लंघन होता है वरन्अच्छे स्वास्थ्य, पोषण व शिक्षा पाने के अधिकार का भी हनन होता है। इसके अलावा बाल-विवाह के कारण बालिकाएँ कम उम्र में असुरक्षित यौन चक्र में सम्मिलित हो जाती हैं। अपरिपक्व शरीर में बालिका द्वारा गर्भ धारण करने से भ्रूण पूर्ण रूप से विकसित्त नहीं हो पाता। गर्भपात, कम वजन के बच्चे का जन्म, बच्चों और माता में कुपोषण, खून की कमी, मातृ मृत्यु, प्रजनन मार्ग संक्रमण यौन संचरित बीमारियाँ/ एचआईवी संक्रमण की संभावना में वृद्धि होना आदि भी बाल-विवाह के दुष्परिणाम हैं। अध्ययनों से सिद्ध हो चुका है कि 15 वर्ष की उम्र में माँ बनने से मातृ मृत्यु की संभावना 20 वर्ष की उम्र में माँ बनने से पाँच गुना अधिक होती है।

बाल-विवाह विरोधी कानून

बाल-विवाह को रोकने के लिए वर्ष 1929 में बाल-विवाह अंकुश अधिनियम बनाया गया। इसे शारदा एक्ट भी कहा जाता है। इस एक्ट में कई खामियाँ थीं। इन कमियों को दूर करने के लिये बाल-विवाह प्रतिषेध अधिनियम, (पीसीएमए) 2006 को 1 जनवरी 2007 से अधिसूचित किया गया। इसका उद्देश्य बाल-विवाह प्रथा की प्रभावी रोकथाम के लिये पहले कानून की विफलता को दूर रना व बाल-विवाह की रोकथाम के लिये एक समग्र व्यवस्था विकसित करना है। यह कानून 1 नवम्बर 2007 से लागू किया गया है। हालांकि स्वीकृत अंतर्राष्ट्रीय संधियों और राष्ट्रीय कानूनों में इस बात का उल्लेख किया गया है कि बच्चों को सुरक्षा प्रदान करना और उनके बुनियादी मानवाधिकारों की रक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी है। कई अंतर्राष्ट्रीय संधियों पर भी हस्ताक्षर किये गये हैं, जिसमें उन्हें शोषण से बचाने व उन्हें सम्मानजनक अधिकार दिलाने हेतु प्रावधान है।

हमारी जिम्मेदारी

एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में बाल-विवाह की रोकथाम की जिम्मेदारी सभी लोगों की है। हर जिले के कलेक्टर को बाल-विवाह की रोकथाम के लिए जिम्मेदारी दी गई है। प्रशासन स्तर पर इस कोशिश में हर व्यक्ति को मददगार बननाचाहिए। यदि कहीं भी बाल विवाह होते दिखाई दे तो इसकी जानकारी प्रशासन तक पहुंचाकर बच्चों का भविष्य बर्बाद होने से रोकना हर नागरिक का कर्तव्य है। बाल-विवाह रोकने के लिए समुदाय में निचले स्तर पर प्रेरक के रूप में कार्यरत आँगनवाड़ी कार्यकर्ता, एएनएम, आशा कार्यकर्ता एवं स्कूल के शिक्षक उपयोगी माध्यम हो सकते हैं। मध्यप्रदेश में पंचायतों के पास अपार शक्तियाँ हैं। एक जागरूक पंचायत अपने गाँव में कोई भी बाल-विवाह नहीं होने देने के लिए ग्राम सभा के माध्यम से प्रस्ताव पारित कर सकती है। गाँव का मुखिया या सरपंच इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। मीडिया बाल-विवाह की रोकथाम में कारगर भूमिका निभा सकता है। एक ओर वह लोगों में बाल विवाह के खिलाफ इसके दुष्परिणामों को लेकर संदेश पहुँचा सकता है, वहीं दूसरी ओर लोगों को शिक्षित और जागरूक भी कर सकता है। बालक - बालिका स्वयं भी बाल विवाह के खिलाफ आवाज बुलंद कर सकते हैं।

मध्यप्रदेश ने उठाये कड़े कदम

मध्यप्रदेश सरकार हर साल अक्षय तृतीया अथवा आखातीज को बाल विवाह की रोकथाम करती है। बाल विवाह रोकने के लिए बाल विवाह रोकथाम अभियान भी चलाया जाता है। समस्त जिला कलेक्टरों को निर्देश जारी कर कड़े कदम उठाने के निर्देश दिये जाते हैं। उनसे कहा जाता है कि वे अपने जिले में ऐसे प्रयास करें कि किसी भी परिस्थिति में कोई भी बाल विवाह न हो। इसके लिये समाज के ऐसे प्रभावशाली व्यक्तियों समूहों का सहयोग लें, जो वैवाहिक कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सही उम्र में विवाह का महत्व, कम उम्र में विवाह के दुष्परिणाम आम नागरिकों तक पहुँचाने के लिए बेहतर प्रचार-प्रसार करने और स्थानीय मीडिया का भी सहयोग लेने को कहा जाता है। बालिकाओं के हित में चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी देते हुए बाल विवाह न करने की समझाइश देने को कहा जाता है। कलेक्टरों से भी कहा गया है कि वे जिले के किसी भी शासकीय कॉल सेंटर को बाल विवाह की सूचना देने के लिए स्थायी रूप से अधिकृत करें। कॉल सेंटर के फोन नम्बर का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए ताकि कोई भी व्यक्ति संभावित बाल विवाह की सूचना कभी भी उस फोन नम्बर पर दे सके। यह व्यवस्था न केवल अक्षय तृतीया बल्कि वर्ष भर के लिए हो।

'अक्षय' संकल्प लें बाल विवाह के खिलाफ

अक्षय तृतीया पर विशेष

मनोज कुमार

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

समय बदल रहा है लेकिन हमारी सोच आज भी वही पुरातन है. आधुनिक बनने का भले ही ढोंग करें लेकिन भीतर से हम रूढ़िवादी हैं. यदि ऐसा नहीं होता तो भारतीय समाज से बाल विवाह जैसी कुप्रथा कब की खत्म हो चुकी होती लेकिन ऐसा नहीं हुआ है. अनेक प्रयासों के बाद भी हर वर्ष बड़ी संख्या में बाल विवाह की खबरें हमें डराती हैं. सरकारों के प्रयासों से बाल विवाह में कुछ कमी आयी है लेकिन जरूरी है कि इस बार हम अक्षय तृतीया पर 'अक्षय संकल्प' लें कि हर स्तर पर बाल विवाह को हत्सोसाहित करेंगे. भारतीय संस्कृति और सनातन धर्म में अक्षय तृतीया का विशेष महत्व है. अक्षय का अर्थ होता है जिसका कभी क्षय ना हो और इस दिन किए गए हर कार्यशुभ माने जाते हैं. वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाये जाने के कारण इसे अक्षय तृतीया का संबोधन मिला. अक्षय तृतीया का महत्व कई कारणों से है जिसमें परशुराम का जन्म, वेदव्यास का महाभारत लेखन का आरंभ होने के साथ ही माँ अन्नपूर्णा का जन्मदिन मनाया जाता है. इसी शुभ दिन स्वर्ग से पृथ्वी पर माता गंगा अवतरित हुई थी. माता गंगा को पृथ्वी पर अवतरित कराने के लिए राजा भागीरथ में हजारों वर्ष तक तपस्या की थी. मान्यता के अनुसार अक्षय तृतीया पर गंगा में डुबकी लगाने से सारे पाप नष्ट हो जाते हैं.

अक्षय तृतीया के दिन बिना किसी मुहूर्त के विवाह का मंगल कार्य पूरा किया जा सकता है इसलिए इस अवसर पर भारतीय समाज में विवाह को शुभ माना गया है. कुछ रूढ़िवादी सोच ने व्यस्क के स्थान पर इस दिन बाल विवाह को शुभ मानकर उन्हें विवाह के पवित्र बंधन में बांध देते हैं. यह अनुचित है. कानून भी इसकी इजाजत नहीं देता है और यह स्वास्थ्य की दृष्टि से भी यह खतरनाक है. विवाह की कानूनी आयु लड़कियों के लिए 18 वर्ष और लडक़ों के लिए 21 वर्ष है, उन लोगों की एक बड़ी संख्या के लिए अप्रासंगिक और महत्वहीन हो जाता है जो सदियों पुरानी परंपराओं और हठधर्मिता के कारण अंधे और भटके हुए हैं, जिन्हें वे अनुष्ठान कहते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी बाल विवाह जैसी कुप्रथा पर टिप्पणी की थी. उनका कहना था कि देश में हजारों नाबालिग लड़कियों की शादी कर दी जाती है और उनके स्वास्थ्य, गर्भ धारण करने की क्षमता तथा इसके प्रतिकूल, आर्थिक एवं मनोवैज्ञानिक प्रभावों की परवाह नहीं करते हुए उनसे शारीरिक संबंध बनाए जाते हैं. निश्चित रूप से यह भारत जैसे विकसित देश के लिए एक धब्बा था जिसे केन्द्र और राज्य सरकार के प्रयासों से दूर किया जा सका है.

समय के साथ स्थितियों में परिवर्तन आने लगा है. बाल विवाह पर नियंत्रण पाने के लिए केन्द्र एवं राज्य सरकार ने ना केवल कानून सख्त किया बल्कि बच्चों, खासतौर पर बेटियों के हक में अनेक योजनाएं आरंभ की है. इसका परिणाम यह हुआ है कि समाज में बाल विवाह की कुप्रथा पर ना केवल रोक लगी है बल्कि समाज का मन भी बदलने लगा है. सामाजिक रूढियों के चलते उनका बचपन में ब्याह कर दिया जाता था. लेकिन पीछे कुछ वर्षों के आंकड़ें इस बात के लिए आश्वस्त कराते हैं कि समाज का मन बदलने लगा है. तकरीबन डेढ बरस पहले मध्यप्रदेश में लिंगानुपात की जो हालत थी, उसमें सुधार आने लगा है. एक दशक पहले एक हजार की तादात पर 932 का रेसियो था लेकिन गिरते गिरते स्थिति बिगड़ गई थी. हाल ही में जारी आंकड़े इस बात की आश्वस्ति देते हैं कि हालात सुधरे भले ना हो लेकिन सुधार के रास्ते पर है. आज की तारीख में 1000 पर 930 का आंकड़ा बताया गया है. एक तरह से झुलसा देने वाली स्थितियों में कतिपय पानी के ठंडे छींटे पड़ रहे हैं. लगातार प्रयासों का सुपरिणाम है कि उनकी बेटियां मुस्कराती रहें और कामयाबी के आसमां को छुये लेकिन इसके लिए जरूरी होता है समाज का साथ और जो स्थितियां बदल रही है, वह समाज का मन भी बदल रही है. यह कहना भी फिजूल की बात होगी कि पूर्ववर्ती सराकरों ने बिटिया बचाने पर ध्यान नहीं दिया लेकिन यह कहना भी अनुचित होगा कि सारी कामयाब कोशिशें इसी दौर में हो रही है. इन दोनों के बीच फकत अंतर यह है कि पूर्ववर्ती सरकारों की योजनाओं की जमीन कहीं कच्ची रह गयी थी तो वर्तमान सरकार ने इसे ठोस बना दिया. जिनके लिए योजनायें गढ़ी गई, लाभ उन तक पहुंचता रहा और योजनाओं का प्रतिफल दिखने लगा. महिला एवं बाल विकास विभाग का गठन बच्चों और महिलाओं के हक के लिए बनाया गया था. इस विभाग की जिम्मेदारी थी कि वह नयी योजनओं का निर्माण करें और महिलाओं को विसंगति से बचा कर उन्हें विकास के रास्ते पर सरपट दौड़ाये. योजनाएं बनी और बजट भी भारी-भरकम मिलता रहा लेकिन नीति और नियत साफ नहीं होने से कारगर परिणाम हासिल नहीं हो पाया. मुख्यमंत्री के रूप में सत्ता की बागडोर सम्हालने के बाद डॉ. मोहन यादव ने बेटियों की ना केवल चिंता की बल्कि समय-समय पर उनकी खोज-खबर लेते रहे. जब मुखिया सक्रिय और सजग हो जाए तो विभाग का चौंकन्ना होना लाजिमी था. मुख्यमंत्री की निगहबानी में परिणामदायी योजनाओं का निर्माण हुआ और परिणाम के रूप में दस वर्ष में गिरते लिंगानुपात को रोकने में मदद मिली.

एक मानस पहले से तैयार था कि बिटिया बोझ होती है और कतिपय सामाजिक रूढ़ियों के चलते उनका बचपन में ब्याह कर दिया जाता था. लेकिन पीछे कुछ वर्षों के आंकड़ेंइस बात के लिए आश्वस्त कराते हैं कि समाज का मन बदलने लगा है. बेटियों को रूढ़ियों से मुक्त कराने की दिशा में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओं के साथ ही अनेक योजनाओं का श्रीगणेश किया गया था जिसका प्रतिफल मिला कि बाल विवाह जैसी कुरीतियों पर कुठाराघात होने लगा. प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से बीते वर्ष 2024 को 'बाल विवाह मुक्त भारत' का शुभारंभ किया गया था. बाल विवाह मुक्त भारत अभियान देश को बाल विवाहमुक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित करेगा. यह अभियान बाल विवाह को खत्म करने और देश भर में युवा लड़कियों को सशक्त बनाने के लिए सरकार के चल रहे प्रयासों का एक प्रमाण है, जो एक प्रगतिशील और समतापूर्ण समाज सुनिश्चित करता है जहां हर बच्चे की क्षमता को पूरी तरह से साकार किया जा सके। जो विकसित भारत के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए लड़कियों और महिलाओं के बीच शिक्षा, कौशल, उद्यम और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए अनिवार्य है। उल्लेखनीय है कि बाल विवाह मुक्त भारत प्रधानमंत्री के वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' के सपने से प्रेरित है। इस सपने को तब तक हासिल करना संभव नहीं है जब तक महिलाओं और लड़कियों को जीवन के सभी क्षेत्रों में पूर्ण, समान और सार्थक भागीदारी न मिले। सनातन धर्म बहुमुखी है और वह समय के साथ अपनी सोच एवं दृष्टि में परिवर्तन करता है. अक्षय तृतीया पर अक्षय सोच के साथ समाज के सभी वर्ग मिलकर बाल विवाह जैसी कुप्रथा को समाप्त करने के लिए कृतसंकल्पित है. कानून अपना कार्य करेगा लेकिन समाज का हर वर्ग 'अक्षय संकल्प' ले ले कि वह इस कुप्रथा के खिलाफ खड़े हो जाएंगे

पराक्रम के प्रतीक थे भगवान परशुराम

जयंती पर विशेष

ऋतुपर्ण दवे

लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं।

दरअसल धर्म को सरल और बेहद कम शब्दों में इस तरह भी समझा कि समाज द्वारा स्वीकृत वो मान्यताएं हैं जिस पर चल कर मनुष्य कितना भी शक्तिशाली हो जाए किसी दूसरे का अहित नहीं कर सकता है तथा संतुलित व मर्यादित रहता है। वह धर्मनीति ही है जो मानवता का बोध कराने, अत्याचार, अनाचार, साधु-संतो के उत्थान के लिए भगवान का अनेकों रूप बनवाती है ताकि दुष्टों का संहार, विश्व कल्याण के साथ धर्म जो मनुष्य को उसकी सीमाओं में रखता है की रक्षा की जा सके। भगवान परशुराम ऐसे ही धर्मपरायण थे जो क्रोध के वशीभूत होकर अनाचारियों के लिए किसी काल से कम न थे। परशुराम ही इतिहास के पहले ऐसा महापुरुष हैं जिन्होंने किसी राजा को दंड देने के लिए दूसरे राजाओं को भी सबक सिखा नई राजव्यवस्था बनाई जिससे हा-हाकार मच गया। परशुराम की विजय के बाद संचालन सही ढ़ंग से न होने से अपराध और हाहाकार की स्थिति बनी। उससे घबराए ऋषियों ने तपोभूमि से साधना लीन दत्तात्रेयजी को उठा पूरा वृत्तान्त बताया। उनके साथ जाकर कपिल और कश्यप मुनि ने परशुराम को समझाया। पहले तो समझ नहीं आया लेकिन कई वर्षों के क्रोध के बाद जब परशुराम कुछ शांत हुए तो उन्हें समझ आया और अपने कृत्यों पर पश्चाताप करने लगे। परशुराम को, मुनि दत्तात्रेय, कपिल और कश्यप ने इसके लिए बहुत धिक्कारा। ग्लानि में डूबे परशुराम ने संगम तट पर सारे जीते हुए राज्य कश्यप मुनि को दान दे दिया और स्वयं महेन्द्र पर्वत चले गए उसके बाद राजकाज की दोबारा सुचारू शासन व्यवस्था संचालित हो पाई।

भगवान परशुराम को पराक्रम का प्रतीक माना जाता है। उन्हें राम का पर्याय और सत्य सनातन माना जाता है जिनका जन्म 6 उच्च ग्रहों के योग में हुआ। ग्रहों के प्रभाव से वो तेजस्वी, ओजस्वी और वर्चस्वी बने। महाप्रतापी व माता-पिता भक्त परशुराम ने जहां पिता की आज्ञा से माता का गला काट दिया वहीं पिता से माता को जीवित करने का वरदान भी मांग लिया। इस तरह हठी, क्रोधी और अन्याय के खिलाफ संघर्ष करने वाले परशुराम का लक्ष्य मानव मात्र का हित था। वो परशुरामजी ही थे जिनके इशारों पर नदियों की दिशा बदल जाया करतीं थीं। उन्होंने अपने बल से आर्यों के शत्रुओं का नाश किया, हिमालय के उत्तरी भू-भाग, अफगानिस्तान, ईरान, इराक, कश्यप भूमि और अरब में जाकर शत्रुओं का संहार किया। उसी फारस जिसे पार्शिया भी कहा जाता था का नाम इनके फरसे पर ही किया गया। इन्होंने भारतीय संस्कृति को आर्यन यानी ईरान के कश्यप भूमि क्षेत्र और आर्यक यानी इराक में नई पहचान दिलाई। गौरतलब है कि पार्शियन भाषी पार्शिया परशुराम के अनुयायी और अग्निपूजक कहलाते हैं और परशुराम से इनका संबंध जोड़ा जाता है। अब तक भगवान परशुराम पर जितने भी साहित्य प्रकाशित हुए हैं उनसे पता चलता है कि मुंबई से कन्याकुमारी तक के क्षेत्रों को 8 कोणों में बांटकर परशुराम ने प्रान्त बना कर इसकी रक्षा की प्रतिज्ञा भी की। अयोध्या, मिथिला, काशी, कान्यकुब्ज, कनेर, बिंग के साथ ही कहते हैं कि पूर्व के प्रान्तों में मगध और वैशाली भी महासंघ में शामिल थे जिसका नेतृत्व भगवान परशुराम ने ही किया। दूसरी ओर हैहयों के साथ आज के सिन्ध, महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, पंजाब, लाहौर, अफगानिस्तान, कंधार, ईरान, ट्रांस-ऑक्सियाना तक फैले 21 राज्यों के राजाओं से युद्ध तक किया। सभी 21 अत्याचारी राजाओं और उनके उत्तराधिकारियों तक का परशुराम ने विनाश भी किया जिससे दोबारा कोई सिर न उठा सके।

केरल प्रदेश को बसाने वाले परशुराम ही थे। एक शोध के अनुसार परशुराम में ब्रम्हा की सृजन शक्ति, विष्णु की पालन शक्ति व शिव की संहार शक्ति विद्यमान थी जिससे त्रिवंत कहलाए। उनकी तपस्या स्थली आज भी तिरुवनंतपुरम के नाम से प्रसिध्द है जो अब केरल की राजधानी है। केरल, कन्याकुमारी और रामेश्वरम के संस्थापक भगवान परशुराम की केरल में नियमित पूजा होती है। यहां के पंडित संकल्प मंत्र उच्चारण में समूचे क्षेत्र को परशुराम की पावन भूमि कहते हैं। परशुराम के बारे में पुराणों में लिखा है कि महादेव की कृपा व योग के उच्चतम ज्ञान के सहारे वे अजर, अमर हो गए और आज भी महेंद पर्वत में किसी गुप्त स्थान पर आश्रम में रहते हैं। कई धर्मग्रन्थों में वर्णित नक्षत्रों की गणना से हैहय-परशुराम युद्ध अब से लगभग 16300 साल के पहले का माना जाता है। वहीं कुछ कथाएं यह भी हैं कि कई हिमालय यात्रियों ने परशुराम से भेंट होने की बात भी कही हैं। भगवान परशुराम की यही गाथा है जिसमें अनीति, अत्याचार, छल-प्रपंच का संहार करने की सच्चाई है जो आज भी प्रासंगिक है और युगों-युगों तक रहेगी। हर वर्ष वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को भगवान विष्णु के अवतार परशुरामजी का जन्मोत्सव मनाया जाता है।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) -विनोद तिवारी
कार्यकारी प्रधान संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

संजय जैन

व्यंग्यकार और स्तंभकार

जब तक सूरज चांद रहेगा

उसके आने की आवाज से दिल की धड़कनें बढ़ जाती है। मैं काँपने लगता हूँ। घर की दीवारें थरथराने लगती हैं। ध्वनि तरंगों से वातावरण गूंजने लगता है। तब मैं समझ जाता हूँ कि कोई डीजे लेकर आ गया है। कांपते-कांपते मैं अपने सुरक्षा के इंतजामों में लग जाता हूं। यह जानते हुए भी मेरी हर कोशिश बेकार हो जाना है। क्योंकि, ध्वनि के इस एटम बम के आगे सब असहाय है। जब इसका विस्फोट होता है तो आवाज का जलजला आ जाता है। मुझे लगता है कि ये घटना मेरे शहर में ही होती है।

अब कोई दिल का मरीज हो तो हो हमें क्या। वह अपनी व्यवस्था खुद करे। साउंड प्रूफ भी तो होता है, कर ले अपने घर को ,कमरे को। वो तो करेंगे नहीं और दोष इस बेजान मशीन को। ये तो ठीक नहीं है। अब परीक्षा है बच्चों को पढ़ना है तो पढ़े किसने रोका है। अब एकाग्रता भी तो कोई चीज है। पढ़ने वाले तो शोर के बीच भी पढ़ लेते है, तो भाई डीजे का बहाना तो नहीं ले तो अच्छा। सालभर पढ़ा होता तो आज ये दिन तो न देखते। अब खुशी का मौका आया है तो नाचेंगे तो जरूर। नाचने के लिये ये डीजे तो अनिवार्य सा है। इसके मधुर संगीत में जो कुछ लोगों को कानफोडू लगता है, बाकी बहुसंख्या को तो अच्छा लगता हैं, तो उसकी आवाज से कोई कांपे तो कांपे, हम तो भाई नाचेंगे।

एक डीजे तेज आवाज में चलता है। उसके आगे पाँच और पीछे पांच नाचते प्राणी। बड़ा ही अद्भुत दृश्य होता है। इसे तो ऊपर से देवता भी देखकर खुश होते होंगे। अब इसे लेकर कोई जलता है तो जलता है तो जलता रहे। जीवन में खुशी के अवसर तो आते ही रहते है। और जब जब ये आयेंगे तो ऐसा होगा कोई काँपे तो काँपे, दिल धड़के तो धड़के ये दिल की समस्या है, उसके लिए अलग व्यवस्था है। जो करना है वो तो करेंगे पांच हो या पच्चीस नाचेंगे तो डीज के साथ ही।

अब कानून की बात तो नहीं करें, तो अच्छा। कानून तो लोगों के लिये ही होते है। लोग चाहते है कि ऐसे अनूठे दृश्य बने तो बनेंगे। अब तो इसके शोर से काँपते काँपते हम भी नारा लगा देते है। जब तक सूरज चाँद रहेगा डीजे तेरा जलवा रहेगा। कुछ नासमझ लोग इसका विरोध कर डेसिबल की बात करते है ध्वनि सुनने की क्षमता से जोड़ते है। ये सब बेकार की बातें हैं। हमें तो खुशियों से सरोकार है और इसमें जो मददगार है हम उसके साथ है और हमेशा रहेगे।

परशुराम जयंती पर विशेष

सुरेश पचौरी

लेखक पूर्व केन्द्रीय मंत्री रहे हैं।

पराक्रम और पुरूषार्थ के पर्याय : भगवान परशुराम

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार भगवान विष्णु के दस प्रधान अवतार हुए हैं। भगवान परशुराम इनमें से छटे अवतार माने जाते हैं। भृगुवंश को यह गौरव प्राप्त है कि इस वंश में ईश्वर का अवतार हुआ। ईश्वर का यही एक अवतार है जो ऋषिकुल में हुआ। वैशाख शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि (अक्षय तृतीया) के दिन महर्षि जमदग्नि और माता रेणुका के यहां भगवान परशुराम का जन्म हुआ। भगवान परशुराम सप्त चिरंजीवियों में से एक हैं। उनकी पितृ भक्ति सर्वविदित है। भगवान परशुराम का जीवन वृत्त एक ऐसे युग पुरुष की शौर्य गाथा है जिसने अन्याय और अत्याचार के खिलाफ सतत् संघर्ष कर न्याय, नीति और धर्म का शासन स्थापित किया।

महर्षि जमदग्नि ने परशुराम जी को वेदों का अध्ययन कराया। कश्यप ऋषि ने उन्हें मंत्र दीक्षा दी। उन्होंने कैलाश पर्वत पर जाकर भगवान शिव की अराधना की। परशुराम के कठोर तप से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें समस्त दिव्यास्त्र प्रदान किये, उनमें परशु (फरशा) प्रमुख था। परशु धारण करने के कारण उनका नाम परशुराम पड़ा।

शास्त्र प्रमाण के अनुसार भगवान परशुराम ने प्रभु श्री राम को दिव्य धनुष प्रदान किया जिससे उन्होंने रावण का वध किया। उन्होंने श्री कृष्ण को सुदर्शन चक्र प्रदान किया। भगवान बुद्ध को परम ज्ञान भी भगवान परशुराम की तपोस्थली गया जी में प्राप्त हुआ। भविष्य में कलियुग में धर्म की स्थापना तथा अत्याचारियों के विनाश के लिए ''कल्कि अवतार'' होगा जिन्हें शस्त्र एवं शास्त्र की दीक्षा भगवान परशुराम ही देंगे। महाभारत में इस बात का उल्लेख है कि भीष्म पितामह, गुरूद्रोण तथा कर्ण को शस्त्र विद्या का ज्ञान भगवान परशुराम ने ही दिया था।

भगवान परशुराम पंचमहावीर के नाम से भी विख्यात हैं। पराक्रम महावीर, दयावीर, दानवीर धर्मवीर एवं विदयावीर। गोस्वामी तुलसीदास ने रामायण में भगवान राम और परशुराम के संवाद का वर्णन करते हुए लिखा है -

''नाथ शंभु धनु भंजन हारा, हुई है कोऊ एक दास तुम्हारा''।

अर्थात् भगवान श्री राम ने स्वंय परशुराम जी को अपने पूज्य की संज्ञा प्रदान की।

परशु प्रतीक है पराक्रम का, और राम पर्याय हैं सत्य, सनातन के। अतः परशुराम का अर्थ हुआ पराक्रम के कारक और सत्य के धारक। शस्त्र प्रतीक है नियंत्रण का, शास्त्र प्रतिनिधि है सृजन का। शस्त्र से ध्वनित होती है शक्ति तथा शास्त्र में प्रतिबिम्बित होती है शांति। परशु से झलकता है पुरूषार्थ और राम के मायने है परमार्थ। अर्थात् पुरूषार्थ के प्रवाह से और परमार्थ के निर्वाह का नाम है ''परशुराम''।

भगवान परशुराम का अवतरण ऐसे समय में हुआ जब पृथ्वी पर निरंकुश, अत्याचारी राजाओं से प्रजा दुखी थी। मंदाध राजा सहस्त्रबाहु ने परशुराम जी के पिता महर्षि जमदग्नि के आश्रम को तहस-नहस कर दिया एवं वह उनकी कामधेनु गाय को छीनकर ले गया। परशुराम एवं सहस्त्रबाहु के बीच भीषण युद्ध हुआ, जिसमें परशुराम जी ने सहस्त्रबाहु का वध कर दिया। एक दिन भगवान परशुराम जी की गैर मौजूदगी में सहस्त्रबाहु के पुत्रों ने महर्षि जमदग्नि की हत्या कर दी। मां की आर्तत पुकार सुनकर परशुराम जी ने आततायियों के संहार का संकल्प लिया तथा सहस्त्रार्जुन के पुत्रों सहित उन सभी राजाओं का वध कर दिया जो अन्यायी निरंकुश तथा राजधर्म से विमुख थे। भगवान परशुराम ने केवल उन्हीं राजाओं को दण्डित किया जिनके राज्य में न तो विद्या की सेवा थी, न ही तप का सम्मान था, और न ही सत्य का शासन था। इन दुराचारी राजाओं का संहार कर उन्होंने इनके स्थान पर योग्य, सदाचारी एवं धर्मानुकुल शासन करने वालों को बैठाकर पृथ्वी पर शांति और विधि व्यवस्था कायम की।

कई बार इतिहास और लोक गाथाओं में अपने नायक की कीर्ति बखान करने के लिए अतिरंजक बातें नत्थी कर दी

जाती हैं। परशुराम जी के साथ भी यही हुआ, इस पराक्रमी योद्धा के लिए कहा गया कि उन्होंने इक्कीस बार आर्यावर्त को क्षत्रिय विहीन कर दिया। यह भ्रामक है। परशुराम जी ने सिर्फ अत्याचारी एवं राजधर्म से विमुख राजाओं को ही दण्डित किया था। अगर परशुराम जी ने सभी क्षत्रिय राजाओं का वध किया होता तो राजा दशरथ, राजा जनक और भी कई तत्कालीन क्षत्रिय राजा उस काल में नहीं होते। परशुराम जी संहार और निर्माण दोनों में कुशल थे। उन्होंने जाति नहीं अवगुण का विरोध किया था।

भगवान परशुराम के अवतार का उदेश्य सहस्त्रबाहु या अन्य राजाओं का संहार कर पृथ्वी पर शांति व धर्म का राज्य स्थापित करने तक ही सीमित नहीं था, उन्होंने इससे भी अधिक कई महत्वपूर्ण काम किये। उन्होंने ऋषियों के सम्मान की रक्षा की और यह बात स्थापित किया कि ज्ञान और तप का सम्मान सबको करना ही होगा। भगवान परशुराम महादानी थे। उन्होंनें सारी पृथ्वी जीतकर महर्षि कश्यप को दान में दे दी तथा स्वयं तपस्या करने महेन्द्र पर्वत पर चले गये। परशुराम जी ने भगवान दत्तात्रेय से दीक्षा प्राप्त कर भगवती त्रिपुरा की उपासना का लोक में प्रचार किया। उन्होंने ऋषिपत्नि अनुसुईया तथा लोपामुद्रा के सहयोग से नारी जागृति अभियान चलाया। युद्धकाल में हुए निराश्रित बच्चों तथा विधवा नारियों के जीवन यापन की व्यवस्था करवाई। उनका मानना था कि प्रत्येक व्यक्ति को उसकी प्रतिभा के अनुरूप काम मिलना ही चाहिए।

सिद्धांततः परशुराम जी एक ऐसा सशक्त विचार हैं जो उच्चतम नैतिक व्यवस्थाओं की नींव पर ऐसे भारतीय समाज की संरचना चाहते है जो ब्रम्हतेज तथा छात्रतेज से भरपूर हो। भगवान परशुराम न्याय के देवता हैं। वे जनकल्याण के महानायक हैं। वे किसी एक जाति के नहीं अपितु सर्व समाज के महानायक हैं।

अक्षय तृतीया भगवान परशुराम का अवतरण दिवस है। अक्षय तृतीया का सर्वसिद्धि मुहुर्त के रूप में विशेष महत्व है। इस दिन का प्रत्येक पल पवित्र है। अक्षय तृतीया का अर्थ होता है कभी क्षय नहीं होने वाला समय। पुराणों में इस बात का उल्लेख है कि इस दिन पितरों के तर्पण, दान, स्नान, जप और तप का अक्षय पुण्य मिलता है। यह दिन शुभ कर्म एवं मागंलिक कार्य करने का दिन है। आज ही के दिन सामूहिक विवाह की शुरूआत की परपंरा भारतीय समाज में पुनरुत्थान। यह परपंरा अभी तक जारी है।

भगवान परशुराम अतीत के गौरव ही नहीं बल्कि आज के सामाजिक दौर में वे और भी ज्यादा प्रासंगिक हैं। वे एक ऐसे प्रेरणापुंज है जिनकी शिक्षाओं और आदर्शो पर चलने से समाज में नई रोशनी का संचार होता है। नीति, साधना, शक्ति और युक्ति से जीने का सूत्र का ही भगवान परशुराम का संदेश है। इसी मूलमंत्र से व्यक्ति का समग्र विकास होगा, परिवार गुणी एवं समृद्ध होगा, समाज सुसंस्कृत होगा तथा सभी समाज, राष्ट्र की समग्र शक्ति बनेंगे। हम उनके साहस, त्याग, तपस्या और संगठन शक्ति का अनुसरण करें, यही भगवान परशुराम की सच्ची आराधना होगी।

परशुराम जयंती विशेष

आरबी त्रिपाठी

लेखक स्तंभकार हैं।

जानापाव परशुराम तीर्थ की यात्रा का अपना महत्व

मध्यप्रदेश के व्यावसायिक शहर इंदौर से तकरीबन 48 किलोमीटर दूर हरी- भरी पहाड़ियों, जंगल के बीच ऊंचाई पर स्थित है जानापाव भगवान परशुराम जी का भव्य तीर्थ। इस स्थान को मंदिर की बजाय तीर्थस्थल कहना ज्यादा उचित होगा। इंदौर- मुंबई रोड पर महू से आगे जानापाव नामक स्थान से चार-पांच किलोमीटर पहाड़ियों की चढ़ाई के बाद बहुत ऊंचाई पर परशुराम जन्म स्थली तीर्थ है। पहले यहां जाने के लिये कच्चा रास्ता था जिससे बहुत समय लगता था लेकिन अब तीर्थ तक चौड़ी रोड बन जाने से यहाँ जाना आसान हो गया है। ऊंचाई पर होने तथा खासकर बारिश और जाड़े के मौसम में हरे- भरे जंगली रास्ते से गुजरने से यहाँ की सुंदरता देखते ही बनती है।

भगवान परशुराम जी के दर्शन के बाद हमारी भेंट मुख्य पुजारी पंडित ओम प्रकाश व्यास से होती है। उनके पास नई दिल्ली से आये एक श्रद्धालु बैठे हुए थे जो तीर्थ के बारे में जानकर किसी पर्यटन स्थल पर जाने की बजाय यहाँ पहुंचे थे। पंडित व्यास बताते हैं कि इस रमणीक स्थल के बारे में प्रचार प्रसार होने से यहाँ दूर-दूर से श्रद्धालुजन आने लगे हैं। अच्छा पहुंच मार्ग बन जाने से वाहनों का ऊपर तक आना आसान हो गया है। इसके चलते दर्शनार्थी श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ गई है। विशेष पर्वों, परशुराम जयंती तथा त्योहारों पर बड़ी तादाद में श्रद्धालुजन यहां पहुंचते हैं। ब्राह्मण समाज के विभिन्न संगठनों द्वारा यहाँ से यात्राओं का आयोजन करने तथा विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन से भी श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ी है। इनमें ना केवल ब्राह्मण समाज बल्कि अन्य समाजों के लोग शामिल हैं। दरअसल भगवान परशुराम सम्पूर्ण सृष्टि के आराध्य देव हैं उन्हें किसी सामाजिक बंधन में देखना कदापि उचित नहीं होगा।

जानापाव पहाड़ी पर भगवान परशुराम जी का मंदिर विस्तार रूप लिये हुए हैं। परिसर के बीच एक कुंड है तथा पार्किंग की बेहतर व्यवस्था है। परिसर में ही प्राचीन महादेव और हनुमान मंदिर बना हुआ है जहां पूर्व से ही परम्परागत रूप से संत निवास करते हैं। पर्यटन निगम ने अशोक भवन के नाम से रुकने की सुविधा उपलब्ध कराई है लेकिन यहाँ आने वाले श्रद्धालुजन की सुरक्षा के इंतजाम की जरूरत महसूस होती हैं।

चिरंजीवी भगवान परशुराम जी का प्राकट्योत्सव यानी जयंती वैशाख शुक्ल अक्षय तृतीया 30 अप्रैल को मनाया जा रहा है। यह शास्त्रोक्त है कि परशुराम जी भगवान विष्णु का अवतार है जो घोर कलियुग में भी विद्यमान रहेंगे। उन्हें प्रभु का आक्रोश अवतार भी माना जाता है जो भगवान शंकर के अनन्य भक्त हैं और सदैव कठिन तपस्या में लीन रहते हैं।

इस बार परशुराम जी पर लिखते समय हमें प्रदेश के एक माननीय के उद्बोधन की पंक्ति बरबस याद आ रही है। उन्होंने किसी समारोह में कहा था कि हमें (ब्राह्मणों)को अपने हाथों में शास्त्र के साथ शस्त्र भी धारण कर लेना चाहिये। थोड़ी-बहुत प्रतिक्रिया के बाद यह बात आई गई हो गई लेकिन यह विचारणीय है कि क्या ऐसा वक्त आ रहा है कि शास्त्र के साथ शस्त्र भी रखे जायें। घोर कलियुग तो अभी आना बाकी है जिसके बारे में श्रीमद्भागवत और राम चरित मानस समेत अन्य शास्त्र हमें चेताते रहे हैं।

एक अच्छी और उत्साहजनक खबर यह है कि भगवान परशुराम के जीवन चरित्र पर केन्द्रित एक बड़ी फिल्म 'महावतार' का निर्माण किया जा रहा है। प्रस्तावित फिल्म में श्रीमद्भागवत, राम चरित मानस सहित लगभग 11 अन्य धर्म ग्रन्थों के संदर्भ लिये जा रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार धर्म के सास्वत योद्धा परशुराम पर केन्द्रित नाटकों का अध्ययन भी किया गया है। फिल्म का निर्माण विकी

कौशल (छावा में मुख्य भूमिका निभाने वाले) द्वारा अमर कौशिक के निर्देशन में किया जा रहा है। परशुराम की भूमिका भी विकी कौशल निभा रहे हैं जिसका फर्स्ट लुक भी सोशल मीडिया पर साझा किया गया है। जिस तरह फिल्म को लेकर शोधपरक कार्य किया जा रहा है, उम्मीद की जा सकती है कि इसके जरिये प्रभु परशुराम के जीवन चरित का सही स्वरूप सामने लाया जा सकेगा। इसके पूर्व भी एक निजी चैनल द्वारा परशुराम पर आधारित सीरियल का प्रसारण विगत वर्ष किया गया था। इस तरह की पहल निश्चित ही सराहनीय है।

गोस्वामी तुलसीदास ने राम चरित मानस में सीता स्वयंवर और प्रभु श्रीराम द्वारा धनुष भंग प्रसंग में भगवान परशुराम जी के व्यक्तित्व का वर्णन इस प्रकार किया है - गौरि शरीर भूति भल भ्राजा, भाल विशाल त्रिपुंड बिराजा। बृषभ कंध उर बाहु विशाला, चारु जनेऊ माल मृगछाला। कटि मुनिबसन तून दुइ बांधे, धनु सर कर कुठारु कल कांधे। श्रीराम को कहते हैं- सुनहु राम जेहि शिव धनु तोरा, सहसबाहु सम सो रिपु मोरा। क्रोधातुर परशुराम को श्रीराम कहते हैं- राम मात्र लघु नाम हमारा, परसु सहित बड़ नाम तोहारा। अंत में इस प्रसंग का पटाक्षेप होता है- राम रमापति कर धन लेहू, खैंचहु मिटै मोर संदेहू। कहि जय जय जय रघुकुलकेतु, भृगुपति गये बनहि तप हेतु।

अब बात ब्राह्मण और ब्राह्मणत्व की। सो, ब्राह्मणों में भी अलग - अलग वर्ग बन गये हैं, ऐसा देखने में आ रहा है। हमने भी यज्ञोपवीत सहित संध्यापूजन का लगभग परित्याग ही कर दिया है। बिरले लोग होंगे जो अपने कर्म अनुसार आचरण कर रहे हैं। हालांकि वर्तमान परिप्रेक्ष्य में देखा जाये तो हालात अभी इतने भी ख़राब नहीं है। यह घोर कलिकाल कलियुग की परिकल्पना कही जाना चाहिये।

दूसरी ओर हमारे वेद पुराण, धर्म शास्त्रों के अनुसार ब्राह्मण को सर्वश्रेष्ठ माना गया है। सृष्टि की रचना में भगवान के मुखारविंद से ब्राह्मण की उत्पत्ति मानी गई है। वेद मंत्रों में लेख है 'ब्राह्मणोस्य मुखमासीद।' मानस में कहा गया है विप्र धेनु सुर संत हित लीन्ह मनुज अवतार। उधर भगवान ने स्वयं कहा है 'विप्र प्रसादात धरणी धरोहम, विप्र प्रसादात कमला वरोहम।' लेकिन शास्त्रों में चेताया भी गया है कि कलियुग में यज्ञोपवीत धारण कर पालन करने, धर्म शास्त्रों के पठन-पाठन, श्रवण आदि को ढकोसला निरूपित कर ब्राह्मणों के प्रति सम्मान, आदर भाव का लोप होता जायेगा। यह सब हम नहीं कह रहे बल्कि शास्त्रोक्त है। सो, स्पष्ट है कि ब्राह्मण महज जाति या वर्ण नहीं बल्कि कर्म है और ब्राह्मणअपने कर्म का त्याग नहीं करें यही भगवान परशुराम की सच्ची स्मृति होगी।

भगवान परशुराम का प्राकट्योत्सव

शिवकुमार शर्मा

लेखक पूर्व प्रशासनिक अधिकारी हैं।

लोक कल्याण का मार्ग प्रशस्त करने वाले भृगु कुल कमल

सृष्टि या संसार में संतुलन, सुख-शांति, समानता, समरसता की स्थापना के लिए जिसने भी अपने निजी हित त्याग परमार्थ, परोपकार और लोक के कल्याण हेतु जीवन समर्पित किया है त्यागपूर्ण जीवन कर निः स्वार्थ भाव से अपनी प्रत्येक श्वांस लोकहित के लिए अर्पित की है, समाज उसमें दैवीय गुण देखता है। नीति व धर्म की स्थापना अधर्म का नाश करने वाला ही भगवान है। भारत की सनातन परंपरा में। समय-समय पर दिव्य शक्तियों के अवतरण होते रहे हैं। तपोनिष्ठ, वेदज्ञ,अपराजेय योद्धा भगवान परशुराम का अक्षय तृतीया को प्राकट्य दिवस है। उनके सम्बन्ध में जानने के लिए ज्ञाताओं के मत कुछ इस प्रकार हैं।

स ब्रम्हचारी निज धर्मचारी स्वकर्मचारी न च चाभिचारी।
चारी सतां चेतसि नातिचारी स चापचारी स न चापचारी।। (श्री भार्गवराघवीयम/षष्ठ सर्ग/श्लोक 3)

परशुराम जी ब्रह्मचारी एवं अपने धर्म का आचरण करने वाले अपने कर्म का आचरण करते हुए वे अभिचारी नहीं थे। वे चापचारी अर्थात धनुष के साथ विचरण करते हुए भी अपचारी किसी का भी अपचार अर्थात अपकार नहीं करते थे।

निरन्तरायोह्याप्यसदन्तरायो धनुर्-सहायो महितोरुगायः।
सदा निरस्ताष्टविधिव्यायो निष्प्रत्यवायो लसितोह्यनपायः।।
(श्री भार्गवराघवीयम/षष्ठ सर्ग/श्लोक 4)

श्री परशुराम जी के जीवन में कोई भी अंतराय अर्थात विघ्न नहीं था प्रत्युत वे स्वयं ही दुष्टों के लिए अंतराय स्वरूप थे। धनुष ही उनका सहायक था। वे उरुगाय अर्थात भगवान की ही पूजा करते थे। परशुराम जी आठ प्रकार के व्यवाय अर्थात नारी विषयक श्रवण, कीर्तन, केलि (क्रीड़ा), स्पर्श, एकांत भाषण ,संकल्प, अध्यवसाय और क्रिया निवृत्ति इन आठों प्रकार के मैथुनों से बहुत दूर थे। उनके जीवन में किसी प्रकार के विधि कर्म के व्यतिक्रम से उत्पन्न कोई भी पाप या प्रत्यवाय नहीं था वे स्वयं भी निर्मित रूप से सुशोभित हो रहे थे।

भगवान परशुराम पूर्ण मनुज शरीर में वे भगवान विष्णु के छठे अवतार माने जाते हैं। वे एक चिरंजीवी (अमर) ऋषि, महान योद्धा और ब्राह्मण कुल में जन्मे क्षत्रिय-धर्म के पालन

कर्ता हैं। उनमें पाण्डित्य व पौरुष के एकसाथ दर्शन होते हैं।वे शस्त्र एवं शास्त्र दोनों के उपासक,साधक,अध्येता आचार्य हैं। उन्होंने त्रेता में श्रीराम अवतार एवं द्वापर में श्रीकृष्ण अवतार के समय लोक कल्याण के लिए श्रीराम व श्री कृष्ण को दिव्यास्त्र प्रदान कर दुष्ट दलन के लिए सशक्त व सामर्थ्यवान बनाने में अपनी भूमिका निभाई।

भगवान ब्रह्मा के मानस पुत्र महर्षि भृगु की पत्नी पुलौमी से ऋषि च्यवन जन्मे। उनका विवाह महाराज शर्याति की पुत्री सुकन्या के साथ हुआ जिससे चार पुत्र एवं एक पुत्री का जन्म हुआ इन में से एक पुत्र आप्तवान हुए उन के पुत्र सायवसि और सायवसि के पुत्र महर्षि ऋचीक हुए। महर्षि ऋचीक का विवाह गाधिराज की पुत्री सत्यवती से हुआ। ऋषि जमदग्नि उनके ही पुत्रथे। उनका विवाह इक्ष्वाकुवंशीय राजा प्रसेनजित (रेणु) की पुत्री रेणुका के साथ हुआ। माता रेणुका के गर्भ से रुमणवान, सुषेण,वसु,विभावसु तथा परशुराम का प्राकट्य हुआ। परशुराम का वास्तविक नाम 'राम' था, लेकिन भगवान शिव से प्राप्त परशु (फरसा) के कारण वे 'परशुराम' कहलाए।

रेणुका जी ने माया पर नियंत्रण करने वाले लक्ष्मीपति भगवान विष्णु के अंश परशुराम जी के वैशाख शुक्ल पक्ष तृतीया तिथि में जन्म दिया। यही अक्षय तृतीया लोक में परशुराम जी के प्राकट्य दिवस (परशुराम जयंती) के नाम से प्रसिद्ध हुई। मध्यप्रदेश में महू (इन्दौर)के पास चम्बल नदी के उद्गम स्थल जान्हापाव को भगवान परशुराम की जन्म भूमि माना जाता है।श्रीमद्भागवत के अनुसार परशुरामजी नारायण का सोलहवां अवतार माने जाते हैं -(प्रथम स्कंधः,तृतीय अध्यायः,श्लोकः विंसति)।

अवतारे षोडशमे पश्यन ब्रम्हद्रुहो नृपान।
त्रिसप्तकृतः कुपितोनिःक्षत्रान्करोन्महीम।।

सोलहवे अवतार में भगवान ने भृगुपति के रूप में क्षत्रियों का इक्कीस बार संहार किया क्योंकि वे बुद्धिमान वर्ग के विरुद्ध किए गए विद्रोह के कारण करुद्ध थे।भगवान परशुराम केवल युद्ध और विनाश के प्रतीक नहीं हैं, बल्कि वे समाज सुधारक, न्यायप्रिय योद्धा और धर्म के संरक्षक भी हैं। उनके कार्यों का मुख्य उद्देश्य अधर्म का नाश और धर्म की रक्षा करना था।

महर्षि परशुराम की क्षत्रिय द्रोही छवि बनाने का कारण उनके जीवन और कृतित्व का आधा अधूरा विश्लेषण किया जाना ही है। वे क्षत्रिय द्रोही नहीं थे। उनके द्वारा कई धर्मनिष्ठ क्षत्रियों को संरक्षण प्रदान करने के प्रमाण मौजूद हैं जैसे मिथिलापति राजा सीरध्वज तथाअयोध्या के राजा दशरथ को कोई क्षति नहीं पहुंचायी। उनकी मां क्षत्रिय,दादी क्षत्रिय थी, तत्समय ब्राह्मण व क्षत्रिय के बीच रोटी-बेटी के सम्बन्ध थे। इक्कीस बार महि क्षत्रिय विहीन करने का आशय दुष्ट, दुराचारी, निष्कंटक व निरंकुश अधर्मी राजाओं के नाश के लिए उनके द्वारा इक्कीस बार युद्ध करने से है। एक अन्य आशय कार्तवीर्य अर्जुन का साथ देने वाले इक्कीस राजाओं से भी है।

महर्षि जमदग्नि को अपने तपोबल के आधार पर यह ज्ञात हो गया था कि परशुराम का जन्म किसी बड़े कार्य को संपन्न करने के लिए ही हुआ है इसलिए विद्या प्राप्त करने के पश्चात लौटने पर उन्होंने देवी रेणुका पर मानसिक पाप का आक्षेप आरोपित कर उनकी हत्या करने के लिए अपने पुत्रों को आदेश दिए। पुत्रों ने उनकी अवज्ञा की। परशुराम ने आज्ञा का पालन किया क्योंकि वे यह भली भांति जानते थे कि उनके तपस्वी,नीति मर्मज्ञ,धर्मज्ञ पिता उन्हें धर्मविरूद्ध कार्य करने के लिए नहीं कहेंगे और वह उनके तपबल से भी परिचित थे उनके पिता मृतसंजीवनी विद्या के भी ज्ञाता हैं। इसलिए पिता की आज्ञा का पालन सुनिश्चित करते हुए अपने भाई एवं माता रेणुका का सर धड़ से अलग कर दिया महर्षि जमदग्नि के प्रसन्न होने परभगवान परशुराम ने उन्हें पुनःजीवित होने एवं मारे जाने का स्मरण न रहने का वरदान मांग लिया और उन्हें पुनर्जीवित करा लिया। आने वाले समय में होने वाले युद्ध में कार्पण्यदोषोपहृत स्वभाव वाले होकर कहीं पथ से विचलित तो नहीं हो जायेंगे, महर्षि जमदग्नि ने इसलिए वीरवर परशुराम की परीक्षा के लिए यह मायामय आयोजन किया,वे शिक्षा दीक्षा की परीक्षा में उत्तीर्ण हुए।

भगवान शिव से विद्याएं प्राप्त कर विदा लेते समय परशुराम जी को भगवान शिव ने भविष्य के क्रियाकलापों से भी अवगत करा दिया था।

विदन्नपि त्वंह्यविदन्निवाचरेः समोअपि रामे विषमेमृषारुचा।
समं शरासेन समाप्त विग्रहो नभो नभस्वानिव राघवंविशेः।।
(श्रीभार्गवराघवीयम/, तृतीय सर्ग/श्लोक92)

हे परशुराम! तुम जानते हुए भी श्री राम के समक्ष अज्ञानी जैसा आचरण करना श्री राम के प्रति अनुकूल होते हुए भी सत्य क्रोध का आश्रय लेकर उनके साथ विषम अर्थात् शत्रुवत आचरण करना। राजपथ से संन्यास लेकर सारंग धनुष के साथ ही तुम अपने अंशी श्री राम में इस प्रकार प्रवेश कर जाना जैसे प्रलय काल में वायु आकाश में प्रविष्ट हो जाता है।

विरम्य रामानुजजिहमन्युतो निजावतारं विरमय्य राघवे।
गिरौमहेन्द्रेअथ महेन्द्रवन्दितः प्रभो प्रवर्तस्व महर्षिवर्त्मनि।।
(श्रीभार्गवराघवीयम/, तृतीय सर्ग/श्लोक9)

हे प्रभु! श्री लक्ष्मण पर प्रदर्शित क्रोध के अभिनय से विश्राम लेकर अपना अवतार श्री राम में समर्पित करके महेंद्र पर्वत पर निवास करते हुए इंद्र के द्वारा सेवित आप महर्षियों के मार्ग से अपने शेष जीवन का यापन करेंगे।

भगवान शिव के निर्देश का पालन करते हुए श्रीराम द्वारा धनुष भंग के पश्चात् महर्षि परशुराम प्रकट हुए(श्रीरामचन्द्र जी के मिथिला से तीन योजन चले जाने पर)

कोटि सूर्य प्रतीकाशं विद्युपुंजसमप्रभम।
तेजोराशिददर्शाथ जामदग्न्यं प्रतापवान।।
नीलमेघ मणिनिभं प्रांशुं जटा मण्डल मण्डितम।
धनुःपरशुपाणि च साक्षात्कालमिवान्तकम।।
(आध्यात्म रामायण/बाल काण्ड/सातवां सर्ग/श्लोक 6एवं7)

फिर उन्होंने करोड़ों सूर्यों के समान तेजस्वी, विद्युत पुंज के समान प्रभाव संपन्न,महाप्रतापी तेजोराशि,नीलमेघ की सी आभा वाले, उन्नत काय, जटाजूटधारी, हाथ में धनुष और परशु लिये, प्राणियों का नाश करने वाले साक्षात काल के समान परशुराम जी को आते देखा।

लक्ष्मण एवं श्रीराम में संवाद पश्चात वैष्णव धनुष श्रीराम को सौंपा।तदनंतर दशरथ नंदन श्री राम ने जमदग्निकुमार परशुराम का पूजन किया उनसे पूजित हो प्रभावशाली परशुराम दशरथ कुमार श्रीराम की परिक्रमा करके अपने स्थान (महेंद्र गिरि) को चले गए।

रामं दाशरथिं रामो जामदग्न्य प्रपूजितः।
ततःप्रदक्षिणीकृत्य जगामात्मगतिं प्रभुः।।
(श्रीमद्वाल्मीकीय रामायण/बालकाण्ड/76वां सर्ग/श्लोक 24)

भृगु नन्दन व रघुनन्दन का मिलन युग परिवर्तन एवं परमशक्ति के अद्वैत का परिचायक है लोक कल्याण का मार्ग प्रशस्त करने वाले भृगु कुल कमल दिवाकर महर्षि परशुराम हम सब पर कृपावंत रहें।

केंद्रीय मंत्री दुर्गादास उईके ने सांसद निधि से 18 पानी के टैंकर कराए उपलब्ध

● जनपदों और निकायों को मिली बड़ी सौगात

बैतूल। बैतूल विकासखंड के ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में भीषण पेयजल संकट से निपटने के लिए एक अहम पहल की गई है। केंद्रीय राज्य मंत्री और सांसद श्री दुर्गादास उईके ने अपनी सांसद निधि से 18 पानी के टैंकर उपलब्ध कराए हैं, जो जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जल आपूर्ति का कार्य करेंगे। मंगलवार को इन पानी के टैंकरों का विधिवत पूजन कर उन्हें रवाना किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री श्री दुर्गादास उईके, बैतूल विधायक श्री हेमंत खंडेलवाल, नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती पार्वतीबाई बारस्कर ने हरी झंडी दिखाकर इन टैंकरों को सेवा के लिए रवाना किया। पानी के टैंकर ग्राम करपा, पाढरखुर्द, भयावाड़ी, कुम्हाईरिया, मंडई, बोथी, जुनाबोरगांव, हिवरखेड़ी, रातामाटी बुजुर्ग, माथनी, जोगी, नगर परिषद आठनेर, नगर परिषद बैतूल बाजार और नगर पालिका परिषद बैतूल में इन टैंकरों के माध्यम से जल आपूर्ति की जाएगी।केंद्रीय मंत्री श्री उईके ने बताया कि ये टैंकर केवल पेयजल आपूर्ति तक सीमित नहीं हैं, बल्कि आपातकालीन स्थिति में फायर ब्रिगेड के रूप में भी कार्य कर सकते हैं। प्रत्येक टैंकर में मोटर और पाइप की सुविधा दी गई है, जिससे आगजनी जैसी घटनाओं में त्वरित सहायता दी जा सकेगी। इन बहुउपयोगी टैंकरों के माध्यम से ग्रामीणों को ना केवल स्वच्छ पेयजल मिलेगा, बल्कि आग लगने जैसी आपदाओं में भी राहत मिल सकेगी।

एमबीए के छात्र ने हाथ पर लिखा मैं जा रहा हूं और पेड़ से लटककर लगा ली फांसी

बैतूल। एमबीए के छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मंगलवार सुबह छात्र का शव पेड़ से लटका मिला। मृतक ने अपने हाथ पर मैं जा रहा हूं लिखा और फांसी लगा ली। घटना शाहपुर थाना क्षेत्र की है। पुलिस के मुताबिक बाचा गांव निवासी ईश्वर उईके (22) सोमवार रात करीब दो बजे भोपाल से घर लौटा था। वो भोपाल में ही रहकर एमबीए की पढ़ाई कर रहा था। पिता सूरज के अनुसार, घर पहुंचने के बाद पानी पीकर मौसी के घर जाने का कहकर निकल गया।, लेकिन वो वहां नहीं पहुंचा। मौसी का एक घर गांव में और दूसरा खेत में है। घटना के समय परिवार खेत पर था। जिला पंचायत सदस्य राजेंद्र कवड़े के अनुसार, मृतक साइकिल से मौसी के गांव वाले घर से खेत की तरफ जाने निकला था। रास्ते में ही उसकी लाश पेड़ से लटकी मिली। फांसी लगाने के लिए दुपट्टे का इस्तेमाल किया गया। टीआई रविकांत डहरिया ने बताया कि मृतक ने रात में अपनी मौसी के बेटे से आखिरी बार फोन पर बात की थी। वो छिंदवाड़ा में शिक्षक है। जानकारी के अनुसार ईश्वर पास के ही गांव खंदारा भी गया था। पुलिस इन सभी पहलुओं की जांच कर रही है। फिलहाल पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है और मामले की जांच कर रही है।

आर.डी. पब्लिक स्कूल में समर कैंप कल से

● कैम्प की गतिविधियों से बच्चों का होगा सर्वांगीण विकास: ऋतु खंडेलवाल

बैतूल। क्वालिटी एजुकेशन से मशहूर प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान आरडी पब्लिक स्कूल बैतूल में ग्रीष्मकालीन अवकाश में 10 दिवसीय समर कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। आरडी पब्लिक स्कूल की डायरेक्टर श्रीमती ऋतु खण्डेलवाल के निर्देशन में कल 1 मई से स्कूल परिसर में शुरू हो रहे समर कैम्प में नर्सरी से पांचवी कक्षा के बच्चें शामिल होंगे। डायरेक्टर श्रीमती खंडेलवाल ने बताया कि बच्चे समर कैम्प में रोमांचक, रचनात्मक, ज्ञानवर्धक गतिविधियों में शामिल होकर मनोरंजन करेगें। साथ ही बच्चों का सर्वांगीण विकास भी होगा। उन्होंने बताया कि बच्चों को अपनी रुचि पहचानने और आत्मविश्वास बढ़ाने में समर कैम्प की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। आरडी पब्लिक स्कूल बैतूल के प्राचार्य ने बताया कि स्कूल कैंपस में 1 मई 9 मई तक समर कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। समर कैम्प में पब्लिक स्पीकिंग, सेल्फ गेमिंग, रोबोटिक्स, योगा, मेडिटेशन, फन गेम सहित अन्य मनोरंजक और ज्ञानवर्धक गतिविधियों में नर्सरी से लेकर पांचवी तक के बच्चें सहभागिता करेगें। प्राचार्य के मुताबिक समर कैम्प रोमांच, रचनात्मक और नई सीख से भरपूर होगा।

छात्राओं ने सीखा कविता, संगीत और लोककला का महत्व

● 64 कलाओं पर आधारित कौशल शिविर में छात्राओं को बताए कविता लेखन के सूत्र

बैतूल। ई.एफ.ए. शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बैतूल गंज में शासन के निर्देशानुसार 12 अप्रैल 2025 से 64 कलाओं पर आधारित कौशल विकास शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर के तहत 29 अप्रैल 2025 को छात्राओं को कविता लेखन, संगीत और लोककला के विषय में प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में महाराष्ट्र, पुणे से पधारे गीतकार, कवि, नाट्यकर्मी और कहानीकार दिनेश दीक्षित ने कविता लेखन पर विशेष चर्चा की। उन्होंने कहा कि कविता केवल शब्दों का खेल नहीं, बल्कि यह जीवन को समझने, महसूस करने और बेहतर बनाने की एक कला है। कविता मनुष्य को अच्छे संस्कार देती है और आदर्श जीवन की प्रेरणा प्रदान करती है। उन्होंने बताया कि कविता लेखन से छात्रों को भाषा, व्याकरण, वर्तनी और शब्दों के सही उपयोग को समझने में मदद मिलती है। साथ ही कविता के जरिए छात्र-छात्राएं अपनी भावनाओं और कल्पनाओं को सुंदर रूप में व्यक्त करना सीखते हैं। उन्होंने छात्राओं को छोटी-छोटी कविताएं लिखने, विषय चयन और शब्दों की महत्ता पर मार्गदर्शन दिया।

भावों को अभिव्यक्त करता है संगीत - दूसरे सत्र में अनहद कला संगीत महाविद्यालय के संचालक और संगीतज्ञ दिलीप रावत ने संगीत की गहराई और महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि संगीत एक ऐसी कला है जो ध्वनि और मौन के माध्यम से समय के साथ भावों को अभिव्यक्त करती है। गायन, वाद्य वादन और नृत्य तीनों कलाएं मिलकर संगीत को पूर्ण बनाती हैं। उन्होंने भारतीय संगीत की दो प्रमुख धाराओं कर्नाटक और हिन्दुस्तानी संगीत की विशेषताओं को समझाया और कहा कि संगीत जीवन में शांति और ऊर्जा दोनों प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि ऐसा संगीत जो हमारे मन को शांत करता है, वह आत्मिक उन्नति के लिए अधिक प्रभावी होता है।

परंपराओं को दर्शाता है लोक संगीत - शिविर के प्रभारी शिक्षक महेश गुंजेले ने लोक संगीत पर विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि लोक संगीत जन-सामान्य की संस्कृति, भावनाओं और परंपराओं को दर्शाता है। यह पीढ़ी दर पीढ़ी मौखिक रूप से प्रसारित होता है और समाज की सामूहिक पहचान का प्रतीक होता है। उन्होंने कहा कि लोकगीत, लोकनृत्य और लोककला किसी एक व्यक्ति की नहीं, पूरी समुदाय की धरोहर होती है जो क्षेत्रीय संस्कृति को सहेजकर रखती है। इस पूरे आयोजन में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और कला की विभिन्न विधाओं के प्रति रुचि भी दिखाई। शिविर का उद्देश्य छात्राओं में कौशल विकास के साथ-साथ उनमें सांस्कृतिक चेतना और रचनात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करना है।

ताप्ती लोक की मुख्यमंत्री से मिली स्वीकृति : केंद्रीय राज्यमंत्री डीडी उईके

● शासकीय महाविद्यालय का नाम होगा ताप्ती महाविद्यालय ● शासकीय महाविद्यालय में 743.90 लाख के निर्माण कार्य का हुआ भूमिपूजन

बैतूल/मुलताई। शासकीय महाविद्यालय मुलताई में मंगलवार को भूमिपूजन कार्यक्रम में आए भारत सरकार के केंद्रीय राज्यमंत्री एवं क्षेत्रीय सांसद डीडी (दुर्गादास) उईके ने शासकीय महाविद्यालय में 743.90 लाख रुपए की लागत के निर्माण कार्य के भूमि पूजन कार्यक्रम के अवसर पर आज पत्रकारों से चर्चा में बताया कि ताप्ती महालोक के निमित्त के लिए भी प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से हमें स्वीकृति मिली गई है और आने वाले समय में हमारा यह नगर भारत के नक्शे पर उत्कृष्ट धार्मिक नगरी के रूप में विकसित होगा। उन्होंने शासकीय महाविद्यालय का नाम ताप्ती महाविद्यालय किए जाने के संबंध में पत्रकारों से चर्चा में कहा कि शासकीय विद्यालय का नाम ताप्ती विद्यालय निश्चित रूप से होगा, किंतु इसकी अपनी एक प्रक्रिया है। स्थानीय विधायक, नगर पालिका अध्यक्ष और विद्यालय प्रबंधन सभी मिलकर शासकीय महाविद्यालय का नाम ताप्ती महाविद्यालय किए जाने का प्रयास करेंगे। यहां उल्लेखनीय है कि शासकीय महाविद्यालय की जनभागीदारी समिति ने 18 वर्ष पूर्व महाविद्यालय का नाम ताप्ती महाविद्यालय किए जाने का प्रस्ताव पारित कर जिला योजना समिति को भेजा था और इसके बाद दो बार यह प्रस्ताव राज्य शासन को भी भेजा गया, किंतु नियमों में परिवर्तन के चलते यह प्रस्ताव अधर में ही लटका रहा। मुलताई के दीपक परिहार, प्रकाश पवार सहित अन्य गणमान्य नागरिकों का मानना है कि इसके लिए अभी तक उचित प्रयास किए ही नहीं गए। केंद्रीय मंत्री डीडी उइके, स्थानीय विधायक चंद्रशेखर देशमुख, नगर पालिका अध्यक्ष वर्षा गड़ेकर ने एक बार फिर शासकीय महाविद्यालय का नाम ताप्ती महाविद्यालय किए जाने का आश्वासन उपस्थित लोगों को दिया है। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि वर्षों की इस मांग का हल किस प्रकार निकलता है, या यह हमेशा की तरह एक बार फिर ताप्ती महाविद्यालय बनाए जाने की फाइल जिला योजना समिति के कार्यालय में ही धूल खाती रहेगी। इस संबंध में शासकीय महाविद्यालय के भूमि पूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक चंद्रशेखर देशमुख ने भी कहा कि लंबे समय से मुलताई के नागरिकों द्वारा मांग की जा रही है कि शासकीय महाविद्यालय का नाम ताप्ती महाविद्यालय हो और यह होना चाहिए।

महाविद्यालय का ताप्ती महाविद्यालय करने भेजेंगे प्रस्ताव - नगर पालिका एवं जिला योजना समिति से प्रस्ताव पारित कर इसे राज्य शासन को भेजेंगे, ताकि विद्यालय का नाम ताप्ती महाविद्यालय हो सके। कार्यक्रम में अपने उद्बोधन में स्थानीय विधायक श्री देशमुख ने कहा कि मुलताई को ताप्ती के लिए पहचाना जाता है और जब तलक ताप्ती का नाम आगे नहीं बढ़ेगा, मुलताई का विकास होना संभव नहीं है। नगर पालिका अध्यक्ष मुलताई वर्षा गड़ेकर ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे समय में शिक्षा सुविधाओं के लिए लंबा संघर्ष करना पड़ता था, किंतु अब ऐसा नहीं है, भाजपा सरकार के चलते शिक्षा के क्षेत्र को बेहतर बनाने के प्रयास हो रहे हैं, छात्र-छात्राएं इस सुविधा का लाभ लेवें और अपने गुरुजनों का सम्मान करें।

743.90 लाख रुपए की लागत से बनेंगे चार भवन - शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मुलताई में 743.90 लाख रुपए की लागत से बनने वाले कर्मचारी आवास, इंडोर स्पोर्ट्स हाल, लाइब्रेरी एवं 50 सीटर कन्या छात्रावास भवन का भूमि पूजन आज केंद्रीय राज्यमंत्री एवं क्षेत्रीय सांसद दुर्गादास उइके के अलावा स्थानीय विधायक चंद्रशेखर देशमुख, नगर पालिका अध्यक्ष मुलताई वर्षा गडेकर द्वारा अन्य गणमान्य लोगों की उपस्थिति में महाविद्यालय परिसर में किया गया। इस अवसर पर शासकीय महाविद्यालय की प्राचार्य वर्षा खुराना, जनभागीदारी समिति अध्यक्ष जयेश संघवी, नमन अग्रवाल, भाजपा मंडल अध्यक्ष गणेश साहू सहित नगर के कई भाजपा नेता एवं कर्मचारी] अन्य गणमान्य नागरिक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। शासकीय महाविद्यालय में उक्त सभी निर्माण कार्यों का निर्माण कार्य ठेकेदार को 14 माह में पूर्ण करना है।

भगवान परशुराम जयंती आज, होंगे कई आयोजन

बैतूल। सनातन ब्राह्मण महासमाज बैतूल के तत्वावधान में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी भगवान परशुराम जयंती एवं सामूहिक उपनयन संस्कार कार्यक्रम भगवान परशुराम मंदिर बडोरा बैतूल में मनाया जायेगा। इस अवसर पर हवन-पूजन एवं भंडारा आयोजित होगा। समाज के अध्यक्ष पं. सुभाष मोहन पाण्डेय, कार्यक्रम संयोजक पं. राजेश अवस्थी ने बताया कि आज 30 अप्रैल को सुबह 7 बजे से भगवान परशुराम का अभिषेक एवं हवन-पूजन होगा। सुबह 8 बजे सामूहिक उपनयन जनेऊ संस्कार कार्यक्रम, दोपहर 12 बजे आमंत्रित अतिथियों द्वारा आर्शीवाद वचन एवं बैतूल में जनप्रतिनिधियों का सम्मान, दोपहर 2 बजे से भोजन प्रसादी वितरित की जायेगी। समाज के अध्यक्ष पं. सुभाष मोहन पाण्डेय, कार्यकारी अध्यक्ष पं. महेंद्र दीक्षित, कार्यक्रम संयोजक पं. राजेश अवस्थी ने सभी स्वजातीय बंधुओं से कार्यक्रम में उपस्थित होने की अपील की है।

इसके अलावा जिला सर्व ब्राह्मण समाज बैतूल के तत्वावधान में आज 30 अप्रैल को सुबह 8 बजे से जिला अस्पताल में अंकुरित आहार वितरण, 9 बजे से दत्त मंदिर सिविल लाइन बैतूल में भगवान परशुराम का पूजन होगा। इसके बाद शाम को 6 बजे से शिव शक्ति शनि मंदिर गंज बैतूल में महाआरती एवं प्रसादी वितरण का कार्यक्रम होगा।

आरएसके कार्यालय में रक्तदान शिविर आज

बैतूल। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी आरएसके कार्यालय में 30 अप्रेल को रक्तदान का आयोजन किया किया जा रहा है। समाज सेवा के क्षेत्र में अग्रणी युवा समाजसेवी अमर सिंह आशु किलेदार के जन्मदिन पर रक्तदान शिविर का आयोजन रखा गया है, जिसमें बड़ी संख्या में रक्तदाता हर वर्ष रक्तदान करते हैं। पिछले कई वर्षों से निरंतर रक्तदान शिविर का आयोजन आरएके द्वारा किया जा रहा है। आरएसके परिवार द्वारा अपील की गई है कि इस पुनीत कार्य हेतु अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर रक्तदान करें।

कुनबी समाज संगठन का सामूहिक विवाह कार्यक्रम आज, तैयारियां पूर्ण

18 जोड़े लेंगे अग्नि के सात फेरे

बैतूल। क्षत्रिय लोणारी कुन्बी समाज संगठन ब्लाक भैंसदेही मिडिया प्रभारी कमलेश कावडकर ने बताया कि 10वां सामुहिक विवाह महोत्सव आज 30 अप्रैल बुधवार को मां रेणुका धाम ग्राम धामनगांव में आयोजित होगा। सामुहिक विवाह समारोह को लेकर समाज संगठन की तैयारियां पूर्ण कर ली है। आज वर पक्ष बारात लेकर आयोजन स्थल पहुंचेगे, जहां हिन्दू-रीति रिवाज के अनुसार विवाह संपन्न कराया जायेगा। आयोजन को लेकर समाज संगठन के भैंसदेही ब्लाक अध्यक्ष वासुदेव धोटे ने बताया कि सामूहिक विवाह समारोह के लिए विगत कई दिनों से तैयारियां चल रही थी। 28 अप्रैल को वधू पक्ष की खनमिट्टी आई और मेंहदी कार्यक्रम 29 को हिन्दू रीति-रिवाज के अनुसार आयोजन स्थल पर ही जामुन की पत्तियों का मंडप बनाया गया। आज सामूहिक विवाह का आयोजन होगा। जिसमें सामाजिक लोगों के अलावा जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक मौजूद रहेगे। समाज संगठन सचिव केशर लोखंडे ने बताया कि समाज संगठन की ओर से वर-वधु को पायल, बिछिया, मंगलसूत्र, लौंग, घड़ी सहित किचन का सामान और वर-वधु के कपड़े प्रदान किये जायेगे। महिला ब्लाक अध्यक्ष श्रीमति पावस महाले ने बताया कि रीति-रिवाज के अनुसार वधु की हल्दी, मेंहदी सहित अन्य कार्यक्रम भी आयोजित हुए। जिसमें समाज की महिलाओं ने हिस्सा लिया।

कार्यक्रम में यह होंगे मुख्य अतिथि - सामुहिक विवाह कार्यक्रम में अतिथि के रूप में मुलताई विधायक चंद्रशेखर देशमुख, पूर्व केबिनेट मंत्री सुखदेव पांसे, पूर्व नपाध्यक्ष बैतूल राजेन्द्र देशमुख, पूर्व विधायक मुलताई पंजाबराव बोडखे, जिलाध्यक्ष कांग्रेस हेमंत वागद्रे, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष नरेश फाटे, नपा अध्यक्ष बैतूल पार्वतीबाई बारस्कर, भाजपा युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष भास्कर मगरदे, हंसलोक आश्रम मुलताई के जगदीश दवंडे, सेवानिवृत्त अधीक्षण अभियंता एमपीईबी शैलेन्द्र वागद्रे, एसएस पंडाग्रे, पूर्व जिलाअध्यक्ष भाजपा बसंत माकोडे, समाजसेवी कृष्णा गायकी, जिला सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष अशोक पांसे मौजूद रहेगे।

परिणय बंधन में बंधेंगे 18 जोड़े - सामूहिक विवाह समारोह में 18 जोड़े परिणय बंधन में बंधेगे। कुनबी समाज संगठन के ब्लॉक अध्यक्ष वासुदेव धोटे ने बताया कि सामूहिक विवाह के लिए 18 जोड़ों का पंजीयन हुआ है। जिनका समाज संगठन द्वारा हिन्दू रीति-रिवाज के अनुसार विवाह संपन्न कराया जायेगा। श्री धोटे ने बताया कि बारात सभी वर पक्ष के घर से प्रात: 9 बजे प्रस्थान करेगी। 11 बजे धामनगांव पहुंचेगी, जहां जनवासे की व्यवस्था प्राथमिक शाला भवन प्रांगण में की है। यहां से बैंडबाजे के साथ वर पक्ष बारात लेकर आयोजन स्थल पहुंचेगे। यहां अतिथियों की उपस्थित में सभी जोड़ों का विवाह संपन्न होगा। जिसके पश्चात स्वरूचि भोज का आयोजन किया जायेगा।

जनसुनवाई में नागरिकों की समस्याओं का हो रहा त्वरित निराकरण

जिला पंचायत सीईओ ने जनसुनवाई में सुनीं समस्याएं

बैतूल। जिला पंचायत सीईओ अक्षत जैन ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनसुनवाई में नागरिकों की समस्याएं सुनीं। प्रातः 11 से आयोजित जनसुनवाई में सभी विभागीय अधिकारी उपस्थित हुए। जिला पंचायत सीईओ श्री जैन ने जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का त्वरित निराकरण किया। जनसुनवाई में 108 आवेदन प्राप्त हुए। जिला पंचायत सीईओ श्री जैन ने जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का गंभीरता पूर्वक निराकरण किए जाने के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में घोड़ाडोंगरी निवासी बुजुर्ग महिला श्रीमती उषा जैन ने आवेदन देकर उनकी निजी भूमि से 11 केव्ही उच्च वोल्ट विद्युत लाइन नहीं डालने की मांग की। जिस पर जिला पंचायत सीईओ श्री जैन ने एमपीईबी के संबंधित अधिकारियों को प्रकरण के निराकरण के निर्देश दिए।घोड़ाडोंगरी तहसील के ग्राम माथनी निवासी चंद्रकली धुर्वे ने जीवन सुरक्षा एवं वैवाहिक सुरक्षा का पैसा दिलाए जाने के लिए आवेदन दिया। प्राप्त आवेदन पर जिला पंचायत सीईओ श्री जैन ने संबंधित अधिकारी को प्रकरण की जांच कर निराकरण के निर्देश दिए। प्रभात पट्टन तहसील के ग्राम सालबर्डी निवासी

सुनिता बावने ने जनसुनवाई में आवेदन देकर मुख्यमंत्री बाल आशीर्वाद योजना, स्पॉन्सरशिप योजना का लाभ दिए जाने की मांग की। जिस पर जिला पंचायत सीईओ श्री जैन ने महिला एवं बाल विकास विभाग के संबंधित अधिकारी को प्रकरण के निराकरण के निर्देश दिए। बैतूल तहसील के ग्राम गोधना निवासी तुलसीराम ने सीमांकन रुकवाए जाने के लिए आवेदन किया। जिस पर जिला पंचायत सीईओ श्री जैन ने तहसीलदार बैतूल को प्रकरण के जांच के निर्देश दिए।

सड़क से अवैध अतिक्रमण हटाने के दिए निर्देश

जनसुनवाई में चिचोली के वार्ड क्रमांक-3 के निवासियों ने किशोर पाल द्वारा सडक़ पर बाउंड्री वॉल बनाकर किए जा रहे अवैध अतिक्रमण को रोकने के लिए आवेदन दिया। प्राप्त आवेदन पर जिला पंचायत सीईओ श्री जैन ने चिचोली तहसीलदार को प्रकरण का निराकरण किए जाने के निर्देश दिए। प्रभात पट्टन तहसील के ग्राम गोधनी निवासी शोभा बारस्कर ने आबादी मद की भूमि पर स्वामित्व का हक दिलाने के लिए आवेदन दिया। जिस पर जिला पंचायत सीईओ श्री जैन ने मुलताई एसडीएम को स्वामित्व योजना के तहत प्रकरण का निराकरण किए जाने के निर्देश दिए। मुलताई निवासी गीता उबनारे ने जनसुनवाई में आवेदन देकर उनकी भूमि पर हो रहे अवैध कब्जे को हटाने की मांग की। जिस पर जिला पंचायत सीईओ श्री जैन मुलताई एसडीएम को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

शासकीय आईटीआई में मई में प्रवेश प्रक्रिया होगी प्रारंभ

बैतूल। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के प्राचार्य ने बताया कि बैतूल जिले में पांच शासकीय आईटीआई क्रमश- आईटीआई बैतूल, एकलव्य महिला आईटीआई बैतूल, आईटीआई चिचोली और शाहपुर, भीमपुर, प्रभात पट्टन में आगामी सत्र 2025-26 के लिए विभिन्न रोजगार मूलक व्यवसाय के लिए माह मई में ऑनलाइन पंजीयन किए जाएंगे। जिसमें महिला प्रशिक्षणार्थी का प्रवेश सभी आईटीआई में होना है। सभी आईटीआई में कुल 1072 सीटें भरी जानी हैं। जिसमें महिला एकलव्य आईटीआई में 324 सीटें एवं अन्य शासकीय आईटीआई में 225 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित है। प्राचार्य ने बताया कि अधिक जानकारी के लिए शासकीय आईटीआई हेल्प डेस्क पर सम्पर्क किया जा सकता हैं।

पहलगाम के दिवंगत सैनिकों को परशुराम सैनिकों ने दी रक्तदान करके श्रद्धांजलि

बैतूल। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में भारतीय पर्यटकों की नृशंस हत्या के विरोध में उन्हें श्रद्धांजलि स्वरूप मंगलवार को जिला अस्पताल के ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। विगत दिनों हुई सामाजिक बैठक में भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव को सादगी पूर्ण मनाते हुए शोभायात्रा नहीं निकालने का निर्णय लिया था। जिसके तहत श्रद्धांजलि स्वरूप रक्तदान शिविर आयोजित किया। सर्वप्रथम भगवान श्री परशुराम का पूजन कर दो मिनट का मौन रखा गया। सादगी से भरे इस कार्यक्रम में सीमांत पाण्डे, राज मिश्रा, विकास मिश्रा, वेद शर्मा, सार्थक शर्मा, हर्षये पौनीकर, महेश्वर, साक्षी शर्मा, सचिन मिश्रा, प्रसाद नायक, हेमंत देशपांडे, सदानंद देशपांडे, निमिषा शुक्ला, नितिन शर्मा, अमन, सुजय पौनीकर, राहुल मिश्रा, सौरभ, कुलशेखर तिवारी, अटल प्रकाश शर्मा, शांतनु बाजपेई, विक्रम शर्मा, लक्ष्मीकांत हजारे, नीरज पवन शर्मा, ओम द्विवेदी, हितेंद्र शर्मा, रूबल, अर्जुन त्रिवेदी, निशांशु दीक्षित, अंकित तिवारी एवं सोमेश त्रिवेदी व अभिनव पात्रीकर सहित 28 परशुराम सैनिकों ने रक्तदान किया। परशुराम सेना के इस आयोजन में जिला सर्व ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष पं. नरेंद्र शुक्ला, पं.सुनील द्विवेदी, पं.सुनील शर्मा, पं. कांतु दीक्षित, पं. प्रमोद शर्मा, पं.शैलेश गुबरेले, पं. संजय द्विवेदी, पं. रामू शुक्ला, पं.अजय शुक्ला, पं.टीटू पांडे, पं. प्रशांत मांडवीकर, पं. संदीप शर्मा, पं. दुष्यंत पांडे, पं. श्रीकांत दीक्षित, श्रीमती प्रेरणा शर्मा, श्रीमती श्वेता भार्गव, श्रीमती आभा सीते, श्रीमती नीलम मिश्रा, पं. नवनीत शर्मा सहित बड़ी संख्या में परशुराम सैनिक उपस्थित थे। रक्तकोष अधिकारी डॉ. अंकिता सीते एवं राजेश बोरखड़े ने सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त किया।

मरीजों के परिजनों को कराया भोजन

रक्तदान शिविर के बाद जिला अस्पताल स्थित भोजन शाला में ब्राह्मण समाज की परशुराम सेना द्वारा भोजन वितरण कर सेवा की गई। जिला रक्त कोषालय में विगत 45 वर्षों के कार्यरत वरिष्ठ नर्सिंग ऑफिसर श्रीमती विजया पोटफोडे के सेवानिवृति पर परशुराम सेना द्वारा उनके उत्कृष्ट कार्य हेतु शाल एवं श्रीफल देकर सम्मानित किया गया। डॉ. सीते द्वारा सिस्टर पोटफोड़े के कार्यकाल पर प्रकाश डाला गया। ऐसे अनूठे सम्मान को पाकर श्रीमती फोटफोड़े द्वारा भावुक होकर परशुराम सेना का आभार व्यक्त किया गया।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने भगवान परशुराम जयंती पर प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएं

भोपाल। तप, त्याग और पराक्रम के प्रतीक भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम जी की जयंती के अवसर पर मध्य प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि भगवान परशुराम का जीवन अन्याय के विरुद्ध संघर्ष और धर्म की स्थापना का प्रतीक है। हम सभी को उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर समाज में न्याय, सद्भावना और सेवा का भाव बढ़ाने का संकल्प लेना चाहिए।

एम्स भोपाल में 1 किलो से कम वज़न वाले नवजात को मिला जीवनदान

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में संस्थान ने अपनी बहुविषयी क्लिनिकल सेवाओं का एक और शानदार उदाहरण पेश किया है। यहां के चिकित्सकों की एक समर्पित टीम ने गंभीर गर्भावस्था जटिलताओं के कारण समय से पहले जन्मे एक ऐसे शिशु का जीवन बचाया है,

जिसका जन्म के समय वजन 1 किलोग्राम से भी कम था। गर्भावस्था के दौरान, माता को एम्स भोपाल के प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग (OBGY) में विशेषज्ञों द्वारा लगातार और उचित देखभाल दी गई। शिशु के जन्म के बाद उसे तुरंत नवजात गहन चिकित्सा इकाई (एनआईसीयू) में भर्ती किया गया, जहाँ उसे विशेष चिकित्सकीय देखभाल दी गई। यह शिशु माता-पिता के लिए बेहद खास था, क्योंकि वे आठ साल के लंबे इंतजार के बाद माता-पिता बने थे। एम्स भोपाल के डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ ने तीन महीने तक लगातार देखभाल की और पूरी मेहनत से शिशु का इलाज किया। परिणामस्वरूप, शिशु अब स्वस्थ है और घर जा चुका है। वर्तमान में, शिशु की देखभाल नवजात शिशु विभाग की उच्च जोखिम नवजात ओपीडी (High-Risk Newborn OPD) में नियमित फॉलोअप के तहत किया जा रहा है, जहाँ विशेषज्ञ उसकी प्रगति पर नजर रख रहे हैं और परिवार को जरूरी सलाह दे रहे हैं। इस मौके पर, शिशु के माता-पिता ने एम्स भोपाल के डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ और पूरी चिकित्सा टीम के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त की है। प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने इस सफलता पर खुशी जताते हुए कहा, 'यह मामला चिकित्सा सेवा में समर्पण, धैर्य और परिवार के विश्वास की एक शानदार मिसाल है। एम्स भोपाल में हम हर मरीज को सबसे अच्छी स्वास्थ्य सेवा देने के लिए पूरी तरह समर्पित हैं। यह उपलब्धि हमारे डॉक्टरों, नर्सों और पूरी टीम की मेहनत और परिवार के विश्वास का परिणाम है।'

आतंकवाद का धर्म नहीं होता तो धर्म पूछकर क्यों मारी गोलियां , मुख्य बाजार में पेंटिंग के माध्यम से विरोध

सुबह सवेरे सोहागपुर । आज राज्य मार्ग 22 पिपरिया नर्मदापुरम के व्यस्ततम मुख्य बाजार में मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम बीएसडब्ल्यू एवं एमएसडब्ल्यू के छात्र,छात्राओं ने पहलगाम में हुऐ पयर्टकों पर हुए आतंकवादी हमला के विरोध में पेंटिंग बनाकर पर मौन रहकर प्रदर्शन किया। इस अवसर पर समाजसेवी विशाल गोलानी,समाजसेवी एवं वकील शिवकुमार पटेल, मंजु पंवार, वंशीका भावसार, शिवानी मेहरा , मदन अहिरवार, हरिदास, शुभम् संकेत, सौरभ वेलवंशी, उदय मेहरा, आयुषी कुशवाहा, सीमा चौरसिया आदि उपस्थित थे। पेंटिंग प्रदर्शनी में लिखा था, स्टाप टेरेजम, जो कहते हैं आतंकवाद का धर्म नहीं होता, तो धर्म पूछकर क्यों मारी गोलियां, 26 / 11 भाई कौन, चारा कौन, पहलगाम हमले पर सबकी नजर ,फिर से अमन चैन लाना है तो आतंकवाद को जड़ से मिटाना है, हिन्दू बोलने पर गोलियां मारी क्या हिंदू होना गुनाह है। इसके पूर्व जनपद पंचायत परिसर में बीएसडब्ल्यू एवं एमएस डब्लू के छात्र छात्राओं ने पहलगाम हमले की पेंटिंग का प्रदर्शन भी किया था। इस अवसर जन अभियान परिषद के ब्लाक समन्वयक किशोर कड़ोले आदि उपस्थित थे।

रोटरी क्लब ऑफ धार सेंट्रल द्वारा आज विशाल नि :शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन

धार। रोटरी क्लब ऑफ धार सेंट्रल के द्वारा धार शहर में वरिष्ठ एवं प्रसिद्ध चिकित्सको के सहयोग से एक विशाल निः शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन दिनांक 30 अप्रेल आखातिज के अवसर पर माइकल क्लिनिक (शो रूम के सामने)इंदौर रोड पर प्रातः 9 से 1.30 बजे तक आयोजित किया जा रहा है। इस शिविर में हड्डी रोग, पेट रोग, हृदय रोग, बच्चेदानी का कैंसर, ब्रेस्ट कैंसर एवं अन्य प्रकार के कैंसर रोग, स्त्री रोग, बाल दंत रोग, मुख एवं सभी प्रकार के दंत रोग, बाल रोग, रेटिना आँखों के पर्दे, मोतियाबिंद आदि विभिन्न रोगों का विशेषज्ञ डाक्टरों द्वारा निशुल्क परीक्षण किया जावेगा। इस शिविर में महिलाओ हेतु ब्रेस्ट कैंसर की स्क्रीनिंग, बच्चे दानी में कैंसर, मेमोग्राफी, कालपोस्कोपी,पीएफटी, जैसी जांचे एवं हिमोग्लोबिन ,ब्लड शुगर,पेशाब की निशुल्क जाँच की जाएगी। अन्य पैथालोजीकल जांचे भी 50त्न डिस्काउंट के साथ की जावेगी।

शिविर में सुप्रसिद्ध डा. सुखविंदर सिंह नैयर, डा. संजयसिंह राठौर, डा. आशीष डामो, डा. लीना माइकल, डा. त्वरित सिंह ठाकुर, डा. जयंती सिंह, डॉ देवेंद्र मंडलोई, डा. रितेश पाटीदार, डा. मनीष कुमार सिंह, डा. सिल्वि वर्मा सिंह एवं डा. मनिका डामो अपनी बहुमुल्य सेवा देंगे। शिविर का उद्घाटन 30 अप्रेल को प्रातः 9 बजे माननीय रोटरी गवर्नर अनीश मलिक के कर कमलो द्वारा किया जायेगा। रोटरी क्लब ऑफ धार सेंट्रल के संस्थापक अध्यक्ष रो. अरुण वर्मा, वर्तमान अध्यक्ष रो. मनीष कुमार सिंह, सचिव रो. वी के सिंह, इवेंट चेयर रो. डा. अजेश माइकल, इलेक्ट सहायक मंडल अध्यक्ष रो. डा. प्रदीप पाल ने समस्त नगरवासियों एवं ग्रामीण बंधुओ से इस शिविर का अधिक से अधिक संख्या में लाभ लेने का अनुरोध किया है। शिविर में रजिस्ट्रेशन हेतु रो. प्रफुल्ल जैन(सिल्की होजीयरी) 8770252846,रो. अरुण वर्मा 7415126127, डा. मनीष कुमार सिंह (किड्स एवं फेमिली डेंटल केयर) 8380006858 पर संपर्क किया जा सकता है। जानकारी रो. प्रफुल्ल जैन द्वारा दी गई है।

एम्स भोपाल के प्रथम वर्ष के एमबीबीएस छात्रों ने राष्ट्रीय क्विज प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रोफेसर (डॉ.) अजय सिंह संस्थान में शैक्षणिक श्रेष्ठता और ज्ञान के आदान-प्रदान को एक प्रेरक परंपरा के रूप में विकसित कर रहे हैं। उनकी प्रेरणा से संकाय सदस्य और छात्र निरंतर उत्कृष्टता की नई ऊंचाइयों को छू रहे हैं। हाल ही में, एम्स भोपाल के प्रथम वर्ष एमबीबीएस के छात्र श्री मानव खत्री एवं श्री प्रांजल खत्री ने शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, रतलाम के शरीर क्रिया विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित प्रथम राष्ट्रीय स्तर की क्विज प्रतियोगिता, 2025 में तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में देशभर के प्रमुख चिकित्सा संस्थानों की टीमों ने भाग लिया, जिससे युवाओं के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और ज्ञानवर्धन को बढ़ावा मिला। इस उपलब्धि पर छात्रों को बधाई देते हुए प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने कहा, यह एम्स भोपाल के लिए गर्व का क्षण है। इस प्रकार की उपलब्धियां हमारे छात्रों की मेहनत, समर्पण और प्रतिभा को दर्शाती हैं। राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भागीदारी से विद्यार्थियों के अकादमिक विकास के साथ-साथ उनका आत्मविश्वास भी बढ़ता है और उत्कृष्टता की भावना को भी प्रोत्साहन मिलता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज उमरबन में मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के सामूहिक विवाह सम्मेलन में होंगे शामिल

2140.26 करोड़ रुपये लागत के विकास कार्यों का भूमिपूजन-लोकार्पण भी करेंगे

धार । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इंदौर संभाग के धार जिले के उमरबन में 30 अप्रैल (बुधवार) को मुख्यमंत्री कन्यादान सामूहिक विवाह आयोजन में शामिल होंगे। इस अवसर पर धार जिले में विभिन्न विकास कार्यों के भूमिपूजन एवं लोकार्पण भी करेंगे, जिनकी अनुमानित लागत 2140.26 करोड़ रुपये है।

इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सवित्री ठाकुर, प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री तथा धार ज़िले के प्रभारी मंत्री कैलाश विजयवर्गीय तथा सामाजिक न्याय मंत्री नारायण सिंह कुशवाह उपस्थित रहेंगे। इस कार्यक्रम का आयोजन केशरपुरा फाटा, जनपद पंचायत उमरबन में दोपहर 12 बजे से किया जाएगा। इसमें बड़ी संख्या में वर-वधू जोड़ियों के विवाह सम्पन्न कराए जाएंगे। साथ ही क्षेत्र में अधोसंरचना जैसे सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य व पेयजल जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों से जुड़े अनेक परियोजनाओं का भूमिपूजन और लोकार्पण भी किया जाएगा।

भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर धार में सर्व ब्राह्मण समाज द्वारा आकर्षक झांकी व भव्य शोभा यात्रा निकाली जाएगी

ब्राह्मण समाज जनों में भगवान परशुराम जन्मोत्सव को लेकर खासा उत्साह

धार। सर्व ब्राह्मण समाज द्वारा प्रतिवर्ष अनुसार इस बार भी भव्य रूप से भगवान परशुराम जन्मोत्सव मनाया जाएगा। 30 अप्रैल को प्रातः 9 बजे धारेश्वर में 151 जोड़े द्वारा रुद्राभिषेक किया जाएगा दोपहर 12 बजे परशुराम मंदिर बसंत बिहार धार में आरती की जाएगी शाम को 5 बजे धारेश्वर मंदिर से लालबाग भव्य शोभा यात्रा निकाली जाएगी । जिसमें भगवान परशुराम जी आकर्षक झांकी रहेंगी। शोभायात्रा में सर्व ब्राह्मण समाज की मातृशक्ति और पुरुष सांस्कृतिक वेशभूषा में रहेंगे। शोभा यात्रा में विशेष रूप से सर्व ब्राह्मण समाज के जिलाध्यक्ष पं विश्वास पांडे, कार्यकारी जिलाध्यक्ष पं धर्मेन्द्र जोशी, संयोजक डॉ अशोक शास्त्री, यात्रा प्रभारी ऋषि भार्गव ,उपाध्यक्ष गोटू शुक्ला , सचिव प्रवीण शर्मा ,समाज जन गोपाल शर्मा, धीरज दीक्षित, ज्ञानेन्द्र त्रिपाठी,संजय शर्मा , उमेश शर्मा ,संजय शुक्ला, प्रेम रावल संजय बाजपेई सचिन दवे पुनीत तिवारी करुण जोशी अशोक व्यास श्रीकांत द्विवेदी अशोक जोशी बृजकिशोर बोड़ा अमित मंडलोई, राजेश शर्मा, दिपक शर्मा अभिषेक चतुर्वेदी राजा शर्मा विजय दवे नमन रावल पिंटू रावल जितेंद पंड्या पीयूष जोशी ,डॉ तरुण जोशी, नीलेश जोशी नितिन शर्मा शांतिलाल शर्मा सुर्या दुबे चेतन शर्मा वरदान तिवारी पियूष जोशी सहित अनेक समाज जन उपस्थित रहेंगे । शोभा यात्रा का समापन लालबाग पिकनिक स्पॉट पर होगा यहां भव्य शोभा यात्रा में शामिल सभी समाजजन के लिए भोजन प्रसादी का आयोजन होगा। जानकारी संजय शर्मा ने दी।

सन् 2015 में 16 सवारियों की मृत्यु कारित करने वाले बस चालक की अपील निरस्त, 2 वर्ष का सश्रम कारावास

हीरालाल गोलानी सोहागपुर । माननीय द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश की अदालत ने सन् 2015 में 16 बस यात्रियों को बस चालक द्वारा लापरवाही से बस चलाकर मृत्यु कारित करने वाले बस चालक को 2 साल के सश्रम कारावास की सजा से दंडित किया है। इस संबंध में अपर लोक अभियोजक शंकरलाल मालवीय ने घटना का संक्षिप्त विवरण प्रकरण मे बताया कि घटना घटना दिनाक 15. दिसंबर 2015 को सुबह 6 बजे मेन रोड लांघाबम्होरी टर्निंग सोहागपुर पर बस कमांक एमपी 09 एफएस 9597 को लोक मार्ग पर तेज रफ्तार और लापरवाहीपूर्वक बस चलाकर बस बैठी सवारियों का जीवन संकटापन्न किया था।जिसमें सवार 16 व्यक्तियों की मृत्यु हो गयी थी। मृतकों के नाम अनुराधा, विष्णुप्रसाद, स्तन् अडनद ,ज्योति, गायत्री, महेश वर्मा, कौशल्याबाई, राधा, हरिओम, ओमप्रकाश, अशोक, बेबी, मंजू वर्मा, हरिप्रसाद, अशोक की मृत्यु हो गयी थी। अभियोजन पक्ष की ओर से 17 साक्षियों के कथन कराए गए थे। आरोपी की ओर से दडिक

अपील कमांक-12,2022 प्रस्तुत की गयी थी। जिसे माननीय विद्वान न्यायाधीश ने निरस्त कर विचारण न्यायालय के निर्णय को यथावत रखने का निर्णय लिया है। जिसमें माननीय द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश श्री सुरेश कुमार चौबे सोहागपुर ने आरोपी राजेश मंसोरे पिता मांगीलाल, उम्र 32 वर्ष, निवासी सुदर्शन नगर मूताखेडी, जिला इंदौर को धारा-337 काउंट 11 में 2-2 माह का कारावास, 100-100 रु अर्थदड एवं धारा-304ए काउंट 16 में प्रत्येक मृतक 2-2 वर्ष के सश्रम कारावास, प्रत्येक मृतक 50-50 रूपये अर्थदंड से दंडित किया है। मामले की पेरवी लोक अभियोजक वकील शंकरलाल मालवीय ने थी।

स्वास्थ्य विभाग में रिक्त पदों पर भर्ती का कार्य शीघ्रता से करें

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने विभिन्न विभाग के अधिकारियों के साथ की बैठक

भोपाल । उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि राज्य शासन की मंशा के अनुरूप स्वास्थ्य विभाग में रिक्त पदों पर भर्ती का कार्य एक निश्चित समय-सीमा का निर्धारण कर शीघ्रता से पूरा किया जाए। उन्होंने वर्तमान में चल रही भर्ती प्रक्रिया की अद्यतन जानकारी भी प्राप्त की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मंगलवार को मंत्रालय में यह निर्देश स्वास्थ्य, सामान्य प्रशासन विभाग और कर्मचारी चयन मण्डल के अधिकारियों की बैठक में दिये। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि आवश्यकता होने पर नियमों में आवश्यक संशोधन करने और प्रक्रिया को सरल करने के संबंध में भी प्रस्ताव तैयार करें। बैठक में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के कर्मियों को और सुविधा दिये जाने, विभाग के चतुर्थ श्रेणी अस्पताल सहायक के 1200 रिक्त पदों की पूर्ति के लिये परीक्षा प्रारूप और पाठ्यक्रम निर्धारण करने के भी निर्देश दिये गये। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने बैठक में कहा कि 24 घंटे सेवाएं देने वाले स्वास्थ्य कर्मियों की सेवाओं को ध्यान में रखते हुए उनके हित में बनने वाले प्रस्तावों को गंभीरता से लें। उन्होंने कहा कि वित्त और सामान्य प्रशासन विभाग के अधिकारियों से चर्चा कर की जाये। स्वास्थ्य कर्मियों की बेहतरी के लिये प्रस्ताव तैयार करे। उप मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य कर्मचारियों की वेतन विसंगति दूर करने तथा कर्मचारियों के ग्रेड-पे और एनएचएम कर्मियों को नियमित कर्मचारियों के समतुल्य सुविधाएं देने आदि पर विचार करने को कहा।

भाजपा खेडीसावंलीगढ़ मंडल की कार्यकारिणी घोषित

बैतूल। भाजपा के संभागीय संगठन प्रभारी पंकज जोशी, केंद्रीय राज्यमंत्री एवं सांसद दुर्गादास उइके, जिला संगठन प्रभारी सुजीत जैन, जिलाध्यक्ष सुधाकर पंवार, विधायक हेमंत खंडेलवाल की सहमति से खेडीसावंलीगढ मंडल अध्यक्ष नितिन बारस्कर ने मंडल कार्यकारिणी की घोषणा कर दी है। घोषित मंडल समिति में छह उपाध्यक्ष, दो महामंत्री, छह मंत्री एवं एक कोषाध्यक्ष की घोषणा की गई है। खेडीसावंलीगढ मंडल की घोषित मंडल समिति में उपाध्यक्ष चंद्रभानसिंह चंदेल (देवगांव), ओम मालवीय (साकादेही),सुनिल अहाके (चौकी), राजकुमार यादव (कोदारोटी), सुनिल नहारिया (उडदन), उल्लाहस केकतपुरे (खेडीसावंलीगढ), महामंत्री कमलकिशोर मालवीय (महदगांव), संतोषी मनोज वर्मा (झगडिया), मंत्री सरोज दिलीप गायकवाड (दनोरा), नीलम बंडू राठौर (खेडीसावंलीगढ), शर्मिला केवल ठाकुर (खेडीसावंलीगढ), शिवरती उत्तम उइके (डुडाबोरगांव), सुषमा मयाराम यादव (मंडईखुर्द), अलकेश महस्की (सेलगांव) एवं कोषाध्यक्ष अनिल चौहान (हिवरखेडी) को बनाया गया है। राजू नारे, इमलेश बारस्कर, ऋषि लोखंडे, रवि जाधव, मनोज यादव, योगेश पांडे, चिन्धु विश्वकर्मा, महेश पाठा, बबलू ठाकुर, सोनू वर्मा, ओमप्रकाश पारधे, दीपक खंडाग्रे, पप्पू पटेल, जुबैर पटेल, हंसराज धुर्वे, रेवतीप्रसाद सरले, आनंद गिरी, शिवाजी पंवार, अकरम बब्बू पटेल, गोकुलसिंह चौहान, सतीश पाठा, राजसिंह परिहार, रूपेश अग्रवाल, प्रताप यादव, पर्वतराव धोटे, दीनाजी खोडके, दयाल अडाउ, दिलबर सिंह, पूर्णिमा सतीश पाठा, गीता पर्वतराव धोटे, लता राजू महस्की, शशीकला कुंभारे, सरोज जितेन्द्र राठौर, मुकूंदराव धोटे, धर्मेन्द्र राठौर, अंजेश धुर्वे, मंशाराम धुर्वे, शंभुलाल धुर्वे, शंकर आहके, अजय लोखंडे, नंदकिशोर नागले, संदीप गुजरे, पुष्पा झरबडे, दिवाकर कापसे और बालमुकूंद राठौर को मंडल कार्यसमिति सदस्य बनाया गया है।

उप मुख्यमंत्री के आश्वासन पर खत्म हुई संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों की हड़ताल

बैतूल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल के आश्वासन के बाद राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी संघ द्वारा चल

रही अनिश्चितकालीन हड़ताल समाप्त कर दी गई। बैतूल जिले के अध्यक्ष गोविंद साहू ने बताया संघ की विभिन्न मांगों को लेकर 22 अप्रैल 2025 से प्रदेशभर के एनएचएम संविदा कर्मचारी हड़ताल पर थे। उप मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में संघ पदाधिकारियों के साथ हुई महत्वपूर्ण बैठक के बाद यह निर्णय लिया गया। बैठक में उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने संविदा कर्मचारियों की प्रमुख मांगों जैसे अप्रेजल, स्वास्थ्य बीमा, ईपीएफ, समकक्षता निर्धारण, ग्रेज्युटी, अर्जित अवकाश, मेडिकल अवकाश सहित अन्य मुद्दों पर यथोचित कार्यवाही का भरोसा दिया। इस आश्वासन के बाद संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी संघ मध्यप्रदेश द्वारा हड़ताल को समाप्त करने की घोषणा की गई। संघ के पदाधिकारियों ने हड़ताल समाप्ति की जानकारी उप मुख्यमंत्री को पत्र सौंपकर दी। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की संचालक डॉ. सलोनी सिडाना, भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश महामंत्री कुलदीप सिंह गुर्जर और संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

धर्मगुरुओं ने संभाली बाल विवाह की रोकथाम की कमान

बैतूल में प्रदीपन संस्था द्वारा चलाया गया व्यापक जागरूकता अभियान

बैतूल। जिले में बाल अधिकारों की सुरक्षा और बाल विवाह की रोकथाम के लिए कार्यरत प्रदीपन संस्था ने अक्षय तृतीया के पर जिले में एक भी बाल विवाह न होने देने के लिए धर्मगुरुओं के सहयोग से एक विशेष जागरूकता अभियान चलाया। इस पहल का उद्देश्य शादी-ब्याह के मौसम में बाल विवाह को रोकना था। अभियान को व्यापक समर्थन और सराहना मिली, खासकर जब सभी धर्मों के धर्मगुरुओं ने बाल विवाह के खिलाफ खुलकर अपनी राय व्यक्त की और इसे समाज के लिए घातक बताया। इस अवसर पर गायत्री परिवार के लखन विषेंद्र और रविशंकर पारखे ने कहा कि बाल विवाह न केवल बच्चों के विकास में बाधा है, बल्कि यह सामाजिक रूप से भी अनुचित है। उन्होंने कहा कि बालिकाओं और बालकों की सही उम्र में विवाह होना चाहिए ताकि वे शारीरिक और मानसिक रूप से परिपक्व हो सकें। कोरकू समाज के भगत मदन चौहान ने कहा कि कम उम्र की लड़कियों को शादी के बाद कई तरह की बीमारियों और समस्याओं का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि बच्चों को शिक्षा और संस्कार देकर ही बाल विवाह जैसी कुप्रथा को खत्म किया जा सकता है। विश्वकर्मा समाज के पंडित रामधर द्विवेदी ने कहा कि हमें बच्चों को आत्मनिर्भर बनाना चाहिए ताकि वे सही और गलत का अंतर समझ सकें और अपने निर्णय स्वयं ले सकें। बौद्ध धर्म की गीता नागले और धनराज चंदेलकर ने बाल विवाह का मुख्य कारण माता-पिता की अशिक्षा बताया और कहा कि समाज में जागरूकता लाना आवश्यक है।

बाल विवाह रोकथाम के लिए करेंगे जन-जागरूकता - इस अवसर पर प्रदीपन संस्था की निदेशक रेखा गुजरे ने बताया कि देशभर में बाल विवाह की रोकथाम के लिए काम कर रहे जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन नेटवर्क के अंतर्गत प्रदीपन बैतूल जिले का सहयोगी संगठन है। उन्होंने कहा कि बाल विवाह रोकने में पुरोहितों, मौलवियों और पादरियों की भूमिका अहम है, क्योंकि विवाह इनकी उपस्थिति के बिना संपन्न नहीं हो सकता। इसलिए धर्मगुरुओं को इस अभियान से जोड़ा गया। उन्होंने कहा कि हमने धर्मगुरुओं को यह समझाया कि बाल विवाह वास्तव में बच्चों के साथ बलात्कार के बराबर है। अठारह साल से कम उम्र की बच्ची के साथ वैवाहिक संबंध बनाना पॉक्सो कानून के तहत दंडनीय है। यह अत्यंत संतोष की बात है कि अब पंडित और मौलवी भी इसे समझते हुए इस अभियान में सक्रिय समर्थन दे रहे हैं। संस्था ने कहा कि अब जिले के सभी सार्वजनिक स्थानों पर बाल विवाह रोकथाम के संदेश वाले दीवार लेखन और सूचना बोर्ड लगाए जाएंगे, ताकि जन-जागरूकता को और बढ़ावा दिया जा सके।

भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में धार जिले की छात्राओं ने प्रदेश स्तर पर लहराया परचम

धार। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वाधान में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाली भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के वर्ष 2024- 25 के राज्य स्तरीय पुरस्कारों का वितरण समारोह गत दिवस गायत्री शक्तिपीठ एमपी नगर भोपाल में संपन्न हुआ। जिसमें वर्ष 2024 - 25 की परीक्षा में प्रदेश की प्रवीण्य सूची में आने वाले विद्यार्थियों , सर्वाधिक विद्यार्थियों को सम्मिलित करने वाले जिलों और भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया गया। समारोह के अतिथि पीपल्स यूनिवर्सिटी भोपाल के हरीश राव, भारतीय

संस्कृति ज्ञान परीक्षा हरिद्वार के केंद्रीय संयोजक सहायक सुधीर श्रीपाद, प्रांतीय संयोजक एस आर चौधरी और के एल पटेल थे। समारोह में प्रदेश के विभिन्न जिले से प्रवीण्य सूची में आने विद्यार्थीयों, विभिन्न जिले से आए शिक्षकों और गायत्री परिजनों ने भाग लिया। जिन्हें अतिथियों ने सम्मानित किया। इस वर्ष धार जिले की तीन छात्राओं ने प्रदेश प्रवीण्य सूची में स्थान प्राप्त किया हैं । कॉलेज स्तर में धार के शासकीय कन्या महाविद्यालय की छात्रा आँचल सचान ने प्रदेश प्रवीण्य सूची में प्रथम स्थान प्राप्त किया। स्कूल स्तर पर बदनावर के श्री अंबिका आदेश हायर सेकंडरी स्कूल की कक्षा 12 वीं की छात्रा प्रवीता जायसवाल ने प्रदेश प्रवीण्य सूची में द्वितीय स्थान प्राप्त किया, वही प्रज्ञा जागृति गुरुकुल अकोदिया की कक्षा छठी की छात्रा लक्ष्मी चौघड़ ने प्रदेश प्रवीण्य सूची में प्रथम स्थान प्राप्त किया। यह जानकारी देते हुए भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के जिला संयोजक रमेश चंद्र सचान ने बताया कि भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा कक्षा पांचवी से लगाकर 12 वीं तथा कालेज स्तर पर आयोजित की जाती है।

गौरतलब है कि इस वर्ष देश में कुल 38 लाख परीक्षार्थियों ने भाग लिया था इसमें मध्य प्रदेश के 7 लाख विद्यार्थियों ने भागीदारी की। भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में इस वर्ष सर्वाधिक परीक्षार्थी सम्मिलित कर खरगोन जिला प्रदेश में प्रथम रहा जबकि धार जिला द्वितीय स्थान पर रहा।

॥ मंदिरम् ॥

96

श्री आदिकेशव पेरुमल मंदिर, कन्याकुमारी

श्री आदिकेशव पेरुमल मंदिर, तमिलनाडु के कन्याकुमारी जिले के थिरुवत्तार में स्थित एक प्रसिद्ध वैष्णव मंदिर है। यह 108 दिव्य देशमों में से एक है और मलाई नाडु के ऐतिहासिक तेरह दिव्य देसमों में भी शामिल है। यह भगवान विष्णु को समर्पित है, और यहाँ आदि केशव पेरुमल और उनकी पत्नी देवी मरागाथावल्ली थायर की पूजा की जाती है। यह मंदिर 108 दिव्य देशमों में से एक है, जो विष्णु के भक्तों के लिए अत्यंत पवित्र माने जाते हैं। यह मंदिर मलाई नाडु के ऐतिहासिक तेरह दिव्य देशमों में भी शामिल है। यह मंदिर तीन नदियों – थामिराभरणी, कोथाई, और पहराली से घिरा हुआ है। मंदिर को 'चेर साम्राज्य का श्रीरंगम' भी कहा जाता है, क्योंकि यह प्रसिद्ध श्रीरंगम मंदिर की तरह नदियों से घिरा हुआ है। यह मंदिर पहले त्रावणकोर साम्राज्य का 'शाही मंदिर' था। मंदिर में भगवान विष्णु लेटे हुए रूप में विराजमान हैं।

पुलिस की वर्दी फाड़ने वाले आरोपियों का निकाला जुलूस

भोपाल। रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी से मारपीट और अभद्रता करने वाले तीनों मुख्य आरोपियों को जीआरपी भोपाल ने गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक रेलवे राहुल कुमार लोढ़ा और उप पुलिस अधीक्षक बिट्टू शर्मा के नेतृत्व में की गई। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपियों का जुलूस हबीबगंज इलाके में निकाला, जहां आरोपी खुलेआम यह कहते नजर आए 'पुलिस हमारी बाप है, पुलिस पर हाथ उठाना पाप है।' घटना 26-27 अप्रैल की दरम्यानी रात करीब 1:30 बजे की है। रानी कमलापति स्टेशन परिसर की पार्किंग में एक कार में महिला सहित तीन युवक शराब पीते हुए पाए गए। मौके पर ड्यूटी पर तैनात प्रधान आरक्षक नजर दौलत खान ने जब उन्हें रोका, तो आरोपियों ने उनके साथ गाली-गलौच करते हुए मारपीट की। इस दौरान भीड़ का फायदा उठाकर दो आरोपी और महिला मौके से फरार हो गए, जबकि एक आरोपी जितेंद्र यादव को तुरंत पकड़कर थाने लाया गया। जीआरपी ने आरोपियों की तलाश के लिए एक विशेष टीम गठित की, जिसने लगातार लांबाखेड़ा, करोंद, भानपुर और चौपड़ा जैसे इलाकों में दबिश दी। मंगलवार को तीनों आरोपी मनोहर डेरी, भोपाल के पास से गिरफ्तार कर लिए गए। आरोपियों के कब्जे से एक काली स्कॉर्पियो गाड़ी भी जब्त की गई है, जिसका इस्तेमाल घटना के समय किया गया था। गिरफ्तार मुख्य आरोपी दिलीप अहिरवार ने घटनास्थल पर भीड़ को भड़काने के इरादे से पुलिसकर्मियों से कहा–'तुम हट जाओ, तुम हिन्दू हो, ये

● आरोपी बोले, पुलिस हमारी बाप है, पुलिस पर हाथ उठाना पाप है

पुलिस वाला मुसलमान है।' इस बयान को गंभीर मानते हुए पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की धारा 196 बीएनएस को भी एफआईआर में जोड़ा है। भोपाल के रानी कमलापति रेलवे स्टेशन परिसर में शराब के नशे में युवकों ने जीआरपी जवान की पिटाई कर दी। उसकी वर्दी फाड़ दी।

गालीगलौज की। धार्मिक आधार पर आपत्तिजनक टिप्पणियां भी कीं। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दो अन्य की तलाश जारी है। जानकारी के अनुसार, शनिवार रात करीब 2 बजे जीआरपी बंसल वन की शॉप्स और रेस्टोरेंट्स बंद कराने पहुंची थी।

इसी दौरान कुछ युवक कार में बैठकर शराब पी रहे थे। पुलिस ने उन्हें हटने के लिए कहा तो युवक विवाद करने लगे। हाथापाई होने लगी

यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री के आसपास के 42 इलाकों में पानी प्रदूषित

● 23 इलाकों में जांच जारी,14 मोहल्लों के भूजल में मिला कार्बाइड का जहर

भोपाल। भोपाल के जेपी नगर में यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री के आसपास के 42 इलाकों में भूजल प्रदूषित है। 4 दिन पहले 19 इलाकों में पानी की जांच की गई थी। बाकी बचे 23 इलाकों में मंगलवार को जांच टीम पहुंची। जिनमें डीआईजी बंगला क्षेत्र भी शामिल है। इस दौरान गैस पीड़ित संगठनों के पदाधिकारी भी मौजूद हैं। 2012 में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टॉक्सीकोलॉजिकल रिसर्च (IITR) को इन 14 बस्तियों के अलावा 8 अन्य मोहल्लों का पानी भी कार्बाइड के जहर से प्रदूषित मिला था। वहीं, 2018 की रिपोर्ट के मुताबिक 20 और मोहल्लों में भूजल प्रदूषित पाया गया था। तब सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था कि सभी मोहल्लों में पाइप

निरीक्षण कार्य शाम तक चलेगा। प्रदूषित मोहल्लों में यह निरीक्षण सुप्रीम कोर्ट के 30 अगस्त 2018 के आदेश पर गठित निगरानी समिति के निर्देश पर किया जा रहा है। इससे पहले, 25 अप्रैल को भोपाल जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव सुनीत अग्रवाल की अध्यक्षता में 19 मोहल्लों का निरीक्षण किया गया था। 'भोपाल ग्रुप फॉर इनफॉर्मेशन एंड एक्शन' की संयोजक रचना ढिंगरा ने बताया कि फैक्ट्री के आसपास के 14 मोहल्लों के भूजल में कार्बाइड के जहर (हैवी मेटल्स, कीटनाशक और परसिस्टेंट ऑर्गेनिक पॉल्यूटेंट्स) पाए गए थे।

इसके बाद सभी मोहल्लों में पाइपलाइन के जरिए साफ पानी उपलब्ध कराने के आदेश दिए गए। लाइन से साफ पानी उपलब्ध कराई जाए, सीवरेज का निर्माण हो और हर तीन महीने में पानी की रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए। मंगलवार को निरीक्षण पर निकली टीम पानी की सैंपलिंग भी कर रही है। गैस पीड़ित संगठनों के पदाधिकारियों ने प्रदूषित पानी से संबंधित साक्ष्य भी सौंपे। रचना ढिंगरा ने बताया कि फूटा मकबरा, कैंची छोला, कल्याण नगर जैसे इलाकों में अब तक नल कनेक्शन नहीं दिए गए हैं।

संगठनों ने समिति को इन सभी 42 मोहल्लों की पानी की स्थिति, नाली के अभाव और गंदगी के फोटो-वीडियो के साथ एक विस्तृत रिपोर्ट दी। रिपोर्ट के अनुसार, 70 प्रतिशत से ज्यादा मोहल्लों में लोगों को साफ पानी नहीं मिल रहा है।

कपड़े उतारे, सिगरेट से दागा हैरत-अंगेज दरिंदगी

● मास्टर माइंड के फोन में 6 लड़कियों के 20 वीडियो ● भोपाल में संगठित होकर काम करता था फरहान गैंग ● वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करते थे गैंग के सभी गुर्गे

इस मामले में 12 लोगों पर दर्ज हो चुका है मामला

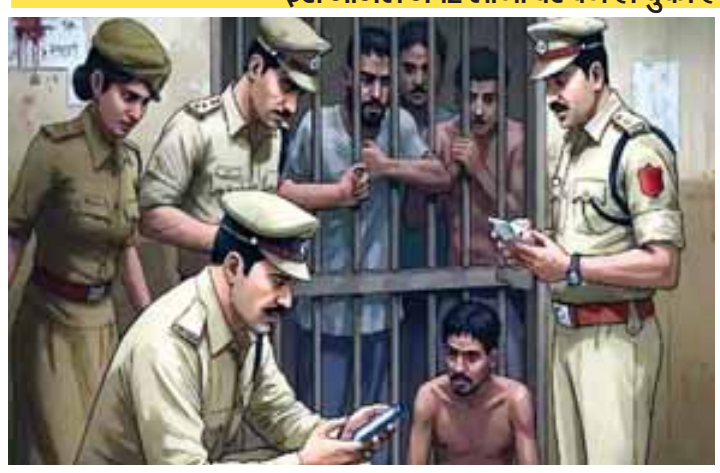

भोपाल। राजधानी का संगठित मुस्लिम गिरोह, हिंदू लड़कियों को दोस्ती के जाल में फंसाकर बलात्कार करता और वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करता था। यह गिरोह भोपाल में अजमेर जैसी घटना को दोहरा रहा था। पुलिस ने शुरुआत में इस संवेदनशील मामले में कार्रवाई करने में आनाकानी की। लड़कियों ने जब खुद कार्रवाई करने का फैसला किया तब पुलिस ने मामला दर्ज किया। अब तक भोपाल के पांच थानों में पांच मामले दर्ज किए गए हैं।

इसमें 12 लोगों को आरोपी बनाया गया है। मुख्य आरोपी फरहान खान के अलावा अली, साहिल, साद, अबरार और नबील के खिलाफ भी मामले दर्ज किए गए हैं। ये सभी पश्चिम बंगाल और बिहार के रहने वाले हैं। एक आरोपी हामिद ने पिछले साल आत्महत्या कर ली थी। फरहान की बहन जोया और उसके पति के खिलाफ भी मामले दर्ज किए गए हैं। पुलिस कमिश्नर ने इस मामले की जांच के लिए एक SIT (स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम) का गठन किया है। पुलिस जांच में पता चला है कि भोपाल के TIT कॉलेज में पढ़ने वाली हिंदू छात्राओं को फंसाने वाले संगठित जिहादी गिरोह का मुख्य आरोपी फरहान खान 2023 से एक पीड़िता को ब्लैकमेल कर रहा था। उस समय वह नाबालिग थी। इससे पहले, उसकी बहन को भी इस गिरोह ने फंसाया था।

लड़की के भाई ने फोन पर सुनी चीखें- पीड़िता के भाई ने फोन पर उसकी चीखें सुनीं। लड़की फरहान से बचने के लिए अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद इंदौर चली गई थी। वह भंवरकुआं थाना क्षेत्र में एक कमरे में रह रही थी। जब फरहान को इस बारे में पता चला, तो वह उसका पीछा करते हुए इंदौर पहुंच गया। 8 अप्रैल की देर रात फरहान उसके कमरे में घुस गया। उस समय, छात्रा फोन पर अपनी एक चचेरी बहन से बात कर रही थी। इसी दौरान, फरहान ने अचानक उसे पीटना शुरू कर दिया और उसके साथ बलात्कार किया। अचानक हुई इस घटना के बीच, लड़की और उसके भाई की फोन पर बात जारी रही। जब भाई ने उसकी चीखें सुनीं, तो उसने दूसरे फोन से 100 नंबर पर डायल किया और अपनी बहन के लिए मदद मांगी लेकिन कोई मदद नहीं मिली। जब भोपाल में पुलिस से शिकायत की गई, तो यहां भी पुलिस ने मामले को दबाने की नीयत से आरोपी फरहान के खिलाफ शांति भंग करने का मामला दर्ज किया, लेकिन जब छात्रा अड़ी रही तो पुलिस को बलात्कार और ब्लैकमेलिंग का एफआईआर दर्ज करना पड़ा। जब पुलिस ने फरहान को रिमांड पर लेकर पूछताछ की, तो संगठित गिरोह में शामिल कई अन्य मुस्लिम युवकों के चेहरे सामने आए।

पुलिस कमिश्नर कह रहे गंभीरता से जांच की बात

भोपाल के पुलिस कमिश्नर हरिनारायणचारी मिश्रा ने कहा कि, इस पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। इसके लिए अलग-अलग SIT का गठन किया गया है। अगर अतीत में कोई लापरवाही हुई है, तो उसकी भी जांच की जाएगी। जो भी जिम्मेदार होगा, उसके खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी।

10-12 लड़कियों के आपत्तिजनक वीडियो मिले

आरोपी फरहान के मोबाइल में 10 से 12 लड़कियों के वीडियो मिले हैं। महिला पुलिस अधिकारियों ने कुछ छात्राओं से संपर्क किया है और उन्हें समझाया है। उनसे मामला दर्ज करने के लिए कहा गया है। कई लड़कियां सामाजिक बदनामी के डर से आगे आने को तैयार नहीं हैं। इस बीच, एक और लड़की ने शिकायत दर्ज कराने के लिए सहमति दे दी है। इस मामले में छठी एफआईआर दर्ज होने की संभावना है। इसमें भी फरहान ही आरोपी है।

कांग्रेस विधायक को सिंधिया के करीबी ने बताया पाक एजेंट

2 पार्षदों ने पुलिस में शिकायत की, दिग्विजय बोले–मसूद की सुरक्षा बढ़ाए सरकार

भोपाल। भोपाल की मध्य विधानसभा से कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद को केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के करीबी और बीजेपी के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कृष्णा घाड़गे ने चोर और पाकिस्तान का एजेंट कहा है। घाड़गे ने रविवार शाम को हनुमान जन्मोत्सव की शोभायात्रा में ये बयान दिया था। वीडियो सामने आने के बाद मसूद समर्थक कांग्रेस पार्षदों ने पुलिस में शिकायत कर कार्रवाई करने की मांग की है। इस घटना के पहले सचिन सूर्यवंशी नाम के व्यक्ति ने फेसबुक पर कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद को जान से मारने की धमकी दी थी। इस मामले को लेकर पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने X(पूर्व में ट्विटर) पर लिखा- क्या भोपाल पुलिस कमिश्नर इस विषय पर आरिफ मसूद की सुरक्षा पर 'Threat Perception' का आकलन कर उनकी सुरक्षा बढ़ायेंगे? बढ़ाना चाहिए। एमपी बीजेपी सचिन सूर्यवंशी

पर कानूनी कार्यवाही करेंगे? करना चाहिए। कृष्णा घाड़गे ने कार्यक्रम में मौजूद पुलिस कर्मियों की तरफ इशारा करते हुए कहा, ये पुलिस खड़ी है पुलिस के सामने मैं खुला चैलेंज करता हूं अब छेड़कर दिखाओ हमारी बहनों को, आओ हमारे सामने। जो सामने दिखेगा पुलिस बाद में पकड़ेगी। घर जाकर कृष्णा घाड़गे जूते मारेगा। घाड़गे ने कहा- मुझसे बर्दाश्त नहीं होता। बहुत हुआ अब नहीं। मैं आगाह करना चाहता हूं हमारी खुद की सरकार है, प्रयास कर रही है, मोदी जी प्रयास कर रहे हैं। कुछ दिनों में आपको परिणाम भी दिखाएंगे। लेकिन पाकिस्तान के जो दलाल इस भोपाल में बैठे हैं उनको मोदी जी बाद में याद दिलाएंगे पहले इस मंच पर खड़े लोग और ये हिन्दू बताएंगे कि हम कौन हैं।

मसूद समर्थक पार्षदों ने पुलिस से की शिकायत

कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद समर्थक और भोपाल नगर निगम के वार्ड 43 की पार्षद नसीम गफूर ने सोमवार को जहांगीराबाद थाना प्रभारी को एक ज्ञापन दिया। जिसमें उन्होंने मांग की कि कृष्णा घाड़गे द्वारा विधायक आरिफ मसूद और उनके अनुयायियों को पुलिस की मौजूदगी में कुत्ता कहने और मारने की धमकी दी है। पाकिस्तानी एजेंट जो उस समय चौराहे पर मौजूद था उसके खिलाफ और कृष्णा घाड़गे के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जाए ताकि समाज का माहौल खराब न हो और साम्प्रदायिकता फैलाने, भड़काऊ भाषण देने वालों पर कार्रवाई की जाए। वार्ड 35 की पार्षद शीरीन खान ने भी जहांगीराबाद थाना प्रभारी को एक शिकायती आवेदन दिया है। इस आवेदन में उन्होंने लिखा- मैंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो देखा, जिसमें कृष्णा घाड़गे आम सभा को संबोधित करते समय विधायक आरिफ मसूद और उनके अनुयायियों को मारने की धमकी दी और कहा कुत्तों को छोड़ेंगे नहीं। घाड़गे ने कहा- इस चौराहे पर पाकिस्तानी एजेंट मौजूद हैं जो सुन रहे हैं। कृष्णा घाड़गे से पूछताछ करें कि वह कौन पाकिस्तानी एजेंट था, जो चौराहे पर मौजूद था और जो कृष्णा घाडगे की बात सुन रहा था। उन पाकिस्तानी एजेंट के खिलाफ भी कानूनी कार्यवाही की जाए। उक्त वीडियो कृष्णा घाडगे के फेसबुक अकाउंट पर 28 अप्रैल को अपलोड किया गया, इस प्रकार के भड़काऊ भाषण से समाज का माहौल खराब हो सकता है और अराजकता फेल सकती है। समाज में दंगे भड़क सकते हैं। क्योंकि, कृष्णा घाडगे के उस वीडियो में स्थानीय नागरिकों को, जो कि वहां पर मौजूद थे। पाकिस्तानी एजेंट भी बोला गया। लेकिन, किसी का नाम नही लिया गया। यदि उस समय जो भी पाकिस्तानी एजेंट मौजूद था कृष्णा घाडगे से सभा के दौरान यदि कोई पाकिस्तानी एजेंट मोजूद था तो उसके सम्बन्ध में वह उस एजेंट का नाम बताएं और उसके खिलाफ भी कार्यवाही की जाए।

'दुख में सुख से जीने की कला' का मुंबई प्रेस क्लब में लोकार्पण हुआ

चालीस वर्ष पूर्व घटित बातों और स्थलों का रोचक वर्णन

मुंबई। लेखक राकेश कुमार की नवीनतम पुस्तक 'दुख में सुख से जीने की कला' का लोकार्पण मुंबई के प्रेस क्लब में हुआ। समारोह में लेखक एवं शिक्षाविद संदीप सिंह, भारतीय जीवन बीमा निगम के पूर्व प्रबंध निदेशक राज कुमार और लेखक और मीडिया विशेषज्ञ अनंत ने अपने पुस्तक पर अपने विचार रखे।

राकेश कुमार जन सामान्य के व्यक्तित्व विकास के लिए सतत लेखन करते रहते हैं। यह उनकी दूसरी कृति जीवंत उदाहरण से सिखाती है। आज ऐसे ही लेखन की आवश्यकता है, जो हताशा में डूबे मनुष्य को उबारकर नई दिशा दे। गुमराह करने वाले अनेक हैं, लेकिन राह दिखाने वाले कम होते हैं। राकेश कुमार उन लेखकों में हैं, जो मार्ग दिखाते हैं। संस्मरण रूपी इस गाथा में हर अवसर की छोटी से छोटी सी बात जैसे विवाह में हल्दी के छापे, पलकाचार, मिलनी, विदाई, नववधू का देहरी पूजन, कंगना खोलना जैसी लुप्त होती परंपराओं और रीति रिवाजों का रोचक ढंग से उल्लेख

किया गया है। आधुनिकता में पले बड़े मित्रों का पंडित जी से शादी की रस्मों में शॉर्टकट करने के लिए कहना सामान्य छींटाकशी लगता है। युवा पीढ़ी के इस संदेह को बेबाकी से बिना आहत किये उत्तर देना अद्भुत है। लेखक की भी सराहना करनी होगी कि लगभग चालीस वर्ष पूर्व घटित बातों और देखे गए स्थलों का भी ऐसा वर्णन है जैसे कल ही देख कर लौटे हैं। धार्मिक तीर्थस्थलों, ऐतिहासिक स्थानों का वर्णन हो या इंदू और राकेश द्वारा रामायण और गीता पर चर्चा, इंदु के रोग का इतनी बारीकी से विश्लेषण, मोहम्मद गौरी अथवा पृथ्वीराज चौहान जैसे दृष्टांत लेखक के भौगोलिक, ऐतिहासिक,आध्यात्मिक और वैज्ञानिक ज्ञान के स्तर के परिचायक हैं। नर्मदा के उद्गम स्थल अमरकंटक के का ऐसा सजीव वर्णन है कि लगता ही नहीं है कि हम पढ़ रहे हैं अपितु प्रतीत होता है कि हम भी लेखक के साथ वहीं विचरण कर रहे हैं। इस ग्रंथ के कलेवर को कलापक्ष की दृष्टि से देखें या भावपक्ष की दृष्टि से। यह संस्मरण लेखन उत्कृष्टता की कसौटी पर एकदम खरा उतरता है। साहित्यकार तो कल्पनालोक में विचरण करता है और तथ्य जुटाता है। जबकि, वर्तमान पुस्तक जीवन के यथार्थ का प्रस्तुतीकरण है। कितना दर्द है इस गाथा में, सीताराम के प्रणय की तड़प हो या राधा-कृष्ण के प्रेम का विरह वही से यहां प्रेरणा मिली है। इंदू जी तो जीती है रामायण की चौपाईयां। इस रचना में इंदू -राकेश के जीवन के हर इक पल के घटनाक्रम का उल्लेख है जो उन्होंने साथ- साथ बिताये। एक शीर्षस्थ अधिकारी की जिम्मेदारी, पति के दायित्व, पिता, मित्र, ऊर्ध्व आध्यात्मिक चिंतन तथा संवेदनशील जीवन दर्शन के विहंगम वर्णन का लेखा-जोखा है इस पुस्तक में। हर जीवन कितनी कठिनाइयों से भरा हुआ है दूसरा कोई सोच भी नहीं सकता। आपका जीवन खतरे में है फिर भी आप दूसरों को खुशियां बांटते रहें यह अद्भुत सीख है। इस पुस्तक से अब जग जान सकेगा। यह कृति श्रेष्ठ जीवन दर्शन की श्रेष्ठतम अभिव्यक्ति है।

'मथुरा की गाय अब जबलपुर का पानी पी कर रानी दुर्गावती बन चुकी है।' कहती नायिका नारी सशक्तिकरण का जीवंत उदाहरण है। वात्सल्य की मूर्ति अपने पराए सबके दुख सुख की भागीदार, बिना किसी अभिमान, अहंकार हर किसी से सहज रूप में मिलने वाली, जीवन के अंतिम समय में भी अपना आईसीयू बेड, दूसरे जरूरत मंद रोगी को दे देने वाली त्याग की मूर्ति इंदु लेखक का वह संबल थी जो चुनौतियों को सरल बना देती थी और हर चिंता को खेल। सुशिक्षित और सुशील इंदु के चरित्र का उल्लेख हर पाठक को जीवन मे आने वाली मुसीबतों से जूझने का बल देगा और 'दुख में सुख से जीने की कला' सिखाएगा।